शारदीय नवरात्रि की शुभकामनाएं

10 अक्टूबर 2024 गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

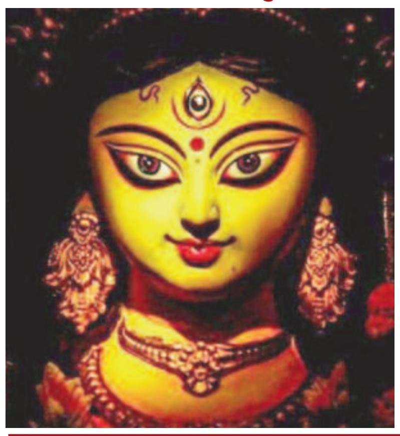

इस्तीफा देने वाले आईजी शिवदीप लांडे का तबादला 2

नकली दवा निमार्ताओं के खिलाफ कार्रवाई

नई दिल्ली। भारत के दवा नियामक ने बुधवार को जानकारी दी कि करीब 45 दवा निमार्ताओं को गुणवत्ता मानकों को पूरा करने के लिए के कारण अपने उत्पादों को वापस लेने को कहा गया है। साथ ही, पांच नकली दवा निमार्ताओं के खिलाफ कार्रवाई कार्रवाई भी शुरू की गई है। केंद्रीय दवा मानक नियंत्रक संगठन के औषधि महानियंत्रक राजीव सिंह रघुवंशी ने सीआईआई फार्मा और लाइफ साइंसेज शिखर सम्मेलन से इतर पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया है कि पचास नकली दवाओं पर प्रतिबंध लगाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। ये नकली दवाएं नहीं हैं, गुणवत्ता के पैमाने पर खरी नहीं उतर रही हैं। दोनों चीजों में अंतर है। रघुवंशी ने बताया कि सीडीएससीओ हर महीने बाजार से करीब दो हजार से ज्यादा नमूनों का परीक्षण करता है। इनमें से करीब 40-50 नमूने पहले या दूसरे मानक में विफल हो जाते हैं। ये विफलताएं अक्सर छोटे-छोटे मानकों से जुड़ी होती हैं, जो स्वास्थ्य के लिए कोई गंभीर खतरा पैदा नहीं करते। जब नमूना मानकों पर खरा नहीं उतरता, तो उसकी जानकारी सीडीएससीओ के पोर्टल पर साझा की जाती है। हालिया खबरों का जिक्र करते हुए रघुवंशी ने कहा कि अभी जिस तस्वीर को पेश किया जा रहा है, वह यह बता रही है कि पचास नकली दवाएं हैं।

कोलकाता के पूजा पंडाल बने आकर्षण का केंद्र

कोलकाता। कोलकाता के जोधपुर पार्क 95 पल्ली एसोसिएशन के दुर्गा मंडप में इस बार लोगों को देवी महामाया के दर्शन होंगे। भवतारिणी को पूजा का थीम बनाया गया है। भगवान राम के अकाल बोधन की देवी दुर्गा यहां विराजमान है। कोलकाता के ज्यादातर पूजा मंडपों का उद्घाटन हो चुका है, पूजा मंडपों में दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ने लगी है। कोलकाता के श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब, संतोष मित्रा स्क्वायर, जोधपुर पार्क, सुरूचि संघ, मोहम्मद अली पार्क, त्रिधारा, एकडालिया समेत प्रायः सभी पूजा मंडपों (जिनके उद्घाटन हो चुके हैं) में दर्शनार्थियां की भीड़ दिख रही। भीड़ को देखते हुए पूरे महानगर में 10 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों की तैनाती की गयी है। 58 वॉच टावर से भी पुलिसकर्मी हर गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। जिस मंडपों में लोगों की अधिक भीड़ उमड़ रही है, वहां ड्रोन से भी नजर रखी जा रही हैपूजा के दौरान भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 200 जगहों पर पुलिस पिकेट बनाये गये हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रत्येक पूजा मंडप में बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गयी है।

खबरें फटाफट

ईटानगर में गिरी दीवार, चार लोगों की दर्दनाक मौत

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के करसिंगसा में भारी बारिश के कारण बुधवार सुबह अरुणाचल प्रदेश राज्य परिवहन सेवा (एपीएसटीएस) की केंद्रीय कार्यशाला की चारदीवारी गिरने से मां-पुत्र सहित चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान असम के लखीमपुर जिले के बिहपुरिया थाने के अंतर्गत केयामारा गांव के निवासी विकास विश्वास (12), उनकी मां उर्मिला विश्वास (34), बिहपुरिया थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव के निवासी मोकिबुर रहमान (23) और गौतम पाल (46) के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी, जिससे दीवार ढह गई और बगल के कच्चे घरों पर गिर गई, जहां पीड़ित रह रहे थे। पुलिस ने कहा कि इस घटना के बाद, बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका इलाज चल रहा है। नाहरलागुन के एसपी मिहिन गाम्बो ने कहा कि स्थानीय निवासियों के साथ एक पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा है।

पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने 4 अक्टूबर को आवास खाली किया था, इसके बाद रहने के लिए आई आतिशी

पीडब्लूडी ने दिल्ली सीएम हाउस में जड़ा ताला, बाहर किया आतिशी का सामान

केटी न्यूज/नई दिल्ली

दिल्ली में बुधवार को फ्लैग स्टाफ रोड स्थित सीएम आवास को सील कर दिया गया। पीडब्लूबी विभाग ने आवास से सीएम आतिशी का सामान निकालकर बाहर कर दिया है। दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 4 अक्टूबर को आवास खाली किया था। दो दिन पहले ही आतिशी इसमें रहने आई थीं। पीडब्लूडी विभाग के अधिकारी सुबह सीएम आवास आए थे। उनके मुताबिक, घर का हैंडओवर करने में नियमों का पालन नहीं किया गया था। आतिशी के पास इस घर की चाबियां थीं, लेकिन उन्हें घर अलॉट किए जाने के आधिकारिक दस्तावेज नहीं दिए गए थे। अधिकारियों ने दोपहर तक घर की चाबियां ले लीं। इसे लेकर सीएम ऑफिस ने कहा कि इतिहास में पहली बार किसी मुख्यमंत्री को उसका घर खाली करने को कहा गया है। विजिलेंस विभाग ने तीन अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस भेजा डायरेक्टर ऑफ विजिलेंस ने केजरीवाल के स्पेशल सेक्रेटरी समेत तीन अधिकारियों को शो-कॉज नोटिस भेजा है। दो अन्य अधिकारी वे हैं जो केजरीवाल के सीएम रहते समय सीएम कैंप ऑफिस में तैनात थे। उनसे पूछा गया है कि साफ निर्देश दिए जाने के बाद भी उन्होंने सीएम आवास की चाबियां ढहऊ को क्यों नहीं सौंपीं। इन अधिकारियों को सात दिन के अंदर जवाब दाखिल करने को कहा गया है। अरविंद केजरीवाल 4 अक्टूबर की दोपहर लुटियंस दिल्ली में फिरोजशाह रोड पर बंगला नंबर-5 में शिफ्ट हो गए। यह बंगला पंजाब से आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल को दिया गया है। केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल, माता-पिता और दोनों बच्चों के साथ शिफ्ट हुए हैं। अशोक मित्तल और उनकी पत्नी ने सभी का अपने घर में स्वागत किया। मित्तल ने कहा कि केजरीवाल गेस्ट के तौर पर मेरे घर में शिफ्ट हुए हैं। आप ने कहा था कि केजरीवाल नया घर देख रहे हैं। वे ऐसी जगह ढूंढ रहे हैं, जहां रहने में कोई विवाद न हो। आप ने आरोप लगाया था कि केंद्र सरकार से केजरीवाल को पार्टी के प्रमुख के तौर पर आवास मुहैया कराने की मांग की गई थी।

केजरीवाल के शीश महल में कई राज छुपे : वीरेंद्र

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इस मामले पर कहा कि अरविंद केजरीवाल का 'शीश महल' आखिरकार सील कर दिया गया है। उस बंगले में ऐसे कौन से राज छुपे हैं कि संबंधित विभाग को चाबी सौंपे बिना, आप फिर से बंगले में घुसने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि आपने दो छोटे ट्रकों में अपना सामान ले जाकर अच्छा ड्रामा किया। सब जानते हैं कि बंगला अभी भी आपके कब्जे में है। आपने जिस तरह से बंगला आतिशी को सौंपने की कोशिश की, वह असंवैधानिक था।

सीएम का दावा-भाजपा के इशारे में पर हुआ

दिल्ली सीएम आतिशी ने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार मुख्यमंत्री आवास खाली कराया गया। बीजेपी के इशारे पर उपराज्यपाल ने जबरन मुख्यमंत्री आतिशी का सामान सीएम आवास से निकाला। एलजी की तरफ से बीजेपी के किसी बड़े नेता को सीएम आवास आवंटित करने की तैयारी चल रही है। 27 साल से दिल्ली में वनवास काट रही बीजेपी अब सीएम आवास कब्जाना चाह रही है। फ्लैग स्टाफ रोड के बाहर के दृश्य में कई कार्टन और सामान को निवास से बाहर लाते हुए दिखाया गया और वहां सार्वजनिक कार्य विभाग की एक टीम भी पहुंची। आप के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा भाजपा पिछले 27 साल से दिल्ली में सत्ता से बाहर है, और इसी वजह से वे मुख्यमंत्री के निवास पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें जनता से चुनावी समर्थन नहीं मिल रहा। सिंह ने पहले यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों ने मुख्यमंत्री अतिशी को बंगलो आवंटित नहीं किया और उनका कैंप कार्यालय भी खाली कराया गया है। आप नेता ने यह भी कहा है कि बंगलो को किसी महत्वपूर्ण भाजपा नेता को आवंटित करने की योजना है। अतिशी ने इस हफ्ते की शुरूआत में अरविंद केजरीवाल द्वारा निवास खाली करने के कुछ दिन बाद, फ्लैगस्टाफ रोड के बंगलो नंबर 6 में शिफ्ट किया था। केजरीवाल ने 17 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने सीएम आवास और सभी सरकारी सुविधाएं छोड़ने का ऐलान किया था।

राजद नेता अरुण यादव की संपत्ति पर ईडी का छापा, 25 करोड़ जब्त

केटी न्यूज/पटना

आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी और पूर्व विधायक अरुण यादव पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा एक्शन लिया है. ईडी ने मनी लॉड्रिंग मामले में अरुण यादव की लगभग 25 करोड़ की संपत्ति जब्त की है। इससे पहले ईडी ने इस मामले में फरवरी में अरुण यादव के यहां रेड डाली थी। फरवरी में ईडी का सर्च ऑपरेशन हुआ था। पटना के दानापुर इलाके में राबड़ी देवी के नाम के चार फ्लैट अरुण यादव की विधायक पत्नी किरण देवी के नाम किया गया था।

ईडी ने उनके कई परिसरों पर मारे छापे: ईडी ने आय से अधिक संपत्ति के रखने के आरोप से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत फरवरी 2024 में आरजेडी के पूर्व विधायक अरुण यादव, उनकी पत्नी किरण देवी और कुछ अन्य के परिसरों पर छापेमारी की थी। ईडी ने साल 2024 में आरजेडी विधायक और उनकी पत्नी के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया था। ईडी ने इस जांच के तहत पहले अरुण यादव और उनके परिवार के कुछ सदस्यों के बयान दर्ज किए थे. साथ ही ईडी ने उनके परिवार के सदस्यों और किरण दुर्गा कॉन्ट्रैक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड की संपत्ति, दस्तावेज और बैंक खातों की डिटेल ली थी।

फर्जी कंपनी बनाकर फ्लैट खरदीने का आरोप : ईडी का आरोप है कि पूर्व विधायक ने अपनी फर्जी कंपनी किरण दुर्गा कॉन्ट्रैक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से मां मराचिया देवी कॉम्प्लेक्स में फ्लैट खरीदे थे। अरुण यादव राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनके परिवार के सदस्यों से जुड़े जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों की जांच के दायरे में भी हैं।

विस्तारा एयरलाइंस की उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी, दिल्ली उतरा

एजेंसी/नई दिल्ली

विस्तारा एयरलाइंस की एक उड़ान को बुधवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह उड़ान लंदन से दिल्ली आ रही थी। हालांकि, विमान सुरक्षित रूप से राष्ट्रीय राजधानी के हवाई अड्डे पर उतर गया है। सूत्रों के मुताबिक, विमान के शौचालय में एक कागज का टुकड़ा मिला, जिसमें बम के बारे में सूचना थी। जैसी ही यह जानकारी मिली, संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया। विमान में करीब 290 यात्री सवार थे। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि लंदन से राष्ट्रीय राजधानी की ओर आ रही उड़ान संख्या यूके 018 के परिचालन के दौरान उनके कर्मचारियों ने सुरक्षा संबंधी चिंता जताई। प्रवक्ता ने बताया कि प्रोटोकॉल के अनुसार संबंधित अधिकारियों को तुरंत जानकारी दी गई और विमान को दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतरने के बाद जांच के अनिवार्य जांच के लिए अलग इलाके में ले जाया गया। उन्होंने कहा, हमने जरूरी जांच को पूरा करने में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरी तरह से सहयोग किया। उड़ान में सवार लोगों की संख्या तुरंत नहीं बताई जा सकी थी। हालांकि सभी यात्री सुरक्षित है।

चिकित्सकों के सामूहिक का इस्तीफा अप्रभावी, राज्य में स्वास्थ्य सेवाएं चालू

एजेंसी/कोलकता

पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को दावा किया कि राज्य के कई मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में वरिष्ठ डॉक्टरों की तरफ से जूनियर डॉक्टरों के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए दिए गए सामूहिक इस्तीफे से अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित नहीं हुई हैं। अधिकारी ने बताया कि राज्य भर में चल रहे दुर्गा पूजा उत्सव के कारण बाह्य रोगी विभाग में मरीजों की आमद काफी कम रही, हालांकि वरिष्ठ और जूनियर डॉक्टर, आरएमओ और सहायक प्रोफेसर अपने नियमित कर्तव्यों का पालन करने के लिए पश्चिम बंगाल के अस्पतालों में मौजूद थे। इसी बीच कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में जूनियर और वरिष्ठ डॉक्टरों और नर्सों ने प्रदर्शन किया और आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में दुष्कर्म और हत्या की शिकार महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग की। सामूहिक इस्तीफे की पेशकश करने का ऐसा कोई मानदंड नहीं है। यदि लोग इस्तीफा देना चाहते हैं, तो उन्हें एक निश्चित प्रक्रिया का पालन करना होगा। हालांकि, स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित नहीं हुईं क्योंकि किसी भी अस्पताल में कोई भी डॉक्टर अनुपस्थित नहीं था। कोलकाता मेडिकल कॉलेज रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अनुसार, कोलकाता में कई डॉक्टरों और संकाय सदस्यों ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में अपने सहयोगियों का अनुसरण किया। जिन्होंने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया था और चिकित्सा शिक्षा निदेशक को अपना सामूहिक इस्तीफा भेज दिया।

मेरठ के वेदव्यास पुरी में रत्नों व स्वणाभूर्षण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बनेगी फ्लैटेड फैक्टरी

ज्वेलरी उद्योग को फ्लैटेड फैक्टरी के जरिए नया आयाम देगी सरकार

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार अब मेरठ में ज्वेलरी उद्योग को नई गति प्रदान करने की दिशा में कदम बढ़ाने जा रही है। सीएम योगी के विजन अनुसार, मेरठ के वेदव्यास पुरी में रत्नों व स्वणाभूर्षण उद्योग को बढ़ावा देने के लिए बहुमंजिला फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स का निर्माण होगा।

मेरठ विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार विस्तृत कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए डीटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट पर कार्य शुरू हो गया है। परियोजना के अंतर्गत 24 महीनों की समयावधि में निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है तथा नवंबर अंत से निर्माण प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है। इस फ्लैटेड फैक्टरी का 32 हजार स्क्वेयर मीटर प्रसार क्षेत्र है और यह स्ट्रैटेजिक लोकेशन पर बेस्ड है। फ्लैटेड फैक्टरी के निर्माण के लिए चिह्नित क्षेत्र मेरठ-हरिद्वार हाइवे पर स्थित है और दिल्ली-मेरठ हाइवे से इसकी दूरी मात्र 3 किलोमीटर है, वहीं गंगा एक्सप्रेसवे से इसकी दूरी 20 किलोमीटर है। इतना ही नहीं, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ज्वेलरी टेक्नोलॉजी परिसर से यह मात्र 1.5 किलोमीटर दूरी पर स्थित होगा। जेवर एयरपोर्ट से भी ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के माध्यम से इसकी कनेक्टिविटी अच्छी होगी और मात्र 45 मिनट में पहुंचा जा सकेगा।जो इसे वर्ल्ड क्लास एमिनिटीज युक्त बनाएगा। यह मेरठ व वेदव्यास पुरी के विकास और उन्नति के अनंत अवसर उत्पन्न करेगा।

अहमियत रखता है मेरठ का ज्वेलरी उद्योग

मेरठ का ज्वेलरी उद्योग प्रदेश में एक बड़ी अहमियत रखता है। ज्वेलरी उद्योग का टर्नओवर 2000 करोड़ से अधिक होता है और 40 हजार से ज्यादा स्वर्णकार, रत्नकार व आभूषण विक्रेता इस उद्योग के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर मेरठ में वर्ष 2016 में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ज्वेलरी टेक्नोलॉजी की स्थापना भी की गई थी। नए अवसर उत्पन्न करने का बनेगा मेरठ के रत्नों व स्वणाभूर्षण उद्योगों की मांग रही है कि यहां के पारंपरिक सराफा बाजार को विस्तारित करने की जरूरत है। सीएम योगी का नया प्रयास इस मांग की पूर्ति करने के साथ ही भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर न केवल इस उद्योग बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। करने का माध्यम बनेगा। इससे, यह क्षेत्र ज्वेलरी उद्योग के एक विस्तारित हब के रूप में विकसित होगा जहां दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा व फरीदाबाद समेत हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों से उद्योगपति व आम नागरिक यहां ज्वेलरी की खरीदारी करने आ सकेंगे। परियोजना के अंतर्गत, फ्लैटेड फैक्टरी का कॉम्पलेक्स मॉडर्न ट्रंक फैसिलिटीज व प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर से युक्त होगा।

बेगूसराय में शिक्षक ने हनुमानजी को बताया मुसलमान, विवादित बयान पर घमासान

- घटना कद्राबाद हरिपुर मध्य विद्यालय की
- सातवीं कक्षा के छात्रों को पढ़ाते हुए कहा हनुमानजी मुसलमान थे

केटी न्यूज/पटना

बेगूसराय जिले के बछवारा प्रखंड स्थित कद्राबाद हरिपुर मध्य विद्यालय में एक शिक्षक ने हनुमान जी और भगवान राम को लेकर विवादित बयान दे दिया। इसे लेकर इलाके में भारी हंगामा मच गया है। दरअसल, शिक्षक जियाउद्दीन ने सातवीं कक्षा के छात्रों को पढ़ाते हुए कहा कि हनुमानजी मुसलमान थे और भगवान राम ने उन्हें नमाज पढ़ने की शिक्षा दी थी। इस विवादास्पद बयान के बाद छात्रों ने यह बात अपने अभिभावकों को बताई, जिससे पूरे इलाके में नाराजगी देखी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, घटना कद्राबाद हरिपुर मध्य विद्यालय की है, जहां शिक्षक जियाउद्दीन ने अपने पाठ के दौरान कहा कि हनुमानजी जाति के मुसलमान थे और वे शुरू से ही नमाज पढ़ते थे। यह भी कहा गया कि भगवान राम ने हनुमान जी को नमाज पढ़ने के लिए प्रेरित किया था। यह सुनते ही छात्रों ने इस बात को अपने अभिभावकों के साथ साझा किया। अभिभावक इस बयान से आक्रोशित हो गए और विद्यालय में जाकर हंगामा किया। स्थिति बिगड़ने पर विद्यालय प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा। इस विवाद को लेकर विद्यालय के प्रधानाचार्य और अन्य शिक्षकों ने भी अपनी नाराजगी जताई। प्रधानाचार्य ने बताया कि जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी शिक्षक जियाउद्दीन ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माफी मांगी। हालांकि, स्थानीय लोग और अभिभावक शिक्षक की माफी से संतुष्ट नहीं हैं और कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सांसद गिरिराज सिंह ने जताई कड़ी आपत्ति

इस घटना के बाद बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि हनुमान जी हिंदू धर्म के महान भक्त हैं। इस प्रकार की आपत्तिजनक टिप्पणी से करोड़ों हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंची है। उन्होंने बिहार सरकार और जिला प्रशासन से तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि समाज में धार्मिक सौहार्द बना रहे और इस प्रकार की भड़काऊ बातें फैलाने वाले लोगों पर रोक लगाई जा सके। अभिभावकों और स्थानीय लोगों का कहना है कि शिक्षक द्वारा हनुमानजी और भगवान राम के बारे में इस प्रकार की टिप्पणी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है। उनका आरोप है कि इस प्रकार की बातें समाज में सांप्रदायिक तनाव को बढ़ावा दे सकती हैं। कई ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह की बयानबाजी से बच्चों की मानसिकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और इससे धार्मिक सौहार्द को खतरा हो सकता है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आरोपी शिक्षक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। इसमें कानूनी कदम उठाने की जरूरत है ताकि भविष्य में कोई भी शिक्षक या व्यक्ति इस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी करने से बचे।

शिक्षकों को औपचारिक पोशाक पहनने का निर्देश, जींस टी-शर्ट पहनने पर लगी रोक

केटी न्यूज/पटना

बिहार शिक्षा विभाग ने राज्य के सभी विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में शालीन व्यवहार और गरिमामयी वातावरण बनाए रखने के लिए सख्त निर्देश जारी किए हैं। नौ अक्तूबर, 2024 को जारी किए गए इस निर्देश के अनुसार, विद्यालयों में अनौपचारिक (कैजुअल) परिधान जैसे जीन्स और टी-शर्ट पहनकर आने वाले शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मियों के व्यवहार को अनुचित ठहराया गया है। इसके अलावा, सोशल मीडिया के जरिए नृत्य, डी.जे., डिस्को और अन्य निम्न स्तर की गतिविधियों के विद्यालय परिसर में संचालन पर भी रोक लगाई गई है। शिक्षा विभाग ने यह भी निर्देश दिया है कि शिक्षक और अन्य कर्मी औपचारिक परिधान (फॉर्मल ड्रेस) में ही विद्यालय परिसर में आएं। शिक्षा कैलेंडर के अनुसार केवल विशेष अवसरों पर शालीन और अनुशासित कार्यक्रमों की ही अनुमति होगी। इस आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया है। विदित हो कि पिछले कुछ समय से लगातार इस तरह के वीडियो वायरल हो रहे थे। जिसमें डांस करते नजर आए थे।

पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार को लगायी फटकार, दिये अहम दिशा निर्देश

अपराधियों को मंदिरों का ट्रस्टी बना रही है बिहार सरकार : कोर्ट

- धार्मिक न्यास बोर्ड के साथ साथ पटना के जिलाधिकारी को इस फैसले को अमल में लाने को कहा गया
- धार्मिक न्यास बोर्ड के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में दायर हुई थी अपील

केटी न्यूज/पटना

बिहार में मंदिरों और मठों को संचालित करने की जिम्मेवारी अपराधिक छवि के बाहुबलियों को सौंपी जा रही है। मंदिर और मठ पर बिहार सरकार की संस्था धार्मिक न्यास बोर्ड का नियंत्रण होता है। धार्मिक न्यास बोर्ड ऐसे लोगों को प्रबंधन कमेटी में शामिल कर रहा है, जिनकी छवि दागदार है। पटना हाईकोर्ट ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसका पैमाना तय कर दिया है कि कैसे लोग मंदिर संचालन कमेटी के सदस्य बनाये जा सकते हैं। पटना के एक प्रमुख मंदिर से संबंधित मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने ये फैसला सुनाया है। दरअसल बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड ने पटना के मारूफगंज स्थित बड़ी देवी जी मंदिर के संचालन के लिए प्रबंधक न्यास समिति का गठन किया था। इसमें ऐसे लोगों को शामिल किया गया था, जिनकी छवि दागदार थी। धार्मिक न्यास बोर्ड के इस फैसले के खिलाफ प्रहलाद कुमार यादव समेत अन्य लोगों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट में जस्टिस राजीव रॉय की बेंच ने इस मामले की सुनवाई के बाद पटना सिटी के बड़ी देवीजी मंदिर के मौजूद प्रबंधक न्यास समिति को भंग करने और इसे फिर से गठित करने का आदेश दिया है। धार्मिक न्यास बोर्ड के साथ साथ पटना के जिलाधिकारी को इस फैसले को अमल में लाने को कहा गया है।

अखबार में विज्ञापन निकलवायें

पटना हाईकोर्ट की बेंच ने कहा कि मंदिर और मठ की प्रबंधन समिति में लोगों के चयन के लिए राज्य सरकार पहले अखबारों में विज्ञापन निकलवाये। संबंधित जिले के डीएम और अनुमंडल पदाधिकारी, अखबार में प्रकाशित विज्ञापन में आए इच्छुक नागरिक के अपराधिक इतिहास की पड़ताल कर बोर्ड को अनुशंसा भेजेंगे। उसके आधार पर ही न्यासियों का चयन किया जाएगा। इसकी पूरी पड़ताल करने की जिम्मेदारी एसडीओ और डीएम की रहेगी। चयन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ होगी। इस बात का पूरा ख्याल रखा जाएगा कि बोर्ड में कोई भी वांछित व्यक्ति प्रवेश नहीं करें।

दागदारों को सौंपी जा रही मंदिर की जिम्मेवारी

जस्टिस राजीव रॉय की बेंच ने बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड की कार्यशैली पर नाराजगी जताई और कहा कि बोर्ड लगातार आपराधिक छवि के लोगों को न्यासी नियुक्त कर रहा है। इससे धार्मिक स्थानों की छवि खराब हो रही है। कोर्ट ने फैसला दिया है कि बोर्ड अब किसी को भी न्यास समिति का सदस्य बनाने के लिए केवल उन्हीं नामों पर विचार करेगा, जो संबंधित जिले के डीएम और अनुमंडल पदाधिकारी भेजेंगे। इसके लिए पहले अखबार में विज्ञापन प्रकाशित कराया जायेगा। उसमें जो लोग मंदिर प्रबंधक समिति में शामिल होने के लिए इच्छुक होंगे उनके अपराधिक इतिहास की जांच पड़ताल होगी। डीएम और एसडीएम जिन लोगों का नाम भेजेंगे, उन्हीं को मंदिर या मठ के प्रबंधक समिति का सदस्य बनाना होगा। विदित हो कि पूर्व में इस तरह के कई मामले माननीय हाई कोर्ट में दायर हो चुके है। जहां यह बात सामने आयी है कि वांछित व्यक्ति मठ व मंदिरों के बोर्ड में शामिल हो गए है। वह मठ व मंदिरों की संपति पर गलत नियत रखते थे।

बिहार के तीन फेरी वालों की झारखंड में पीट-पीटकर हत्या

केटी न्यूज/चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र गुदड़ी थाना क्षेत्र के कमरोड़ा पंचायत की जतरमा गांव स्थित नदी किनारे फेरी कर कपड़े बेचने वाले तीन लोगों की दर्दनाक तरीके से हत्या कर दी गई है। अति नक्सल प्रभावित एवं दुरूह क्षेत्र होने के कारण पुलिस को घटना की जानकारी देर से मिली। पश्चिमी सिंहभूम जिला के पुलिस कप्तान आशुतोष शेखर ने घटना की पुष्टि की है। हत्या की घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से सीआरपीएफ जवानों के साथ मंगलवार को गांव से शव बरामद किया। बता दें कि तीन लोग रविवार को फेरी करने जतरमा गांव पहुंचे थे, लेकिन वे लोग वापस अपने घर नहीं पहुंचे। जिसके बाद फेरी करने वाले तीनों लोगों के अन्य साथियों ने खोजबीन के लिए जतरमा गांव गए तो गांव के ही किसी ग्रामीण ने बताया कि तीनों की हत्या कर दी गई है।

हत्यारों ने फेरी करने गए लोगों को डंडे में बांधकर पहले उन्हें खूब पीटा, फिर उनके सर को पत्थर से कुचल दिया। अपने साथियों की हत्या की जानकारी फेरी वालों ने बंदगांव पुलिस को दी। जिसके बाद पुलिस ने गांव पहुंचकर शव बरामद किया। अंधेरा हो जाने के कारण शव को टेबो थाना में ही रखा गया। बुधवार की सुबह पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल लाया गया। ग्रामीणों के माध्यम से गुदड़ी थाना क्षेत्र के जतरमा गांव में नदी के किनारे जंगल के समीप तीन अज्ञात व्यक्तियों का शव देखे जाने की सूचना प्राप्त हुई। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु एक विशेष अभियान दल का गठन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, चक्रधरपुर के नेतृत्व में किया गया। विशेष अभियान दल द्वारा ग्राम जतरमा से लगभग 1.5 किमी दूर जंगल में नदी किनारे 3 शव बरामद किए गए हैं। मृतकों की पहचान तुलसी कुमार, राकेश कुमार और रमेश कुमार के रूप में हुई है। तुलसी कुमार बिहार के मोतिहारी, राकेश कुमार और रमेश कुमार बिहार के शिवहर जिले के रहने वाले थे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ये लोग गांव-गांव घूमकर स्क्रैच कार्ड कूपन के माध्यम से फेरी का कार्य करते थे।

एक नजर

इस्तीफा देने वाले आईजी शिवदीप लांडे का तबादला

पूर्णिया। भारतीय पुलिस सेवा से इस्तीफा देने वाले पूर्णिया के आईजी शिवदीप वामनराव लांडे का तबादला कर दिया गया है। पुलिस मुख्यालय ने उनकी जगह सीनियर आईपीएस अधिकारी राकेश राठी को पूर्णिया के आईजी पद की जिम्मेदारी सौंपी है। शिवदीप लांडे फिलहाल पुलिस मुख्यालय बुलाया गया है। उनकी पोस्टिंग यही की गई है। उन्हें पुलिस महानिरीक्षक, प्रशिक्षण की जिम्मेदारी दी गई है। चर्चित आईपीएस शिवदीप लांडे ने 19 सितम्बर को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। उनके इस्तीफे की चर्चा पूर्णिया सहित पूरे बिहार में जोरशोर से की गयी। शिवदीप लांडे ने त्याग पत्र देकर बिहार को अपनी कर्म भूमि बनाए रखने की बात बताई। माना जा रहा था कि नौकरी छोड़कर लांडे राजनीति में अपना अगला भविष्य तलाशेंगे। लेकिन इन कयासों पर उन्होंने खुद विराम लगा दिया। इस्तीफे के बाद आईजी शिवदीप लांडे के चाहने वालों को उनके इस फैसले से निराशा हुई। कई लोग उनसे मिलने उनके घर तक पहुंच गए थे। हालांकि, उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। अब शिवदीप लांडे का तबादला पूर्णिया से पटना कर दिया गया है।बता दें कि शिवदीप लांडे की बेहतर पुलिसिंग की रणनीति की प्रशंसा होती रही है, खासकर पूर्णिया तनिष्क ज्वेलरी शॉप लूटकांड में उनकी कार्रवाई के बाद। इस मामले में सदर एसडीपीओ पुष्कर कुमार पर अनुशासनिक कार्रवाई की गई और सहायक खजांची थाना के थानाध्यक्ष सहित थाना के सभी कर्मी निलंबित कर दिए गए। इसके अलावा, शिवदीप लांडे ने पूर्णिया सहित सीमांचल के सभी जिलों में कई वर्षों से बंद पड़े मामलों को फिर से खोलने का आदेश दिया था।

इंडिया गठबंधन मजबूती से आएगा सामने : मुकेश

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने समस्तीपुर में निषाद संकल्प यात्रा के तहत कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित किया। वीआईपी प्रमुख ने इंडिया गठबंधन को मजबूत करने और बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में ज्यादा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने का संकल्प लिया। सहनी ने कहा कि निषाद समाज अब अपने अधिकार की लड़ाई के लिए तैयार है और सरकार में हिस्सेदारी लेकर अपने समाज को आगे बढ़ाएगा।मुकेश सहनी ने बिहार में बाढ़ की समस्या पर सरकार की विफलता पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि बिहार, जो कृषि, पशुधन और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है, आज भी देश के सबसे पिछड़े राज्यों में गिना जाता है।

तेज प्रताप यादव ने इस्कॉन मंदिर अध्यक्ष पर लगाये कई गंभीर आरोप

- तेज प्रताप यादव ने इस्कॉन मंदिर पटना में हुई मारपीट की घटना पर दुख जताया

केटी न्यूज/पटना

पटना के प्रसिद्ध इस्कॉन मंदिर में मरपीट की हुई घटना पर आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने दुख जताया है। तेज प्रताप यादव ने मारपीट की घटना का जिक्र करते हुए मंदिर के अध्यक्ष को जिम्मेदार ठहराया है। तेज प्रताप यादव ने इस्कॉन पटना में घटी घटना बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है, भक्तों की श्रद्धा और गरिमा को ठेस पहुंचाने का काम मंदिर अध्यक्ष एवं कुछ भक्तों द्वारा किया गया है। मैंने पूर्व में भी मंदिर में चल रहे घिनोने कृत्य का खुलासा किया था जो आज सार्वजनिक रूप से सबके सामने आ गया है, पूर्व में मेरी बातों को गंभीरता से लिया गया होता तो आज ऐसी नौबत नही आती। तेजप्रताप ने आगे लिखा है कि नाबालिग बच्चों के साथ शोषण एवं यहां चल रहे काले कारनामों की एक लंबी लिस्ट है जिसके आरोपित बने इस्कॉन पटना के अध्यक्ष एवं अन्य कई लोगों का अब पदार्फाश हो चुका है। हालांकि अभी भी इसे दबाने की पूरी कोशिश की जा रही है, लेकिन मैं इसपे लगातार आवाज उठाता रहूंगा। सरकार एवं इस्कॉन के गवर्निंग बॉडी कमीशन से मांग है कि ऐसे घिनोने कृत्य करने वालों पर तत्काल करवाई की जाए। पुलिस तुरंत मंदिर पहुंची और एक गुट के कुछ पुजारियों को पकड़कर थाने ले गयी। पुलिस ने बड़ी मुश्किल से मंदिर में शांति स्थापित करवाई। फिलहाल मंदिर में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस गश्त बढ़ा दी गयी है। रविवार रात हुई इस घटना से मंदिर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। इस घटना को देख वहां दर्शन करने गए लोगों में भगदड़ मच गई थी।

सुपौल में शराब लदी स्कॉर्पियो जब्त

सुपौल। सुपौल जिले के किशनपुर थाने की पुलिस ने किशनपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित गोल चौक के निकट 810 लीटर देशी शराब लदी एक स्कॉर्पियो को पकड़ा है। साथ ही मामले में दो तस्करों की गिरफ्तारी की गई है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार की रात करीब 10 बजे किशनपुर पुलिस ने गुप्त सूचना पर 810 लीटर नेपाली देशी शराब के साथ कारोबारी को गोल चौक के निकट गिरफ्तार किया। इस दौरान 112 डायल नंबर की खड़ी पुलिस वाहन को कारोबारी द्वारा जोरदार टक्कर मारने से गाड़ी में बैठे पुलिस कर्मी घायल हो गए।प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष नीतू सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि उजले रंग की स्कॉर्पियो से तस्कर शराब लेकर किशनपुर की ओर आ रहे हैं।

जिले के दिघवारा प्रखंड अंतर्गत आमी गांव में गंगा नदी तट पर स्थित है मां अंबिका भवानी मंदिर

नवरात्रि विशेष: देश के एक मात्र शक्तिपीठ, जहां मिट्टी की नौ पिंडियों की होती है पूजा

केटी न्यूज/ सारण

आज नवरात्रि का सातवां दिन है और इस दिन देवी दुर्गा के सातवें स्वरुप माता कालरात्रि की पूजा की जाती है। माता कालरात्रि को शुभंकरी, महायोगीश्वरी और महायोगिनी भी कहा जाता है। सारण जिले में दिघवारा प्रखंड अंतर्गत आमी गांव में गंगा नदी तट पर स्थित मां अंबिका भवानी मंदिर में नवरात्रि के दौरान पूजा का खास महत्व है। अतिप्राचीन पौराणिक कथाओं और सारण गजेटीयर के अनुसार, अंबिका भवानी मंदिर राजा दक्ष प्रजापति के यज्ञ- स्थल पर स्थित है। यहां माता सति के शरीर की भस्मयुक्त अस्थि गिरि थी।यह स्थल शक्ति पीठ अंबिका स्थान आमी के रूप में पूरे देश में प्रसिद्ध हो गया।इसलिए इसे शक्ति पीठ कहा गया। यहां पर बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश व पड़ोसी देश नेपाल से भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रहती है। नौ दिनों का यहां विशेष मेला का आयोजन किया जाता है। शारदीय और चैत्र नवरात्र पर यहां विशेष पूजन का प्रावधान है। इसकी वजह से नौ दिनों का यहां विशेष मेला का आयोजन किया जाता है। हालांकि, अष्टमी के दिन विशेष रूप से निशा पूजा होती है, जो श्रद्धालुओं के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र बना रहता है। इस स्थान को अवधूत भगवान राम, तांत्रिक बाबा गंगा राम सहित कई अन्य सिद्ध साधकों की तपोस्थली के रूप में भी जाना जाता है। संतान, दीर्घ आयु व सुखमय जीवन के लिए नवविवाहित दंपती आते हैं। मान्यता है कि यहां से आजतक कोई खाली हाथ नहीं लौटा है। माता रानी सबकी मन्नतें पूरी करती हैं। मार्केण्डय पुराण तथा दुर्गा सप्तशती के अनुसार, राजा सूरथ व समाधी वैश्य ने मिट्टी की नौ पिंडियों की प्रतिमा स्थापना की थी। इसी नौ पिंडी वाली प्रतिमा की पूजा की जाती है। दोनों ने इसी स्थान पर वर्षो तक पूजा की थी। तब देवी ने प्रकट होकर उन्हें मनचाहा वरदान दिया था। इस मंदिर में वही मिट्टी की भागाकार विशाल पिंड आज भी विद्यमान है। मां भवानी की मिट्टी रूपी प्रतिमा का प्रतिदिन जल, शहद, घी व चमेली के तेल से अभिषेक किया जाता है। चमत्कार ही है कि मिट्टी रूपी प्रतिमा का एक इंच भी क्षरण अब तक नहीं हुआ है।

हनुमान की पूंछ में आग लगते ही लंका में मचा हाहाकार, लगे जय श्रीराम के नारे

♦ रामलीला में लंका दहन व राशलीला में राजा भर्तृहरि के बैराग प्रसंग का हुआ मंचन

केटी न्यूज/बक्सर

श्री रामलीला समिति, बक्सर के तत्वावधान में आयोजित 21 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव के पंद्रहवें दिन बुधवार को देर रात्रि मंचित रामलीला के दौरान लंका दहन प्रसंग का मंचन किया गया।

जिसमें दिखाया गया कि सुग्रीव के कहने पर हनुमान, जामवंत, नल, नील, अंगद आदि सभी माता सीता को ढूंढने के लिए चल देते हैं तथा समुद्र के किनारे पहुंच जाते हैं। यहां, जामवंत ने हनुमान को उनके बल का स्मरण दिलाया, तब हनुमानजी गर्जना करके समुद्र पार करने लगते है, आगे बढ़ने पर उन्हें सर्पों की माता सुरसा दिखाई देती है। जो हनुमान जी को खाने के लिए सौ योजन का मुंह फैलाती है। हनुमानजी चतुराई करते हुए अपना छोटा सा रूप बनाकर सुरसा के मुंह में प्रवेश कर बाहर निकल जाते हैं। आगे बढ़ने पर एक सिंध नाम का की राक्षसी मिलती है, उसको मार कर हनुमानजी लंका के द्वार पर पहुंचते हैं। जहां उन्हें लंकिनी से भेंट होता है। वह लंकनी का उद्धार करते हुए लंका में प्रवेश करते हैं। लंका में देखते देखते वह विभीषण के महल में पहुंचते हैं। वहां विभीषण हनुमान को सीता का पता बताते हैं। तब हनुमानजी अशोक वाटिका पहुंचकर श्रीरामजी द्वारा दी हुई मुद्रिका माता सीता को देते हैं, और माता को समझा कर फल खाने के बहाने अशोक वाटिका का विध्वंस कर देते हैं। यह सुनकर रावण कई योद्धाओं को भेजता है, अपने पुत्र अक्षय कुमार को भी भेजता है। अक्षय कुमार के मारे जाने के बाद मेघनाद आते हैं और ब्रह्मास्त्र का प्रयोग कर हनुमानजी को पकड़ लेते हैं और उनको रावण की सभा में सबके सामने ले आते हैं। जहां रावण उनकी पूछ में आग लगाने को कहते है, लेकिन हनुमानजी की पूंछ में आग लगते ही वे कूद कर महलों के उपर चढ़ गए तथा पूरी लंका को जला दिए। इस दृश्य को देख दर्शक जय श्रीराम के नारे लगाने लगे।

पिंगला के धोखे से राजा भर्तृहरि को जगा बैराग

बक्सर। वहीं, दिन में कृष्णलीला के दौरान दिखाया गया कि राजा भर्तृहरि अपनी तीसरी पत्नी पिंगला पर मोहित रहते थे और अत्यंत विश्वास भी करते थे। एक दिन उनके दरबार में एक तपस्वी संत गुरु गोरखनाथ आए तथा उनकी आवभगत से प्रसन्न हो एक फल दिया और कहा कि यह खाने से वे सदैव जवान बने रहेंगे। राजा ने वह फल पिंगला को दे दिया। लेकिन पिंगला राज्य के कोतवाल पर मोहित थी तथा वह चमत्कारी फल कोतवाल को दे दिया। कोतवाल एक वैश्या से प्रेम करता था, उसने वह चमत्कारी फल वैश्या को दिया। लेकिन वैश्या ने फल पाकर सोचा कि इस फल की सबसे ज्यादा जरूरत हमारे राजा को है, अगर राजा हमेशा जवान रहेंगे तो लंबे समय तक प्रजा को सभी सुख-सुविधाएं देते रहेंगे, यह सोचकर उसने वह फल राजा को दे दिया। राजा वह फल देखकर हतप्रभ रह गए तथा पिंगला की सच्चाई जान उनके मन में बैराग जाग गया। वे विक्रमादित्य को राजपाट सौंपकर उज्जैन की एक गुफा में आ गए तथा 12 वर्षों तक तपस्या की थी।

लीला मंचन के दौरान आयोजन समिति के पदाधिकारियों में बैकुण्ठ नाथ शर्मा, हरिशंकर गुप्ता, सुरेश संगम, कृष्णा वर्मा, उदय सर्राफ जोखन, कमलेश्वर तिवारी, चिरंजीलाल चौधरी, नारायण राय सहित अन्य पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

खबरें फटाफट

फ्लैग मार्च निकाल भयमुक्त माहौल में दशहरा मनाने का दिया संदेश

केसठ। शारदीय नवरात्र को शांतिपूर्ण तरीके से मानने को ले नावानगर पुलिस काफी सक्रिय रूप से क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार छापेमारी अभियान चला रही है तो वहीं केसठ नया बाजार, पुराना बाजार और कतिकनार में नावानगर थानाध्यक्ष डॉ नंदू कुमार के नेतृत्व में उक्त जगहों पर फ्लैग मार्च निकाल कर लोगो को नवरात्र पर्व शांति पूर्ण तरीके से मानने को लेकर अपील किया। थानाध्यक्ष ने बताया की आपसी भाईचारे का पर्व नवरात्र को हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर है। उन्होंने लोगों से अपील किया कि यदि पर्व के दौरान किसी कोई शरारती या उपद्रवी तत्व यदि कोई साजिश या सौहार्द बिगाड़ने का काम करते है तो तुरंत स्थानीय प्रशासन को सूचना देंगे।

9 से 14 अक्टूबर तक सभी छुट्टियां रहेंगी रद्द

बक्सर। डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर जिले के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के अधिकारियों व कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. अरूण कुमार श्रीवास्तव ने सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को पत्र भेज कर निर्देशित किया है। साथ ही, जिला स्वास्थ्य समिति के अन्य विभागों को भी पत्र भेज कर संबंधित निर्देश से अवगत कराया है। ताकि, दुर्गा पूजा के दौरान किसी भी प्रकार का व्यवधान न उत्नन्न हो।

डीडीसी की अध्यक्षता में उद्योग विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का दिया गया चेक

पीएमईजीपी एवं अन्य योजनाओं के 55 लाभुकों को मिला 365.93 लाख का चेक

♦ बढ़ेगा रोजगार : बोले डीडीसी शत प्रतिशत पूरा हो गया लक्ष्य

केटी न्यूज/बक्सर

रोजगार को बढ़ावा देने में प्रधानमंत्री रोगार सृजन योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन -2 व प्रधानमंत्री सूक्ष्म उन्नयन योजना मील का पत्थर साबित होगी। उक्त बातें उप विकास आयुक्त डॉ. महेन्द्र पाल ने बुधवार को समाहरणालय परिसर में कही। अवसर था उनकी अध्यक्षता में उद्योग विभाग द्वारा संचालित योजनाओं पीएमईजीपी, पीएमईजीपी -2 एवं पीएमएफएमई अन्तर्गत ऋण स्वीकृति एवं वितरण कैम्प का।

डीडीसी ने बताया गया कि नवरात्रि के पूर्व तीनों योजनाओं का शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि बक्सर जिले में बड़ी कंपनियां भी निवेश कर रही है। जिससे लोगों को रोजगार मिलेगा। डीडीसी ने मौजूद युवा उद्यमियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप जो छोटे-छोटे रोजगार कर रहे हैं, इससे और भी लोगों में उद्यमिता की भावना जगी है। इसमें अतिरिक्त कोशिश करने पर एक साथ काम कर राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने लाभुकों को ऋण राशि का उसी रूप में उपयोग करने के लिए कहा, जिसके लिए राशि दिया गया है। डीडीसी ने भावी उद्यमियों को लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रोत्साहित किया।

सेवा क्षेत्र में 20 लाख व निर्माण क्षेत्र में 50 लाख का मिलता है ऋण : प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अन्तर्गत सेवा क्षेत्र में अधिकतम 20 लाख एवं निर्माण क्षेत्र में अधिकतम 50 लाख का ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र के लाभुक को 25-35 प्रतिशत एवं शहरी क्षेत्र के लाभुकको 15-25 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान इस योजना अंतर्गत है। वही, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम-2 अन्तर्गत वैसे आवेदक जिन्होनें पीएमईजीपी-1 एवं मुद्रा ऋण योजना के तहत बैंक से ऋण प्राप्त कर लिया हो तथा तीन वर्षों से कार्यरत इकाईयां जो टर्म लोन की आदायगी बैंकों को कर दी हो, उन्हें 15 प्रतिशत अनुदान की दर से एक करोड़ रूपए तक का ऋण दिया जाता है। जबकि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजनाअन्तर्गत खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के उद्योगों को 35 प्रतिशत की दर से अधिकतम 10 लाख रूपए का अनुदान दिया जाता है।

कुल 55 लाभुकों के बीच बांटी गई राशि : ऋण वितरण कैम्प में पीएमईजीपी योजना अन्तर्गत कुल 24 लाभुकों जिसमें 17 लाभुकों को ऋण स्वीकृति एवं 7 लाभुकों को वितरण पत्र तथा पीएमएफएमई योजना अन्तर्गत कुल 31 लाभुकों जिसमें 21 लाभुकों को ऋण स्वीकृति एवं 10 लाभुकों को वितरण पत्र उप विकास आयुक्त द्वारा वितरित किया गया। दोनों योजना अन्तर्गत कुल 55 लाभुकों को ऋण स्वीकृति एवं भुगतान किया गया। जिसमें कुल 365.93 लाख की राशि का चेक दिया गया है। ऋण पाने वाले उद्यमियों के चेहरे पर प्रसन्नता झलक रही थी।

वहीं, डीडीसी ने उन्हें प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आप अपने उद्यम की बदौलत न सिर्फ अपनी माली हालत सुधार सकते है, बल्कि दूसरों को भी स्वरोजगार के प्रति प्रेरित कर सकते है। डीडीसी ने पूरे मन से स्वरोजगार करने तथा समाज व देश के विकास के प्रति अपना योगदान देने को कहा। शिविर में पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख संजीव डोंगरे, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र बक्सर, अग्रणी बैंक प्रबंधक बक्सर एवं सभी बैंको के जिला समन्वयक शाखा प्रबंधक एवं विभिन्न योजनाओं के लाभुक सम्मिलित हुए।

मुख्य सचिव के निर्देश पर पूरे जिले में किया गया नल जल योजना का स्थलीय निरीक्षण

बक्सर। सरकार के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को त्वरित एवं प्रभावी ढ़ंग से लागू करने, इसके सतत अनुश्रवण, न्याय के साथ विकास को सुनिश्चित करने एवं प्रशासन को और संवेदनशील बनाने के लिए मुख्य सचिव, बिहार के निर्देश के पर बुधवार को बक्सर जिलांतर्गत विभिन्न पंचायतों के वार्डो में मुख्यमंत्री हर घर नल का जल योजना का जिला स्तरीय व स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान कुल 66 वार्डो अधिकारियों ने योजना का निरीक्षण कर डीएम को रिपोट सौंपी है। निरीक्षण में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के अलावे प्रखंडो के बीडीओ व सीओ शामिल थे।

डीएम ने बताया कि हर घर नल का जल योजना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सात निश्चय की महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत प्रत्येक घरों तक शुद्ध पेयजल मुहैया कराना है। उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री की महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही करने वाले संवेदकों तथा पंचायत प्रतिनिधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा कि इस योजना के क्रियान्वयन में पूरे राज्यभर में शिकायत मिल थी। जिसके आलोक में मुख्य सचिव ने इसका स्थलीय जांच कराया है। जांच के दौरान गड़बड़ी करने वालों पर कार्रवाई होनी तय है।

दूसरी तरफ इस योजना की स्थलीय जांच शुरू होते ही संवेदकों तथा पंचायत प्रतिनिधियों की मुश्किलें बढ़ गई है। जानकारों का कहना है कि इस योजना के क्रियान्वयन में अधिकतर पंचायतों में भारी पैमाने पर गड़बड़ी की गई है। योजना के क्रियान्वयन का हश्र है कि किसी भी पंचायत में लोगों को इस योजना का लाभ नहीं मिला है। कही जले मोटर के कारण आपूर्ति ठप पड़ी है तो कही फटे पाइप जलजमाव का कारण बन रहे है। जानकारों का कहना है कि यदि इस योजना की पारदर्शी तरीके से जांच की गई तो कईयों के गर्दन पर तलवार लटकनी तय है।

एक नजर

सेहत के लिए नुकसानदेह है नशा: कर्नल रितेश

बक्सर। नशा हमारे शरीर व जिंदगी दोनों के लिए काफी नुकसानदेह है। हमे नशा पान से परहेज करना चाहिए। उक्त बातें 30 बिहार बटालियन एनसीसी बक्सर के कमान अधिकारी कर्नल रितेश रंजन ने रोजगार कार्यालय परिसर में कही। अवसर था एनसीसी द्वारा नशामुक्ति के खिलाफ आयोजित जागरूकता अभियान का। इस दौरान कर्नल रितेश रंजन ने कहा कि नशा के सेवन से हमारी भूख व सेहत दोनों खराब हो जाती है। उन्होंने एनसीसी कैडेट्स तथा वहां उपस्थित सभी लोगों को अपने जीवन में किसी भी तरह का नशा नहीं करने की सीख दी। उन्होंने कहा कि नशा के सेवन से युवाओं के शरीर के साथ ही उनका चरित्र भी खराब होता है। कर्नल ने कहा कि नशा सेवन करने वाले युवा चोरी तथा अन्य अपराधिक कृत्यों को भी अंजाम देते है। उन्होंने इस दौरान मौजूद लोगों को नशा से परहेज करने की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर जिला नियोजन पदाधिकारी अनीश कुमार, नेहरू युवा केंद्र के युवा समन्वयक सागर महेश्वरी एवं प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की रानी दीदी, राजयोगिनी, बीके रानी, 30 बिहार बटालियन एनसीसी के पीआई सूबेदार जयप्रकाश, बीएचएम राम अवतार सिंह तथा बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स शामिल हुए।

मोदी के नेतृत्व हरियाणा की जनता ने लगाई मुहर

बक्सर। हरियाणा में विधानसभा चुनाव में भाजपा के पूर्ण बहुमत मिलने से स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता काफी उत्साहित है। इस खुशी में बुधवार को जिलाध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोल सिंह ने प्रेस वार्ता आयोजित कर इस जीत को प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों की जीत बताई और कहा कि हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों तथा विकास कार्यों पर अपने मत का मुहर लगाया है। अतिथि गृह में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा वरिष्ठ भाजपा नेत्री पूनम रविदास भी शामिल रही। प्रेस वार्ता करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की जीत हुई है। नवरात्रि की शुभकामनाएं हरियाणा की जनता ने भाजपा को जिताकर दिया है। हरियाणा में जनता ने कांग्रेस के साथ अन्य पार्टियों द्वारा फैलाए गए झूठ को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि जम्मू एवं कश्मीर में भी जनता का भाजपा के प्रति विश्वास बढ़ा है। इन दोनों चुनावों का असर आगामी बिहार एवं झारखंड के चुनावों पर स्पष्ट रूप से पड़ेगा। दूसरी तरफ भाजपा विधि प्रकोष्ठ ने सिविल कोर्ट बक्सर में स्टॉल लगाकर टोल फ्री नम्बर पर मिस्ड कॉल कराकर लोगों को सदस्य बनाया। यह कार्यक्रम भाजपा विधि प्रकोष्ठ बक्सर के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता सुमन कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित गया। इस दौरान हरियाणा में भाजपा की प्रचंड जीत और जम्मू कश्मीर में बेहतरीन प्रदर्शन पर भाजपा विधि प्रकोष्ठ के द्वारा सिविल कोर्ट बक्सर में खुशी मनाई गई।

डाक विभाग ने मनाया 150 वां स्थापना दिवस

बक्सर। डाक विभाग ने बुधवार को अपना 150 वां स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर फिट पोस्ट फिट इंडिया स्लोगन के साथ रैली निकाल विभाग ने लोगों से संपर्क स्थापित किया। डाक अधीक्षक पवन कुमार वर्मा का कहना है कि 09 अक्टूबर को पूरी दुनिया में विश्व डाक दिवस मनाया जाता है। इसी दिन स्वीटजरलैंड में यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की स्थापना 1874 में हुई थी। 150 से भी ज्यादा देश इस यूनियन के सदस्य है तथा एक देश से दूसरे देश में डाक का आदान-प्रदान इसी के कारण संभव हो सका है। उन्होंने बताया कि यह यूनियन अपने 150वां वर्ष पूरा कर चुका है। विभाग के लिए 09 अक्टूबर का दिन उत्सव के रूप में पूरे विश्व में मनाया जा रहा है। भोजपुर डाक प्रमण्डल द्वारा मैराथन की तर्ज पर एक ह्लपोस्टाथानह्व वाक रैली निकाली गई। जिसका आह्वान भातीय डाक विभाग द्वारा किया गया था। इस रैली का स्लोगन फिट पोस्ट, फिट इंडिया रखा गया है। इसके महत्व की चर्चा करते हुए डाक अधीक्षक पवन कुमार वर्मा ने बताया कि आज के परिवेश में फिट रहना एक चौलेंज है। हम फिट तभी रह सकते है जब स्वस्थ रहने के मापदंडों का पालन करें। जिसमें सुबह की सैर या कसरत और योग को अपने दिनचर्या में शामिल करें। अपने कर्मचारियों एवं उपस्थित जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि रोजमर्रा के जीवन में आने वाली आवश्यकताओं को पूरा करने में पोस्ट ऑफिस किन किन माध्यमों से सहायक है इस रैली के द्वारा जनमानस को यह बतलाना मुख्य उदेश्य है। रैली प्रधान डाकघर आरा तथा बक्सर प्रधान डाकघर द्वारा बक्सर में भी आयोजित की गई।

फर्जी नंबर प्लेट लगा पुलिस को चकमा देने वाला गिरफ्तार, जेल

केटी न्यूज/डुमरांव

पुलिस को चकमा देने के लिए एक युवक ने बड़ी चालाकी से अपनी कार जैसी एक दूसरी कार का नंबर अपने कार पर लिखवा लिया, इस दौरान वह शराब के नशे में कार के साथ पकड़ा भी गया। पुलिस ने उसे शराब पीने के आरोप में जेल भेज उसके वाहन का चालान काट शमन के लिए उसका नंबर डीटीओ को भेजा। यहां, भी उसने चालाकी की और पेंडिंग चलान कटवा लिया। लेकिन उसकी यही चालाकी उसे भारी पड़ी तथा असली मालिक के पास शमन का मैसेज जाते ही सारा भेद खुल गया।

मिली जानकारी के अनुसार छह अक्टूबर बक्सर के धोबीघाट मोहल्ला निवासी स्व. सुरेश कुमार सिंह का पुत्र मनीष कुमार डुमरांव टेढ़की पुल के करीब शराब के नशे में पकड़ा गया था। पुलिस ने उसकी लाल रंग की महिन्द्र कंपनी की कार भी जब्त कर ली थी, जिस पर रजिस्टेज्शन नंबर बीआर 44 पी 5082 अंकित था। यह नंबर इटाढ़ी थाना क्षेत्र के महिला गांव निवासी उदय कुमार ओझा के नाम पर रजिस्टर्ड था। पहली बार शराब पीने के कारण उसे तुरंत ही बेल मिल गया, वही उसने कार को छुड़ाने के लिए पेंडिंग चलान (बिना पैसा वाला चलान) कटवा लिया। लेकिन, पेंडिंग चलान कटते ही उसका मैसेज असली मालिक उदय के पास चला गया। चलान का मैसेज देख उदय ने तुरंत डुमरांव थानाध्यक्ष को फोन लगा चलान काटने का कारण पूछा और बताया कि मेरी कार तो दलान में खड़ी है। इधर डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने भी उसे वीडियो कॉलिंग पर उसके कार जैसी ही दूसरी कार जिस पर उनके कार का रजिस्टेज्शन नंबर अंकित था दिखाया।

हालांकि पुलिस ने जब मनीष को दुबारा पकड़ पूछताछ की तो माजरा साफ हो गया। मनीष ने पुलिस को बताया कि उसने यह कार एक महिला से खरीदी थी। लेकिन इसका रजिस्टेज्शन नंबर नहीं मिल रहा था। एक दिन उसने बकसर में उदय की कार को देखा जो बिल्कुल उसके कार के जैसी ही थी, उसने झट से उसका नंबर नोट किया और वही नंबर अपने कार पर लिखवा दिया।

शहर में नहीं दिखई देंगे रोड पर गड्ढे भरने का काम हुआ शुरू

केटी न्यूज, डुमरांव

दशहरा पर्व को लेकर एनएच-120 पर निकले गड्ढों को नगर परिषद ने भरने का काम शुरू कर दिया है। बुधवार को चेयरमैन सुनीता गुप्ता, उप चेयरमैन विकास ठाकुर के साथ सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों के साथ कुछ वार्ड पार्षदों ने रेलवे पश्चिमी क्रासिंग से लेकर मां डुमरेजिन मंदिर मोड़ तक रोड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद सभी ने ये महशूस किया की रोड पर उभर आए गड्ढों को भरना जरूरी है। लिहाजा उन्होंने गड्ढे को भरने का काम शुरू कराया। बारिश होने के कारण गड्ढों में पानी भर जाने से स्टेशन रोड की जर्जरता और गड्ढे की गहराई का पता चल रहा था। ऐसे में सभी ने महशूस किया की इसे भरवान बहुत ही जरूरी है।

चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया कि एनएच पर कई स्थानों पर गड्ढे बन गए हैं, जिससे दशहरा पर्व घुमने में श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। इन परेशानियों में रोड पर भरे कीचड़ और भी मुसीबत खड़ी करेंगे, जिसमें महिलाओं और बच्चों को तो और परेशानी होगी। लिहाजा गड्ढे में राबिस डालकर भरा जा रहा है।

जिला पदाधिकारी ने टीबी के इलाजरत मरीजों के बीच बांटा फूड बास्केट, लोगों से भी की अपील

निक्षय मित्र योजना से पूरी होती है टीबी के मरीजों में पोषण की कमी: डीएम

♦ टीबी मरीजों को नियमित दवाओं का सेवन करने और पौष्टिक भोजन करने की दी गई सलाह

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में टीबी इलाजरत मरीजों की मदद के लिए अब लोग आगे आ रहे हैं। जिसमें जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देशन में जिला यक्ष्मा केंद्र लगातार प्रयासरत है, ताकि ज्यादा से ज्यादा टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके पोषण की कमी को दूर किया जा सके। इस क्रम में जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने भी टीबी के चार इलाजरत मरीजों के बीच फूड बास्केट का वितरण किया।

इस दौरान उन्होंने उक्त चारों मरीजों को नियमित रूप से दवाओं का सेवन करने और पौष्टिक भोजन करने की अपील की। ताकि, वो टीबी को जल्द से जल्द मात देकर प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत के सपने को साकार करने में मदद करें। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने निक्षय मित्र योजना की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग की यह पहल काफी सराहनीय है।

टीबी के मरीजों में रोग प्रतिरोधक क्षमता हो जाती है कम : यक्ष्मा केंद्र के अधिकारियों द्वारा टीबी के इलाजरत मरीजों को नियमित रूप से दवा सेवन के साथ ही पौष्टिक भोजन की महत्ता से संबंधित जागरूक किया गया। जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. शालिग्राम पांडेय ने बताया कि टीबी के मरीजों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में जब तक पौष्टिक तत्वों की मात्रा की भरपाई नहीं होगी तब तक आपका शरीर पूरी तरह से स्वस्थ नहीं होगा। खासकर टीबी जैसी बीमारी में अपने खानपान पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता होती हैं।

सरकार ने की टीबी मरीजों के लिए बहुत बड़ी राहत की घोषणा : जिला यक्ष्मा पदाधिकारी ने सभी को बताया कि टीबी के उपचार में पोषण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसे देखते हुए टीबी मरीजों को बीमारी के खिलाफ उनकी लड़ाई को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने टीबी मरीजों के लिए बहुत बड़ी राहत की घोषणा की है। निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी मरीजों को मिलने वाली राशि दोगुनी कर दी गई है। टीबी मरीजों को अब तक 500 रुपये प्रतिमाह मिलते थे। अब इसे बढ़ा कर एक हजार रुपये किया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अपर सचिव एवं मिशन निदेशक आराधना पटनायक द्वारा जारी पत्र के अनुसार अप्रैल 2018 से राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत टीबी के इलाजरत मरीजों को 500 रुपये की राशि दी जाती थी। उन्होंने बताया कि विभाग के निदेर्शानुसार टीबी के इलाजर मरीजों के साथ साथ नए सभी टीबी मरीजों को यह राशि अगले एक नवंबर, 2024 से मिलने लगेगी।

पट खुलते ही मां महारानी ने दिए दर्शन, जयकरों से गुंज उठा बक्सर जिला, शहर से लेकर गांव तक गुंजती रहे माता के जयकारे...

ॐ जयन्ती मंगला काली भद्रकाली कपालिनी...

डुमरांव के शहीद गेट पर स्थापित माता रानी का भव्य स्वरूप।

श्री बाल बालक दुर्गा पूजा समिति, टेढ़ी बाजार रोड, डुमरांव में स्थापित मां दुर्गा जी का पट खुला।

डुमरांव के शहीद गेट पर स्थापित माता रानी का भव्य स्वरूप।

इटाढ़ी बाजार में स्थापित मा की प्रतिमा।

केटी न्यूज/डुमरांव

या देवी सर्वभूतेषु ... शक्तिरूपेण संस्थिता.. नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः .... मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाओं और आशीवार्दी स्वरूप के दर्शनमात्र से डुमरांववासी भावविभोर हैं। दुर्गे-दुर्गे रक्षणि स्वाहा... इस रक्षा मंत्र के जाप और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ बुधवार को शहर के कई पूजा पंडालों, शक्ति स्थलों और देवी मंदिरों में श्रद्धालु मां के दर्शन को आते रहे। मां दुर्गा के विभिन्न रूपों की आराधना में शहरवासी डूबे हुए हैं। मां के दीदार के साथ भक्तों का इंतजार खत्म हो गया। इसके साथ ही भक्ति और आस्था का संसार सज गया। चहुंओर श्रद्वालुओं में उमंग और उत्साह का माहौल दिख रहा है। बच्चे महिलाएं समेत बड़ों लोगों की भीड़ मंदिर और पूजा-पंडाल की तरफ बढ़ने लगी है। यह नजारा अब कमोबेश सभी मंदिर की ओर जाने वाली मार्ग पर दिख रहा है। शहर के पूजा-पंडालों में मेला जैसा दृश्य नजर आने लगा है। पट खुलने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्वालुओं की भीड़ उमड़ रही है।

देवी मंदिरों एवं दुर्गा पंडालों को नवरात्र के उपलक्ष्य में बिजली की रंग बिरंगी झालरों से सजाया गया। श्रद्धालुओं ने वेद मंत्रों का उच्चारण कर घट एवं अखंड ज्योति की पूजा की। मां जगदंबे की दिव्य मूर्तियों का मोहक श्रृंगार किया और उनकी आरती की। मां के दरबार की दिव्य आभा से भक्त निहाल हो रहे हैं तो पंडालों से जागरूकता संदेश भी दिए जा रहे है। शहर के श्री शहीद गेट दुगार्पूजा समिति शहीद गेट, श्री वीर बालक दुगार्पूजा समिति सोनारपट्टी, श्री दुर्गोत्सव पूजा समिति गौशाला रोड, श्री जय मां दुगार्पूजा समिति चौक रोड सहित सभी पूजा-पंडाल रंग-बिरंगी लाइटों से जगमग हो गये। लाइटिंग से अधिकांश पंडाल की खूबसूरती श्रद्धालु अपने आंखों से निहार रहे है। शाम ढलते ही सभी पूजा-पंडालों पर श्रद्धालु सपरिवार बच्चों के साथ पहुंचे और पूजा-अर्चना किया। इस दौरान पूजा समिति के सदस्यों द्वारा बेहतर सुविधा दी गयी है। शारदीय नवरात्र का चार दिवसीय मेला को लेकर शहर के सभी मंडियों में खिलौने, मनिहारी, चाट, गुलगप्पे, तेलहा जलेबी के साथ आइसक्रीम की दुकानें सज गयी है। इन दुकानों पर बच्चें और महिलाओं की अच्छी-खासी भीड़ लगी है। मेला को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। खिलौने की मांग को देखते ही अधिकांश दुकानदार अपने दुकानों में छोटे-बडे खिलौने सजाये है। कई दुकानदारों ने बताया कि खिलौने दिल्ली से मंगाये गये है। वहीं पूजा पंडालों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस-प्रशासन की ओर से शहर भर में जगह-जगह पुलिस पदाधिकारी व जवान तैनात किये जा रहे है। साथ ही पूजा समितियों की ओर से पंडाल परिसर में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वोलेंटियर रखे जा रहे हैं। भीड़-भाड़ वाले सभी इलाकों के रास्तों पर विशेष निगरानी बरती जा रही है।

मां कालरात्रि की पूजा से मिलता है विशेष लाभ : माता कालरात्रि अपने उपासकों को काल से भी बचाती हैं अर्थात उनकी अकाल मृत्यु नहीं होती। इनके नाम के उच्चारण मात्र से ही भूत, प्रेत, राक्षस और सभी नकारात्मक शक्तियां दूर भागती हैं। मां कालरात्रि दुष्टों का विनाश करने वाली हैं एवं ये ग्रह-बाधाओं को भी दूर करने वाली हैं। इनके उपासक को अग्नि-भय, जल-भय, जंतु-भय, शत्रु-भय, रात्रि-भय आदि कभी नहीं होते। इस मान्यता के कारण श्रद्धालुओं द्वारा निरंतर इनका स्मरण, ध्यान और पूजन किया जा रहा है।

मां के दर पर श्रद्धा के दीप जलाने आये भक्त : भक्ति और आस्था के इस पूजन पर्व में एक अलग उत्साह का वातावरण दिख रहा था। कहीं मंदिरों में भजन गुंजायमान था तो कहीं पाठ चल रहा था। सप्तमी पूजन के साथ दशहरा का रंग पूरी तरह से रंगने लगा है। बच्चों से लेकर बड़ों तक की भीड़ मंदिर की तरफ बढ़ने लगी है। शाम के बाद तो श्रद्धालुओं की श्रद्धा मां के आरती में उमड़ पड़ता है। इससे मंदिरों में भक्ति का रंग पूरी तरह से चढ़ जाता है। कई मंदिर में महिलाओं की विशेष भीड़ रही, जहां महिलाएं दीप जलाने को लेकर कतारबद्ध रही।

डुमरांव के चौक रोड को पूजा समितियों से लाइटों से सजाया।

केसठ में पूजा पंडाल का निरीक्षण करते बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा।

नया बाजार केसठ में फ्लैग मार्च में लोगो को संबोधित करते थानाध्यक्ष डॉ नंदू कुमार।

खबरें फटाफट

नगर में दो स्थानों पर बनेगा मां डुमरेजनी प्रवेश द्वार

डुमरांव। नगर की पहचान देने वाली मां डुमरेजनी की याद में नगर दो जगहों पर उनके नाम पर प्रवेश द्वार बनाने जा रहा है। चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की एक प्रवेश द्वार छठिया पोखरा के पास तो दूसरा एनएच-120 पर मां डुमरेजनी मंदिर मोड़ के पास बनवाया जाएगा। नप द्वारा इस निर्णय पर नगरवासियों में खुशी है।

राजगढ़ चौक पर मां काली की आरती में जुटे श्रद्धालु

डुमरांव। नगर के राजगढ़ चौक पर मां काली मंदिर में महा आरती का आयोजन किया गया। इस महाआरती में सैकड़ो श्रद्धालु, नौजवान और व्यापारी वर्ग शामिल होकर मां का आशीर्वाद लिया। इस दौरान महिलाएं भी काफी संख्या में मौजूद रहते हुए भजन-कीर्तन करती रही। इस भक्तिमय माहौल में लोग जुटते गए और जयकारा होता रहा।

शहर के शहीद गेट पर बनेगा शहीद स्मृति द्वार

डुमरांव। पुराना थाना पर नगर के चार जवान भारत की शान तिरंगा फहराने के दौरान अंग्रेजों के गोली का शिकार हो शहीद हो गए थे। उन्हीं शहीदों के नाम पर शहीद पार्क बना हुआ है। उन्हीं की याद में उक्त स्थल पर जाने के लिए शहीद गेट होकर जाना पड़ता है। हालांकि वहां गेट मौजूद नहीं है, लेकिन अब नप वहां पर शहीद स्मृति द्वार शहीदों के नाम पर बनाने जा रही है। इसकी जानकारी देते हुए चेयरमैन सुनीता गुप्ता ने बताया की शहीद स्मृति द्वार बनाने का काम दशहरा बाद लगाया जाएगा।

तियरा में पट खुलने के बाद माता की प्रतिमा।

दुर्गा पूजा को लेकर पीपी रोड को रंगीन लाइटों से सजाया गया।

गोलंबर स्थित पूजा पंडाल में पूजा करते बक्सर एसपी शुभम आर्या।

राजपुर के मगराव में बुधवार को पट खुलने के बाद मां दुर्गा की प्रतिमा।

गर्भवती महिलाओं को करानी चाहिए नियमित प्रसव पूर्व जांच : एमओआईसी

केटी न्यूज/सिवान

♦ प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान के तहत विभिन्न अस्पतालों में गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान के तहत जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल के अलावे जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं की जांच के लिए विशेष जांच शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में जिले की गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क जांच के बाद उन्हें आवश्यक सुझाव व दवाएं उपलब्ध करायी गईं। सिविल सर्जन डॉ श्रीनिवास प्रसाद ने बताया कि सदर अस्पताल के साथ ही जिले के अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों में भी हर माह की तरह इस माह भी 9 तारीख को प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। क्योंकि गर्भावस्था के दौरान नियमित जांच बेहद जरूरी होता है। इससे प्रसव के दौरान आने वाली चुनौतियों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। गर्भवती महिलाओं को नियमित रूप से अपने

सेहत की जांच करानी चाहिए। जिससे कि प्रसव के उपरांत जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित व सेहतमंद रह सके। वहीं खासतौर पर विशेष निगरानी के लिए गर्भवती महिलाओं को चिह्नित किया गया। ताकि प्रसव के दौरान संभावित अड़चनों को दूर किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी चिह्नित महिलाओं का नियमित जांच किया जाएगा

प्रसव पूर्व जांच के दौरान दी गयी सही पोषण की जानकारी : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बसंतपुर के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कुमार रवि रंजन ने बताया कि स्थानीय अस्पताल पहुंची गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक और एएनएम द्वारा पोषण से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं अन्य महिलाओं को भोजन में हरी साग सब्जी प्रचुर मात्रा में लेने, दैनिक भोजन में केला, अमरूद, सेव, अनार, जैसे- फल का नियमित रूप से सेवन करने के लिए सलाह दी गई। गर्भवस्था के दौरान भोजन में अतिरिक्त नमक के प्रयोग से बचने के लिए सलाह दिया गया है। क्योंकि शरीर में नमक की मात्रा अधिक होने से उच्च रक्तचाप बढ़ने व चमकी की शिकायत प्रसव के दौरान अमूमन देखा जाता है। इसलिए सभी गर्भवती महिलाओं को इसके लिए सचेत रहना बेहद जरूरी होता है। प्रसव पूर्व जांच आयोजित शिविर में पहुंची गर्भवती महिलाओं का सभी तरह की आवश्यक जांच की गई। जिसमें एचआईवी, हीमोग्लोबीन, यूरिन, बल्ड प्रेशर, मधुमेह सहित कई अन्य प्रकार की जांच शामिल हैं।

एक नजर

सारण प्रमंडल में दायर नीलाम पत्र वादों के निष्पादन में तेजी लायें : आयुक्त

छपरा। सारण प्रमण्डल अंतर्गत सभी जिलों में संचालित नीलाम पत्र वादों (सर्टिफिकेट केस) की बुधवार को प्रमंडलीय आयुक्त गोपाल मीणा ने समीक्षा की। तीनों जिलों को मिलाकर 50 हजार से अधिक नीलाम पत्र वाद दायर हैं। इनमें 50 लाख रुपये से अधिक सन्निहित राशि के 48 तथा 10 लाख रुपये से अधिक सन्निहित राशि के 506 मामले शामिल हैं। आयुक्त के निदेशानुसार प्रमण्डल के तीनों जिलों में संचालित नीलाम पत्र के मामलों को विभिन्न श्रेणियों में वगीर्कृत करते हुये एक विशेष फॉरमेट तैयार कर गूगल शीट पर एंट्री कराई गई है। इनमें सरकारी विभागों, राष्ट्रीय बैंकों, सहकारी बैंकों एवं सरकारी लोक उपक्रमों को अलग अलग वर्ग में रखा गया है। सभी जिलों को अपने अपने जिलों में संचालित नीलाम पत्र के वादों को एक सप्ताह के अंदर गूगल शीट में अपडेट/एडिट करने का निदेश दिया गया। समीक्षा के क्रम में ज्ञात हुआ कि कुछ नीलाम पत्र पदाधिकारियों के जिम्मे बहुत ही अधिक संख्या में नीलाम पत्र के मामले हैं। आयुक्त ने विभिन्न नीलाम पत्र पदाधिकारियों के यहाँ दर्ज मामलों की संख्या को युक्तिसंगत बनाने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि आवश्यक हो तो अतिरिक्त पदाधिकारियों को नीलाम पत्र पदाधिकारी की शक्ति प्रत्यायोजित करें।कुछ बड़ी सन्निहित राशि वाले मामलों की सुनवाई जिलाधिकारी स्वयं भी करें। अन्य वरीय अधिकारी बड़ी सन्निहित राशि वाले मामलों की सुनवाई करें। सबसे पुराने दर्ज मामलों के निष्पादन को भी प्राथमिकता दें। बैठक में प्रमंडल के सभी जिलों के जिलाधिकारी सहित सभी नीलाम पत्र पदाधिकारी उपस्थित थे।

पटना से गया जा रही बौद्ध भिक्षुओं की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, 8 घायल; तीन की हालत गंभीर

जहानाबाद। पटना से गया जा रही बौद्ध भिक्षुओं की गाड़ी बुधवार (09 अक्टूबर) की सुबह जहानाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो गई । हाइवा की टक्कर से टूरिस्ट बस सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में आठ पर्यटक घायल हुए हैं। घटना कड़ौना थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव के समीप की है। हादसे के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। तीन बौद्ध भिक्षुओं को गहरी चोट लगी थी जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने पीएमसीएच रेफर कर दिया है।जानकारी के अनुसार, बौद्ध भिक्षुओं से भरी टूरिस्ट बस नेपाल से पटना होते हुए बोधगया जा रही थी। अचानक जहानाबाद के सलेमपुर गांव के समीप यह हादसा हो गया। घटना के संबंध में टूरिस्ट गाइड शिव शंकर ने बताया कि बस में 23 बौद्ध भिक्षु नेपाल से अपना वीजा रिन्यू कराने के बाद बोधगया लौट रहे थे। टूरिस्ट गाइड ने बताया कि जहानाबाद के सलेमपुर गांव के समीप एनएच-83 पर एक अनियंत्रित हाइवा ने टक्कर मार दी। घटना में आठ लोग घायल हुए हैं। अन्य लोग सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि बस में वियतनाम, म्यांमार और अमेरिका के रहने वाले टूरिस्ट हैं। सभी घायलों का सदर अस्पताल में इलाज करा रहे हैं। उधर सदर अस्पताल के चिकित्सक बीके शाही ने बताया कि सड़क हादसे में आठ टूरिस्ट यात्री घायल हुए हैं। इनमें तीन की हालत गंभीर है जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई। सभी घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। इस मामले में कड़ौना के पुलिस अधिकारी नंद कुमार ने बताया कि हाइवा ने टूरिस्ट बस में टक्कर मारी है। इससे यह हादसा हुआ है। इस घटना में आठ यात्री घायल हैं जबकि बस में सवार अन्य यात्री सुरक्षित हैं।

शिक्षक से लूटपाट के प्रयास में विफल अपराधियों ने चाकू से गोदा, इलाजरत

छपरा। खैरा थाना क्षेत्र में शिक्षक से लूटपाट के प्रयास में विफल होते देख अपराधियों ने उसे चाकू से गोद दिया । घटना खैरा थाना अंतर्गत भेरिहर टोला गांव के समीप की है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और परिवार वालों के द्वारा उसे स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले गया, जहां से उसे छपरा सदर अस्पताल रेफर किया गया। छपरा सदर अस्पताल में उपचार के दौरान उस शिक्षक का एक्स-रे और सीटी स्कैन करवाया गया और उपचार के बाद उसे बेहतर चिकित्सा के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है। गंभीर रूप से जख्मी शिक्षक जिले के खैरा थाना क्षेत्र के खोदाईबाग गांव निवासी सतीश कुमार राय के 39 वर्षीय पुत्र विकाश कुमार बताये गये हैं,जो कि छपरा शहर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के खलपुरा गांव स्थित जेडी सेंट्रल हाई स्कूल में शिक्षक के पद पर कार्यरत है। वह विद्यालय से छुट्टी के बाद बच्चों को ट्यूशन देते हैं और ट्यूशन देने के बाद रात्रि में बाइक से अपने घर जा रहे थे। उसी बीच खैरा थाना अंतर्गत भेरिहर टोला के समीप एक बाइक सवार चार अपराधियों ने उनकी बाइक को रोक कर बाइक लूटने का प्रयास शुरू किया। जिस पर वह अपराधियों से उलझ गए,जिसके बाद उनके पेट पीठ और पैर सहित कई जगह पर चाकू से गोद दिया। जिसके बाद वह लहुलुहान होकर चीखने-चिल्लाने लगे। इतनी देर में ग्रामीणों की नजर पड़ी तो अपराधी शिक्षक के बाइक की चाबी लेकर फरार हो गये।

सारण जिले के मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूता और नवजात को किया सम्मानित

छपरा। दुर्गा पूजा का यह पर्व मातृत्व और नारी शक्ति का प्रतीक है। इस दिन माताओं और कन्याओं को सम्मानित करना हमारे लिए एक आवश्यक कार्य है।" उक्त बातें राजद नेता सुधांशु रंजन ने मांझी प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में प्रसूता महिला को कपड़ा देकर सम्मानित करने के दौरान कही। इस अवसर पर सुधांशु रंजन ने कहा कि यह साड़ी केवल एक वस्त्र नहीं है, बल्कि यह मातृत्व के सम्मान और महिलाओं के संघर्ष का प्रतीक है। हर महिला जो मातृत्व का अनुभव करती है, वह अपने परिवार और समाज के लिए एक प्रेरणा होती है। समाज में महिलाओं के योगदान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हमें उन्हें सम्मान देना चाहिए और उनकी आवाज को सुनना चाहिए। जन्मदिन के अवसर पर इस तरह का आयोजन केवल माताओं के सम्मान के लिए नहीं, बल्कि यह एक संदेश देने का भी प्रयास किया गया है। कि नारी शक्ति का सम्मान करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में माताओं के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता बढ़ाने में मदद करते हैं। फिलहाल शारदीय नवरात्रि का समय चल रहा है और दुर्गा पूजा के सप्तमी को सिमरन ने नवजात को दिया जन्म दी है। जो मातारानी की कृपा से जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह से स्वास्थ्य है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इसकी जानकारी मिली तो जन्मदिन के अवसर पर माता और बच्ची को सम्मानित करने का सुअवसर मिला है। इस दौरान राजद नेता सुधांशु रंजन, प्रखंड सामुदायिक उत्प्रेरक (बीसीएम) विवेक कुमार ब्याहुत और मुन्ना सिंह सहित कई अन्य स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

हरियाणा में हैट्रिक मोदी की लोकप्रियता का प्रमाण

छपरा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने हरियाणा के जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह जीत देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री की नीतियों की जीत है। देश की जनता मोदी पर विश्वास करती है मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। महामंत्री विवेक कुमार सिंह हरियाणा की जीत को सुशासन नरेंद्र मोदी की नीति एवं कार्यकर्ताओं की जीत बताया और कहा कि जम्मू और कश्मीर में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया है निश्चित तौर पर यह आगाज है कि आने वाला समय बीजेपी का होने वाला है।

ट्रक ने ट्रैक्टर में मारी टक्कर मजदूर की मौत

आरा। आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के शोभी डुमरा गांव के समीप बुधवार की सुबह अनियंत्रित ट्रक ने ट्रैक्टर जोरदार टक्कर मार दी हादसे में ट्रैक्टर पर सवार पटना निवासी मजदूर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। वहीं घटना के बाद चालक ट्रक छोड़ मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल घटनास्थल पर पहुंची और उक्त ट्रक को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार मृतक पटना जिला के नदी थाना क्षेत्र के सबलपुर गुलमहिया चक गांव निवासी राधाकिशन राय का 18 वर्षीय पुत्र चकरवर्ती कुमार है। वह पेशे से मजदूर था एवं ट्रैक्टर एवं ट्रक से सामान उतारने का काम करता था। इधर मृतक के चाचा धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि वह मंगलवार की रात ट्रैक्टर पर सामान लोड कर उन्हें अनलोडिंग करने के लिए आरा आया था। उसी दौरान शोभी डुमरा गांव के समीप पीछे से आ रही अनियंत्रित ट्रक ने उनके ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद ट्रैक्टर चालक द्वारा फोन कर इसकी सूचना उनके परिजनों को दी गई। सूचना पाकर परिजन आरा सदर अस्पताल परिसर के पोस्टमार्टम गृह पहुंचे। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व तीन बहन में छोटा था।

कांशीराम जी के 18वें परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

जब तक दलितों पर अत्याचार बंद नहीं होता तब तक संघर्ष रहेगा जारी : अनिल कुमार

केटी न्यूज/भभुआ

बहुजन समाज पार्टी के जन्मदाता एवं संस्थापक मान्यवर कांशीराम जी के 18 वें परिनिर्माण दिवस पर आज लिच्छवी भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनका स्मरण करते हुए दलित और वंचित समाज को उनका हक दिलाने के लिए मजबूत संघर्ष का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष छोटेलाल राम ने किया।

उक्त अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने लिच्छवी भवन में हजारों की संख्या में आए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मान्यवर कांशीराम जी ने अपनी पूरी जिंदगी अपने गुरुओं, संतों, बड़े- बुजुर्गों एवं विशेषकर परम पूज्यनीय डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर के बताए हुए मार्ग पर चलते हुए देशभर के करोड़ों दलितों, पीड़ितों, शोषितों आदिवासियों तथा उपेक्षित वर्गों को अपने पैरों पर खड़ा करने में बीता दी। उन्होंने बहुजनों, उपेक्षित वर्गों एवं अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अपने सुख-चैन तक का परित्याग कर दिया ताकि करोडों लोगों के जीवन में खुशियां आ सकें।

अनिल कुमार ने उनकी जीवनवृत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर एवं मान्यवर कांशीराम जी के दिखाए हुए मार्ग का ही नतीजा है, कि हम सबकी नेता बहन कुमारी मायावती के शासनकाल में कानून व्यवस्था के लिए बदनाम उत्तरप्रदेश में कानून का राज स्थापित हो पाया, जिससे कि सभी वर्ग, वर्ण, समुदायों को सुशासन का सुखद अनुभूति प्राप्त हुई। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं तात्कालिन इरढ सुप्रीमो बहन मायावती ने अनेकों विकास कार्य को भलीभांति अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की जो कि आज भी पूरे प्रदेश के लिए किसी आदर्श की तरह है।

उपेक्षितों को कमजोर करना सरकार की मंशा

अनिल कुमार ने बिहार सरकार पर हमला बोलते हुए कहा की नीतीश कुमार की सरकार की मंशा बहुजनों, उपेक्षित वर्गो के समस्या का समाधान करना नहीं अपितू कमजोर करना है। लेकिन साथियों यह भूल गए है कि हम बहुजनों ने भारी से भारी विपत्ति को हंसते -हंसते अपने सीने पर लिया है। यह हमें कमजोर करने में कभी कामयाब नहीं हो पाएंगे। आज भी दलितों , पिछड़े वर्गो के साथ होने वाले अत्याचार में कोई कमी नहीं आई है। बल्कि इसमें बढ़ोतरी ही हुई है। दलितों पर हो रहे अत्याचार के मामले में सुशासन का दावा करने वाली डबल इंजन की सरकार वर्षों से कान में रुई डालकर सोई हुई है। न - तो इनको दलितों, पीड़ितों की पीड़ा सुनाई देती है और न ही इन पर हो रहे अत्याचार दिखाई देता है।

तमाशबीन बनी हुई है धृतराष्ट्र सरकार

पिछड़ों की हितेषी का दावा करने वाली सरकार वर्षो से धृतराष्ट्र बनकर तमाशबीन बनी हुई है। और यह स्थिति राज्य में तब है जब पिछड़ों की सरकार का ढ़ोल पीटा जा रहा है। देशभर में जिस तरह से दलितों पर अत्याचार बढ़ रहे है ऐसे में हम हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठ सकते है। आइए आज हम सभी इस मंच से संकल्प लें कि जबतक हमारे दलित परिवारों पर हमला बंद नहीं होता है।, उन्हें राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक तौर पर समानता नहीं मिलता है। तबतक हम सभी साथी बिना रुके बिना थके दिन रात अपने भाइयों, बहनों के हितों को रक्षा करने के लिए संघर्ष करते रहेंगे। इन्हीं बातों के साथ बाबा साहब डॉ. अम्बेडकर एवं, मान्यवर कांशीराम जी के बताए हुए रास्ते पर चलते हुए समाज मे समानता को सुनिश्चित करेंगे।

राजद नेता ने की प्याऊ की व्यवस्था कार्यकताओं को किया सम्मानित

केटी न्यूज/छपरा

शहर के स्थानीय फुटानी बाजार के दुकानदार या ग्रामीणों को कई वर्षो से शुद्ध पानी की व्यवस्था नही थी। ताकि प्यासे लोग अपनी प्यास को बुझा सकें। क्योंकि उक्त बाजार और पानी की व्यवस्था नहीं थी, जिस कारण दर्शन करने आने वाले भक्तों को परेशानी होती थी। लेकिन इस बार से यहां प्याऊ की भी व्यवस्था कर दी गई है। उक्त बातें स्थानीय विधान परिषद के पूर्व प्रत्याशी सह राजद नेता सुधांशु रंजन ने शुद्ध पेयजल की व्यवस्था का फीता काट कर शुभारंभ करने के दौरान कही।

उन्होंने यह भी कहा कि स्थानीय जलालपुर प्रखंड क्षेत्र के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र फुटानी बाजार पर विगत दस वर्षों से एक से बढ़ कर एक पंडाल का निर्माण किया जाता है, जिस कारण जिले में चर्चा का केंद्र बना रहता है। लेकिन यहां पर पीने के लिए शुद्ध पानी की व्यवस्था नहीं थी। जिससे यहां दुर्गा पूजा के दौरान आने वाले लगभग डेढ़ लाख से अधिक श्रद्धालु भक्तों को लाभ नही

मिल रहा था। राजद नेता सुधांशु रंजन ने स्थानीय बाजार वासियों से कहा कि अगले साल यहां दस चापाकाल लगाए जाएंगे। ताकि मेला में आने वाले मेलार्थियों और स्थानीय ग्रामीणों को शुद्ध और स्वच्छ पेयजल की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर पूजा समिति के अध्यक्ष छोटेलाल प्रसाद सुमन, पूर्व प्रखंड प्रमुख उपेंद्र कुमार सुमन, स्थानीय जलालपुर प्रखंड के राजद अध्यक्ष श्रीराम राय, चंदन तिवारी, विकास सिंह, रंजन तिवारी, अभिषेक तिवारी, सोनू कुमार यादव, पिंटू तिवारी, मनीष कुमार, दीपक यादव सहित कई अन्य उपस्थित थे।

जिले में चले सर्च अभियान में 64 किग्रा गांजा के साथ दो तस्कर धराएं

♦ दो अलग थाना क्षेत्रों में छापेमारी, खिड़की से कूदकर फरार हुए तस्कर

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर पुलिस ने दो अलग-अलग थाना क्षेत्र से 64 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। गुप्त सूचना के आधार पर चलाई गई सर्च अभियान में पहला मामला पहरपुर गांव का है। वहीं, दूसरा गजराजगंज ओपी अंतर्गत मसाढ़ गांव का है। पहरपुर गांव में छापेमारी के दौरान 42.180 किलोग्राम गांजा के साथ दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार हुए तस्करों की पहचान बक्सर जिला के नवानगर थाना क्षेत्र के गोविंदपुर गांव निवासी हरिनारायण राम के पुत्र वशिष्ठ कुमार और गड़हनी थाना क्षेत्र के पहरपुर गांव निवासी स्वर्गीय शत्रुघ्न मिश्रा के पुत्र मंजय मिश्रा के रूप में हुई है। एएसपी ने बताया कि पकड़े गए तस्कर वशिष्ठ कुमार पहरपुर गांव के रहने वाले मनंजय मिश्र के घर पर गांजा लेकर बिक्री करने के लिए आया हुआ है।

गजराजगंज पुलिस ने जब्त किया 22 .3 किलो गांजा

दूसरे मामले में एएसपी ने बताया कि गजराजगंज ओपी अंतर्गत मसाढ़ गांव में गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर 22 l3 किलो गांजा बरामद किया है। पुलिस को देखकर गांजा तस्कर मौके से फरार हो गया। गजराजगंज ओपी पुलिस को एक सूचना मिली थी कि मसाढ़ गांव निवासी पंकज कुमार सिंह उर्फ भिखारी सिंह अपने दालान में बने कमरे के अलमारी में गांजा छुपाकर रखे हुए हैं और बिक्री कर रहे हैं। इसके बाद गजराजगंज ओपी प्रभारी हरी प्रसाद शर्मा ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए थाना में सनहा दर्ज किया। एक विशेष टीम बनाकर उदवंतनगर अंचलाधिकारी हरिकेष त्रिपाठी के नेतृत्व में जैसे ही गांजा तस्कर पंकज कुमार सिंह उर्फ भिखारी सिंह के दालान के मुख्य दरवाजे से जैसे ही प्रवेश किया। पुलिस को देखकर पंकज सिंह खिड़की से कूदकर भाग गया। सीओ के द्वारा एनडीपीएस की धारा 50 के तहत नोटिस देकर उनके दलान की तलाशी ली गयी तो दलान में कैमरा से कुल 22.3 किलो गांजा बरामद किया गया।

रामलीला का सातवां दिन : वृंदावन की मंडली ने जीवंत कर दिया त्रेता युग का दृश्य, मंचन देख भाव विभोर हो उठे दर्शक

निषाद राज से राम की भेंट और केवट संवाद का हुआ मंचन

केटी न्यूज/आरा (भोजपुर)

400 वर्ष पुरानी नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में आज सातवें दिन की रामलीला का मंचन हुआ । प्रभु श्री राम का आज निषाद राज से भेंट हुई और गंगा घाट पर केवट से प्रभु श्री राम ने गंगा पार करने के लिए निवेदन किया। इस पर केवट ने श्री राम से कहा कि आपका स्पर्श मात्र से पत्थर स्त्री में बदल गई। प्रभु मेरी नाव तो उससे भी कोमल है अगर यह स्त्री बन गई तो मेरे परिवार का जीविका कैसे होगी। पहले आप मुझे अपने चरण धोने दें। फिर अपने नौका से आपको पर कराऊंगा केवट ने प्रभु श्री राम के पांव धोने के पश्चात उन्हें गंगा पार कराया इस खबर को सुमंत जी ने राजा दशरथ से बताया कि मेरे बार-बार अनुरोध करने पर भी प्रभु श्री राम अयोध्या

वापस नहीं आए यह सुनकर दशरथ जी राम-राम का रट लगाते हुए अपने प्राण त्याग दिए यह दृश्य बहुत ही मार्मिक था।

चित्रकूट के घाट पर भरत प्रभु श्री राम को वापस लाने के लिए जाते हैं और प्रभु श्री राम के मना करने पर वह निशानी के तौर पर उनके खड़ाऊ लेकर वापस अयोध्या आते हैं वृंदावन की मंडली द्वारा सारा मंचन देख दर्शक भाव विभोर हो उठे। सर्वप्रथम अपनी प्रथा का निर्वहन करते हुए समिति के सदस्यों ने आमंत्रित किए गए अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित किया और उसके बाद अध्यक्ष सोनू राय ने आए हुए सभी अतिथियों एवं दर्शकों का अभिवादन किया।

कार्यक्रम के माध्यम से सोनू राय जी ने कहा की जागरण के जितने भी कलाकार हैं वह सभी सोशल मीडिया के माध्यम से अपने-अपने परिचय के साथ शहर के नागरिकों को जागरण में आमंत्रित करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने शहर के लोगों से जागरण को सफल बनाने के लिए निवेदन किया और रोटी बैंक के सदस्यों को उनके कार्य के लिए उनके द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की उपस्थिति देख उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता ने हर्ष व्यक्त किया और कहा कि नारी शक्ति ही देश को महान बनाएगी रामलीला में जहां प्रभु श्री राम का महत्व है पुरुष प्रधान होने से वही माता सीता का भी महत्वपूर्ण स्थान है दोनों एक दूसरे के पूरक हैं उम्मीद है आगे भी हमारी माताए और बहने । ऐसे कार्यक्रम में भाग लेकर हमारी सनातन संस्कृति को आगे बढ़ाएंगी। आज के मुख्य अतिथि में डॉक्टर केएन सिं नहा , डॉ कन्हैया सिंह थे। रोटी बैंक के सदस्यों में राजेश कुमार, राजकुमार, शैलेश कुमार, निकेश पांडे के अलावा सभी सदस्य थे। रोहित सिंह पार्क व्यू संजीत सिंह, समृद्धि होटल, संरक्षक मंडल ; हकीम प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद, उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता, मदन प्रसाद ,शंभूनाथ केसरी, गौतम उर्फ. राजा ,विजय भारती, शत्रुघ्न प्रसाद ,मुख्य सचिव शंभूनाथ प्रसाद और समिति के सभी सदस्य आज मौजूद थे इस बात की जानकारी प्रवक्ता पंकज प्रभाकर ने दी।

वैदिक मंत्रोच्चार संग खुली मां दुर्गा की प्रतिमा, पंडाल देखने के लिए दर्शकों व श्रद्धालुओं का नगर में लगा तांता

या देवी सर्वभूतेषु, शक्ति रूपेण संस्थिता...

खुले माता के पट, जयकारे से गूंजे नगर-गांव

- नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के पंडालों में देर रात तक रही धूम
- समिति के सदस्य व पुलिस फोर्स पूरी तत्परता से रही मुश्तैद

केटी न्यूज/बलिया

जनपद के 22 थाना अंतर्गत 666 स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं पंडाल में स्थापित की गई है। जिसका पट सप्तमी तिथि को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शंख, घंट-घड़ियाल एवं नगाड़े के बीच खोला गया था। इस दौरान देर रात तक पंडालों में धूम रही। बुधवार को दर्शन व पंडाल देखने के लिए दर्शकों का हुजुम नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में उमड़ पड़ा। सुरक्षा के मद्देनजर समितियों के कार्यकर्ता व पुलिसकर्मी मुश्तैद रहे। इस दौरान पंडाल के अंदर व बाहर विद्युत उपकरण से सजाया गया था। वहीं लाउड स्पीकर से देवीगीत बजाए जा रहे थे।जिससे पूरा वातावरण देवीमय हो गया था।

मालूम हो कि नगर के चित्तू पांडेय चौराहा नवयुवक बालक कमेटी, ओक्डेनगंज दुर्गा पूजा समिति, शास्त्रीनगर जय भारत क्लब, आर्यसमाज रोड दुर्गा भक्त, कमेटी, कासिमबाजार रोड आदर्श विकास समिति व राष्ट्रीय सांस्कृति समिति, सेंट थामस स्कूल जगदीशपुर सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति, कृष्णानगर, श्रीदुर्गा सेवा समिति, स्टार क्लब कोतवाली, कलेक्ट्रेट कालोनी, श्रीदुर्गा पूजा समिति, गुदरी बाजार बाल कमेटी, लोहापट्टी मां शेरावाली नवयुवक कमेटी, चमन सिंह बागरोड युवा व्यापार सेवा समिति, रामलीला मैदान के पीछे जापलिनगंज श्री दुर्गा भक्त कमेटी, जापलिनगंज दुर्गा मंदिर मां शारदा नवयुवक संघ, भृगु मंदिर श्रीभृगुजी नवयुवक मंगलदल, कदमतर नवयुवक, मंगलदल, महाबीर घाट काली मंदिर , सुतरपट्टी आदि स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई है। जिसे देखने के लिए नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं का हुजुम उमड़ पड़ा।

दिन में तो भीड़ थोड़ी कम रही, लेकिन शाम होते ही नगर में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। आलम यह रहा कि सात बजते बजते नगर में जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। इस दौरान समिति के सदस्य पूरी सक्रियता के साथ रात भर सक्रिय रहे। वहीं प्रत्येक पंडालों के पास पुलिस फोर्स व अधिकारी च?क्रमण करते नजर आए। समितियों द्वारा पंडाल के अंदर व बाहर विद्युत उपकरण से सजाया गया था। उधर, ध्वनि यंत्र से देवीगीत बज रहे थे। जिससे पूरा वातावरण देवीमय हो गया था। वहीं गांधीनगर में मां भक्त सेवा समिति, बड़ा गड़हा मोहल्ला नवयुवक सांस्कृतिक, जापलिनगंज पुलिस चौकी नवयुवक शारदा संघ द्वारा बनाए गए शानदार पंडाल को देखने के लिए भीड़ उमड़ गई।

विद्यालय में धूमधाम से मना दशहरा महोत्सव

बलिया। जिले के प्रतिष्ठित विद्यालय सनबीम स्कूल में दशहरा महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया जिसमें विद्यालय के नौनिहालों ने आकर्षक प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। प्रधानाचार्या के द्वारा माता को चुनरी अर्पण की गई। नवदुर्गा की प्रस्तुति और राम दरबार की झांकी ने माहौल भक्तिमय बना दिया वहीं डांडिया नृत्य कर बच्चों ने सभी को झूमने पर विवश कर दिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डा सुमिता सिन्हा (सीएमएस, जिला महिला अस्पताल) रहीं। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दशहरा को बुराई पर अच्छाई के विजय का प्रतीक बताया। वहीं विद्यालय के निर्देशक कुंवर अरूण सिंह ने दशहरा को भारतीय संस्कृति के प्रमुख त्यौहारों में अग्रणी बताया और कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन चरित्र समूचे भारतवर्ष के लिए अनुकरणीय है।

जिले में 52 स्थानों पर मूर्तियां होगी विसर्जित

बलिया। कोर्ट के आदेश पर जिला प्रशासन द्वारा मूर्ति विसर्जन के लिए पहले से ही जिले में 52 स्थान चिह्नित किया जा चुका है। इसमें शहर कोतवाली के जमुआ नवीन परती, ओझवलिया पोखरा में मूर्ति विसर्जन किया जाएगा। इसी प्रकार दुबहर क्षेत्र के जौहरी माता पोखरा भड़सर, ओझवलिया, गायघाट, पचरूखिया में मूर्ति विसर्जन किया जाएगा। जबकि सुखपुरा थाना के गांव का पोखरा, सुरहाताल दक्षिणी, गड़वार थाना के गांव का पोखरा, फेफना में सेमरा घाट, तीखा पुल, मटही पुल, टोंस नदी में विसर्जन किया जाएगा। उधर, नरहीं थाना में दो, चितबड़ागांव में एक, बैरिया में तीन, हल्दी में दो, दोकटी में एक, बांसडीहरोड में तीन, सहतवार में तीन, मनियर में दो, सिकंदरपुर में चार, पकड़ी में दो, रसड़ा में एक, नगरा में एक, भीमपुरा में आठ, उभांव में दो स्थानों मूर्ति विसर्जन किया जाएगा।

रंग बिरंगे पंडालों में विराजीं जगत जननी

- त्रिशूल क्लब महिला लोगों को उत्पीड़न से बचाव के लिए दे रहा संदेश

केटी न्यूज/पीडीडीयू नगर

शारदीय नवरात्र के षष्ठी की रात जिले भर के आकर्षक रंग बिरंगे पूजा पंडालों में मां दुर्गा विराजीं । पूजा अर्चना और आरती की शुद्धता से पंडाल मंदिर में तब्दील हो गए। बुधवार से पंडालों में माता का दर्शन पूजन आरंभ हो गया।

जिले में 275 स्थानों पर दुर्गा पूजा पंडाल बनाए गए हैं। देश के नामी गिरामी मंदिरों और भवनों की तर्ज पर बने विशालकाय पंडाल जहां लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। वहीं पंडालों के आस पास आकर्षक लाइटिंग और देवी गीत अलग ही आध्यात्मिकता की रचना कर रहे हैं। कुछ स्थानों पर नवरात्र के पहले दिन ही प्रतिमा स्थापित की गई थी। पूरे जिले में बुधवार से तीन दिवसीय मेले की शुरूआत हो गई। नगर के कन्हैया टाकीज के पास त्रिशूल क्लब द्वारा महिला उत्पीड़न से संबंधित स्लोगन वाली झांकी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इस बार सबसे खास बात है कि अधिकतर पूजा पंडाल लोहे के एंगल पर बनाए गए हैं। पड़ाव ट्रक एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिशन की ओर से सिक्स लेन निर्माण के कारण जगह कम पड़ने पर सर्विस रोड पर लोहे के एंगल से पूजा पंडाल बनाया गया है। इसी तरह डीडीयू नगर के चंदासी कोयला मंडी में बंगाल के काली मंदिर की तर्ज पर विशालकाय पंडाल का निर्माण किया गया है। नगर के इंडियन इंस्टीट्यूट कॉलोनी में झारखंड के विष्णु मंदिर की तर्ज पर आकर्षक पंडाल बनाया गया है। नगर के परमार कटरा, वेस्टर्न बाजार, जायसवाल भवन, गल्ला मंडी, लाठ नंबर एक और लाठ नंबर दो, रविनगर, पटेलनगर, राम मंदिर, अमोघपुर, आरपीएफ कॉलोनी, गया कॉलोनी, सेंट्रल कॉलोनी के पूजा पंडालों में मूर्ति स्थापित कर पूजा अर्चना शुरू की गई है।

महानवमी पर शिक्षकों ने की स्कूल बंद करने की मांग

चंदौली। उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष आनंद सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधि मण्डल बुधवार को डीएम से मिला। इस दौरान ज्ञापन सौंपते हुए 11 अक्तूबर को महानवमी पर स्थानीय अवकाश घोषित किए जाने की मांग किया। संघ के जिलाध्यक्ष ने कहा कि बेसिक शिक्षा परिषद की अवकाश तालिका वर्ष 2024 में दशहरा, महानवमी व विजयदशमी का अवकाश एक ही तिथि 12 अक्तूबर को घोषित किया गया है। जबकि विगत वर्ष महानवमी का अवकाश था। किंतु इस बार महानवमी 11 अक्तूबर शुक्रवार को पड़ रहा है, लेकिन जिला अधिकारी की तरफ से अभी तक स्थानीय अवकाश घोषित नहीं किया गया है। जबकि औरैया आदि जिलों में 11 अक्तूबर को महानवमी पर अवकाश घोषित है। इस स्थिति में कर्मचारियों व शिक्षकों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। उक्त तिथि पर अवकाश घोषित किया जाए। इस मौके पर जयबहादुर सिंह, गौरव मौर्य, मोहम्मद अकरम, राजेश सिंह, ईरा सिंह, कौशल, आकृति, राजेश बहादुर सिंह, मिथिलेश कुमार उपस्थित रहे।

सामाजिक परिवर्तन के मसीहा थे स्व. कांशीराम : राकेश मौर्य

केटी न्यूज/पीडीडीयू नगर

समाजवादी पार्टी जौनपुर के तत्वाधान में बामसेफ के संस्थापक, सामाजिक परिवर्तन के मसीहा मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में सांसद बाबूसिंह कुशवाहा के नईगंज स्थित कैंप कार्यालय पर विचार गोष्ठी के रूप में मनाई गई।

सर्वप्रथम उपस्थित पार्टीजनों ने मान्यवर कांशीराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात मान्यवर कांशीराम के व्यक्तित्व एवं विचारों पर गोष्ठी के माध्यम से चर्चा करते हुए उन्हें नमन किया। अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि अंबेडकर जयंती की छुट्टी को रद्द करने पर दलितों को इकट्ठा कर बाबासहब की जयंती की छुट्टी बहाल कराया और तब कहा था कि छुट्टी को रद्द करने वालों की जब तक छुट्टी न कर दूं तबतक चैन से नहीं बैठूंगा।

इस बात को लेकर ही उन्होंने छुआछूत के खिलाफ लड़ाई छेड़ दी और तमाम प्रयासों के बाद सामाजिक परिवर्तन और पीडीए समाज में क्रांति लाकर उनके मसीहा बन गए आज उनके ही रास्ते पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के मार्गदर्शन में सपाजन मान्यवर कांशीराम के सपनों को साकार करने में लगे हुए हैं।

फास्ट फूड के दुकान का विवाद बना विवेक की हत्या का कारण

जौनपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के जमुनीपुर (मंगरमु) गांव के एक युवक को तीन माह पूर्व हुए आपसी विवाद के चलते बदमाशो ने अपहरण कर उतारा मौत के घाट। विवेक यादव पुत्र श्री शंकर यादव उम्र 27 वर्ष को रविवार की रात लगभग 09 :00 बजे जमुनीपुर गेट के पास बदमाशो ने मारा पीटा और अपने साथ उठा ले गए। दो दिन बाद विवेक की लाश सुरियांवा थाना क्षेत्र के बीरमपुर ठकुराइन क तारा के पास मिली। घटना के समय मौजूद उसके साथी मोहन (लालू) ने बताया कि गहिली कठरवा के राजू (बल्ली) की फास्ट फूड दुकान निगोह बाजार में स्थित है। उसी से तीन माह पहले मामूली बात को लेकर कुछ विवाद हुआ था।

वित्तीय अध्ययन विभाग में नवागंतुक छात्र-छात्राओं का हुआ विशेष स्वागत

केटी नयूज/जौनपुर

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वित्तीय अध्ययन विभाग में एम.बी.ए. (फाइनेंस एंड कण्ट्रोल) में वर्ष 2024 के नवप्रवेषित छात्र-छात्राओं का स्वागत समारोह विश्वविद्यालय परिसरस्थित रज्जू भैया संस्थान के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का आयोजन विभाग के वरिष्ठ छात्रों द्वारा कनिष्ठ छात्रों के स्वागत एवं परिचय हेतु आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की शुरूआत प्रबंध अध्ययन संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. अजय द्विवेदी, विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. राजकुमार सोनी, प्राध्यापक सुशील कुमार, मो. अबू सालेह, मनोज कुमार त्रिपाठी, यशि सिंह ने सर्वप्रथम सरस्वती चित्र पर पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित करके किया। स्वागत गीत के बाद प्रो. अजय द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि छात्रों के अंदर किसी समारोह को आयोजित करने एवं उसको संचालित करने से उनके अंदर एक प्रतिभा उजागर होती है जो उनके व्यक्तित्व निर्माण का एक महत्वपूर्ण कारक होता है। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजन से छात्रों को विभिन्न विधाओं में प्रतिभाग करने का अवसर प्राप्त होता है तथा अपने कौशल में परिपक्कवता लाने में भी सहायक होता है।

विश्विद्यालय के कुलानुशासक प्रो. राजकुमार सोनी ने नवीन छात्रों का स्वागत करते हुए कहा कि छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासित रहने की भी आवश्यकता है।

एक नजर

खेत में घुस बोलेरो ने चारा काट रहे वृद्ध को रौंदा

मनियर। बोलेरो खेत में घुसी बृद्ध की मौत हो गई। घटना बुधवार के दिन करीब नौ बजे दिन में की है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि मनियर थाना क्षेत्र के रामपुर दक्षिण निवासी सिंहासन यादव उम्र करीब 60 वर्ष पुत्र स्वर्गीय रामाधार यादव पशुओं के चारा काटने के लिए गांव के ही खेत में गए थे। उनके खेत के बगल में खेल का मैदान है। वहीं पर कोई बोलेरो चलाना सीख रहा था कि इसी बीच उसका संतुलन बिगड़ गया और बोलेरो सिंहासन यादव के शरीर पर चढ़ गया। आसपास के लोगों ने घायल अवस्था में उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनियर लाया जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के पत्नी सुगिया देवी, पुत्र संदीप यादव ,पुत्री सरिता यादव का रो-रो करके बुरा हाल है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अंत्य परीक्षण के लिए भेज दिया। वहीं बोलेरो को भी अपने कब्जे में ले लिया है तथा आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

शोक मे बंद रहा नगर पंचायत कार्यालय

चितबड़ागांव। नगर पंचायत में तैनात अधिशासी अधिकारी धर्मराज सरोज की माता धनवंतरी देवी 95 वर्षीय का मंगलवार की देर रात अकास्मिक निधन हो गया। बुधवार की सुबह कार्यालय पहुंचकर कर नगरपंचायत कर्मचारियों ने एक शोक सभा कर ईओ की माता के निधन पर की दो मिनट का मौन रखकर शोक सभा कर श्रद्धांजलि दिया कर्मचारियों ने आत्मा की शान्ति हेतु दो मिनट का मौन रख कर शोक संवेदना व्यक्त किया गया और शोक सभा के पश्चात कार्यालय को बन्द कर दिया गया ।इस मौके पर बाबू रविश कुमार,राम बहादुर सिंह,गनेश राम,अजीत कुमार, राकेश कुमार, अभिषेक गुप्ता सहित नगर पंचायत के सभी कर्मचारी मौजूद रहे।

छापेमारी में 10 क्विंटल अवैध पटाखा बरामद

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के लखउवां बाजार में बुधवार की दोपहर 3 बजे एसपी के द्वारा अवैध पटाखा भंडारण के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। बुधवार को जौनपुर के एसडीएम पवन कुमार सिंह व सीओ परमानंद कुशवाहा के नेतृत्व में बक्सा पुलिस व एसओजी पुलिस टीम ने लखउवां बाजार के एक घर मे छापामारी कर चेकिंग की गई ।घर के 5 कमरों की तलाशी ली गयी। जिसमें लगभग 10 क्विंटल पटाखा जब्त किया गया जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये बताई जा रही है। इस छापेमारी के दौरान बाजार में अफरातफरी का माहौल हो सा हो गया। सीओ परमानंद कुशवाहा ने बताया कि पुलिस अधीक्षक द्वारा अवैध पटाखों के भंडारण के खिलाफ में चलाये जा रहे अभियान के क्रम आज लखउवां बाजार में मुखबिर से सूचना मिली कि कमालुद्दीन द्वारा एक घर मे अवैध पटाखों का भंडारण किया गया है। स्थानीय पुलिस व एसओजी टीम द्वारा घर पर छापेमारी कर तलाशी ली गयी। जिसमे 5 कमरों में लगभग 10 कुंतल पटाखा जिसकी कीमत लगभग 20 लाख रुपये के अवैध पटाखे के भंडारण पाया गया। मौके पर एसडीएम सदर के नेतृत्व में इस पटाखों को विधिक रूप से जब्त करके आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

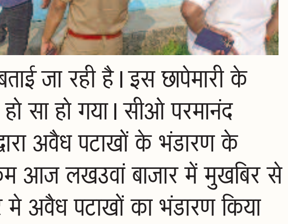

सीएम योगी से सौगात पा खिल उठे चकंबदी लेखपाल, 8 साल से प्रमोशन का था इंतजार

चकबंदी लेखपालों को दिवाली तोहफा, 728 बने कानूनगो

केटी न्यूज/लखनऊ

- बरेली, कन्नौज, मुरादाबाद और गोरखपुर में बने सबसे ज्यादा कानूनगो
- चकबंदी के कार्यों को मिलेगी रफ्तार, किसानों को होगा बड़ा फायदा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चकबंदी लेखपालों को दीपावली का बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने 8 साल बाद प्रदेश के प्रतिक्षारत चकबंदी लेखपालों को पदोन्नति दी है। प्रदेश के 68 जिलों के 728 चकबंदी लेखपालों को चकबंदीकर्ता (कानूनगो) के पद पर प्रोमोट किया गया है। सीएम योगी का यह महत्वपूर्ण कदम न सिर्फ अधिकारियों के करियर में एक नया अध्याय जोड़ेगा, बल्कि प्रदेश के किसानों के भूमि संबंधी विवादों के निपटारे में भी तेजी आएगी। इससे राज्य का कृषि क्षेत्र समृद्ध होगा और किसानों के जीवन में खुशहाली आएगी।

चकबंदी आयुक्त भानु चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि प्रदेश में भूमि विवाद और चकबंदी की समस्या के त्वरित निपटारे के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गंभीर प्रयास कर रहे हैं। 2016 से प्रदेश के विभिन्न जिलों में कानूनगो के कई पद रिक्त चल रहे थे, जिसके कारण भूमि पुनसंयोजन और चकबंदी प्रक्रिया में बाधाएं उत्पन्न हो रही थीं। इससे किसानों की भूमि से जुड़े विवादों के

समाधान में देरी हो रही थी और भूमि सुधार के प्रयासों को भी नुकसान पहुंच रहा था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए रिक्त पदों को भरने के निर्देश दिए थे। उनके निर्देश पर विभागीय पदोन्नति समिति का गठन किया गया, जिसके माध्यम से 728 योग्य चकबंदी लेखपालों को पदोन्नति दी गई है।

कृषि भूमि सुधार प्रक्रिया को मिलेगी गति

चकबंदीकर्ता के पदों पर नियुक्ति से प्रदेश में भूमि सुधार और चकबंदी की प्रक्रिया को सुचारू रूप से लागू करने में सहायता मिलेगी। भूमि का पुनसंयीजन यानी चकबंदी, किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उनके खेतों को एकत्रित कर उन्हें बेहतर तरीके से उपयोग करने की सुविधा प्रदान करती है। भूमि का सही ढंग से पुनसंयीजन होने से किसानों की उत्पादकता में वृद्धि होगी और कृषि की दिशा में राज्य का विकास होगा। मुख्यमंत्री योगी का यह कदम न केवल किसानों के हित में है बल्कि प्रदेश में राजस्व प्रशासन और भूमि सुधार की दिशा में भी एक बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इससे भूमि विवादों के निपटारे में तेजी आएगी और राज्य के कृषि क्षेत्र में समृद्धि आएगी।

बरेली, गोरखपुर में सर्वाधिक पदोन्नति : इस पदोन्नति प्रक्रिया में बरेली जिले के 60 चकबंदी लेखपालों को कानूनगो बनाया गया है, जो प्रदेश में सबसे अधिक संख्या है। इसके बाद कन्नौज में 41, मुरादाबाद में 35, गोरखपुर में 32 और ललितपुर में 25 चकबंदी लेखपालों को पदोन्नति मिली है। यह निर्णय इन जिलों में चकबंदी प्रक्रिया को नई ऊर्जा देगा और किसानों की भूमि संबंधी समस्याओं का तेजी से निपटारा किया जा सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

सही समय पर नहीं मिली एंबुलेंस, बुजुर्ग व्यक्ति की हार्ट अटैक से मौत

रांची, एजेंसी। सही समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने से एक व्यक्ति की इलाज के अभाव में हार्ट अटैक से मौत हो गयी। यह घटना करम टोली चौक की है। आज बुधवार की सुबह एक बुजुर्ग व्यक्ति को अचानक हार्ट अटैक आया। इसके बाद मौके पर मौजूद लोगों ने एंबुलेंस को कॉल किया, लेकिन सही समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पायी। इसके बाद उस व्यक्ति को ऑटो से नजदीकी अस्पताल ले जाने का प्रयास किया गया लेकिन बुजुर्ग व्यक्ति की बीच रास्ते मे ही मौत हो गयी।

वेद प्रकाश सिंह हत्याकांड: मुख्य आरोपी सत्यम पाठक को रांची सिविल कोर्ट से बड़ी राहत

रांची, एजेंसी। रांची सिविल कोर्ट से निवर्तमान दिवंगत पार्षद वेद प्रकाश की हत्या के आरोपी सत्यम पाठक को बड़ी राहत मिली है। सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायुक्त दिवाकर पांडेय की कोर्ट ने सत्यम पाठक की ओर से दायर क्रिमिनल रिवीज़न याचिका को स्वीकार करते हुए उसे फ़रार घोषित किए जाने के आदेश को निरस्त कर दिया है। न्याययुक्त राँची की कोर्ट ने निचली अदालत द्वारा पारित धारा 82 के आदेश को यह कहते हुए निरस्त कर दिया है कि धारा 82 का आदेश न्यायसंगत नहीं है।

झारखंड में सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द, दुर्गा पूजा को लेकर मुख्यालय ने जारी किया आदेश

रांची, एजेंसी। झारखंड में दुर्गा पूजा महापर्व को देखते हुए राज्य के सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द किये जाने की सूचना है। आठ अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक सभी पुलिस पदाधिकारियों की छुट्टियां कैंसिल रहेंगी। इस संबंध में मंगलवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर आईजी अभियान ने आदेश जारी किया है। तीन अक्टूबर से शारदीय नवरात्र का शुभारंभ हुआ है। राज्य भर में बड़े स्तर पर दुर्गा पूजा के पंडाल लगते हैं। भारी संख्या श्रद्धालु पूजा में शामिल होते हैं। इस दौरान भक्तों की भारी भीड़ मंदिरों और पंडालों में रहती है। दुर्गा पूजा पूर्व पर शांति व्यवस्था को कायम रखने और किसी भी तरह की अप्रिय घटना न घटे, इसके चलते राज्य के सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गयी हैं। जारी आदेश में कहा गया हैं कि इमरजेंसी की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस कार्यालय में पदस्थापित पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को तैयारी की स्थिति में रखा जाये।

रातू किला में राजकुमारी माधुरी व अजय नाथ शाहदेव ने कल्पना सोरेन का किया स्वागत

रांची, एजेंसी। रातु में आयोजित मइयां सम्मान यात्रा कार्यक्रम के समापन के बाद कल्पना सोरेन रातूगढ़ किला पहुंची। जहां राजकुमारी बड़मनी माधुरी मंजरी देवी और कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव ने उनकी अगवानी करते हुए भव्य स्वागत किया। किला परिसर में कल्पना सोरेन ने सबसे पहले मां दुर्गा का दर्शन–पूजन किया। अजय नाथ शाहदेव ने उन्हें किला का भ्रमण कराया और यहां के इतिहास के बारे में उन्हें बताया। कल्पना सोरेन काफी देर तक किला परिसर में रहीं और सभी से वार्तालाप किया। इस दौरान कांग्रेस नेता बंधु तिर्की, राज्य सभा सांसद महुआ मांजी, सांसद जोभा मांझी, विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, पृथ्वी नाथ शाहदेव, अमर उरांव, रमेश शाहदेव, झामुमो जिलाध्यक्ष मुश्ताक आलम, कुशल उरांव, अतुल ठाकुर सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

झारखंड के विधायकों की बल्ले-बल्ले, मिलने जा रही बड़ी सौगात; 303 करोड़ रुपये किए जाएंगे खर्च

रांची, एजेंसी। झारखंड के विधायकों के लिए आवास निर्माण को लेकर कैबिनेट ने 303 ।88 करोड़ रुपये के प्राक्कलन को स्वीकृति प्रदान कर दी है। कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर सभी ने एकमत से सहमति प्रदान की। ये आवास एचईसी परिसर स्थित कोर कैपिटल एरिया के साइट– 1 पर बनाने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही स्टेट आफ द आर्ट संस्थान के रूप में विकसित करने के निमित्त राजकीय पोलिटेकनिक, जगन्नाथपुर में नये भवन के निर्माण तथा जीर्णोद्धार कार्य के लिए 76 ।35 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

अब बीजेपी झारखंड में दिखायेगी दमखम

जेएमएम कर रहा जोरदार काउंटर तो कांग्रेस है सुस्त

रांची, एजेंसी। भाजपा ने हरियाणा में अप्रत्याशित जीत दर्ज की है। तमाम एक्जिट पोल और पूर्वानुमान को हरियाणा के चुनावी दंगल में भाजपा ने खारिज कर दिया। कांग्रेस के सारे समीकरण और रणनीति को ध्वस्त कर दिया। 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में भाजपा को अपने दम पर 48 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिला है। कांग्रेस ने 37 सीटों पर जीत दर्ज की।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने भी हरियाणा के चुनावी परिणाम से राहत की सांस ली है। हरियाणा के रास्ते अब झारखंड-महाराष्ट्र में चुनाव की बयार पहुंचने वाली है। दो महीने के अंदर इन दोनों राज्यों में विधानसभा का चुनाव होना है। हालांकि, कश्मीर में एनसी और कांग्रेस गठबंधन ने सत्ता हासिल कर ली है। लेकिन, कश्मीर का चुनाव शायद ही कोई सियासी टॉनिक इंडिया गठबंधन को दे पाये। वहीं, हरियाणा के चुनाव परिणाम से भाजपा को जरूर ताकत मिली है।

उत्साहित भाजपा अब अपना दमखम झारखंड में दिखाने में जुटेगी। झारखंड में केंद्रीय मंत्री व चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान और असम के मुख्यमंत्री व चुनाव सह प्रभारी हिमंता विश्वा सरमा के कंधे पर जिम्मेवारी है। हरियाणा चुनाव के बाद

दोनों नेता रेस होंगे। टीम भाजपा भी चार्ज होगी। बाबूलाल मरांडी, अमर कुमार बाउरी सहित झारखंड में केंद्रीय मंत्री और सांसदों ने अपनी ताकत झोंकी है।

भाजपा की एक बड़ी टीम चुनावी जंग में लगी है। हर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने कैंपेन को तेज किया है। झारखंड में भाजपा बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर आक्रामक है। आदिवासियों की घटती आबादी को मुद्दा बनाया है। संताल परगना में ऐसे नैरेटिव के साथ भाजपा आदिवासी वोट को साधने और सरकार को घेरने में जुटी है। भ्रष्टाचार, रोजगार सहित दूसरे मुद्दे पर भाजपा का हमला आनेवाले दिनों में और तेज होने वाला है। झारखंड में इंडिया गठबंधन के सामने आनेवाले समय में चुनौतियां बढ़ेंगी।

हरियाणा में भाजपा पूरी रणनीति के साथ चुनाव लड़ी। काफी सोच-समझकर कर उम्मीदवारों का चयन किया गया। हरियाणा में 23 नये चेहरे को अलग-अलग सीटों पर उतारा गया। पहली सूची में ही भाजपा ने नौ विधायकों का टिकट काट दिया था। दो मंत्रियों का भी टिकट काटा। जिन विधायकों और मंत्रियों को लेकर एंटी इनकंबेंसी थी, उन्हें मौका नहीं दिया। जाट वोट बैंक का लोभ-लालच छोड़ कर गैर जाट वोटों पर खूब ताकत झोंकी। हरियाणा का फॉर्मूला झारखंड में चला, तो यहां भी कई सीटों पर चेहरे बदले जा सकते हैं। भाजपा ने अलग-अलग सर्वे कराये हैं। ऐसे में कई विधायकों का टिकट फंस सकता है।

चुनावी कैंपेन में भाजपा आक्रामक है। वहीं, झामुमो भी पूरी ताकत के साथ भाजपा को काउंटर कर रहा है। झामुमो अपनी योजनाओं को लेकर आम लोगों के बीच जा रहा है। मंईयां सम्मान योजना को झामुमो ने चुनावी बाजी पलटने का हथियार बनाया है। चुनाव से पूर्व हर तबके के लिए सरकार फैसले ले रही है। इधर कांग्रेस सुस्त है। कांग्रेस अभी चुनाव को लेकर कमेटी बनाने में ही व्यस्त है। कांग्रेस नेतृत्व भी अब तक हरियाणा, कश्मीर में फंसा था। झारखंड पर विशेष फोकस नहीं है। हरियाणा की जीत पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को जश्न मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने ढोल-बाजे के साथ पटाखे फोड़े। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी ढोल बजाते हुए खूब थिरके। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी ने हरियाणा और जम्मू कश्मीर में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

चुनाव मोड में प्रशासन, कोषांग के पदाधिकारियों को सौंपा गया दायित्व

जमशेदपुर, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन पूरी तरह चुनाव मोड में आ गया है। विधानसभा चुनाव को देखते हुए पहले ही सभी कोषागों का गठन किया जा चुका है। साथ ही एक-दो दौर की बैठक भी संपन्न हो गई है। समझा जाता है कि हरियाणा तथा जम्मू व कश्मीर के विधानसभा चुनाव का परिणाम आने अथवा दुर्गा पूजा के बाद झारखंड में विधानसभा चुनाव की भारत निर्वाचन आयोग घोषणा कर सकता है। इसे देखते हुए जिले में तैयारियां तेज हो गईं हैं। उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2024 को लेकर सभी कोषांगों के वरीय, प्रभारी एवं सहायक प्रभारी पदाधिकारी के साथ सोमवार को बैठक हुई। जिसमें उपायुक्त ने सभी कोषांग के वरीय पदाधिकारियों को अपने-अपने कोषांग की बैठक 8 अक्टूबर तक हर हाल में संपन्न करा लेने का निर्देश दिया। साथ ही निर्वाचन की तैयारियों एवं कोषांग की कार्ययोजना से संबंधी अद्यतन प्रतिवेदन समर्पित करने के लिए कहा।

उपायुक्त ने सभी कोषांगों के पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिया कि निर्वाचन कार्य की शुचिता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता बनाये रखने के लिए जरूरी है कि प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मी अपने दायित्वों को अच्छी तरह से समझ लें। उन्होंने सभी कोषांगों को निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने तथा उसके सफलतापूर्वक क्रियान्वयन का निर्देश दिया। कहा कि निर्वाचन के कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में पीडी आईटीडीए दीपांकर चौधरी, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर अनिकेत सचान, उप नगर आयुक्त जेएनएसी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, एलआरडीसी, जिला सहकारिता पदाधिकारी समेत सभी संबंधित पदाधिकारी बैठक में उपस्थित थे। डीसीमतदाता जागरुकता पर विशेष बल देते हुए उपायुक्त ने कहा कि स्वीप कोषांग व्यापक स्तर पर जागरुकता कार्यक्रम संचालित करें ताकि एक-एक मतदाता को मताधिकार के प्रयोग को लेकर जागरूक किया जा सके।

झारखंड के प्रसिद्ध कथाकार रणेंद्र को मिलेगा आनंद सागर स्मृति कथाक्रम सम्मान

रांची , एजेंसी। झारखंड के प्रसिद्ध कथाकार रणेन्द्र को आनंद सागर कथाक्रम सम्मान से 9 नवंबर को लखनऊ में सम्मानित किया जाएगा। कथाक्रम सम्मान समिति के सदस्यों ने यह निर्णय लिया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान हर साल एक कथाकार को दिया जाता है। इससे पहले यह सम्मान कमलाकांत त्रिपाठी, चंद्रकिशोर जायसवाल, ओमप्रकाश बाल्मिकी, शिवमूर्ति, असगर वजाहत, मैत्रयी पुष्पा, दूधनाथ सिंह समेत कई लोगों को दिया जा चुका है।

कथाकार रणेन्द्र झारखंड के प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर अपनी सेवा दे चुके हैं। साल 2020 में वे सेवानिवृत्त हुए और इसके बाद वे अप्रैल 2024 तक झारखंड सरकार के जनजातीय कल्याण शोध संस्थान के निदेशक रहे। सहित्य के क्षेत्र में उनकी पहचान अब भी बनी हुई है। वह साल 2003 में प्रकाशित अपने पहले उपन्यास ग्लोबल 'गांव का देवता' से वह हिंदी जगत में चर्चा में आए। वर्ष 2021 में प्रकाशित उनके तीसरे उपन्यास 'गूंगी रुलाई का कोरस' ने उन्हें और अधिक ख्याति दिलाई। इससे पहले 2014 में प्रकाशित उनका और उपन्यास गायब होता देश भी लोगों को खूब पंसद आया था।

इन उपन्यासों में रणेन्द्र ने आदिवासी जीवन और समाज व संस्कृति का वर्णन बहुत ही शानदार ढंग से किया है। इन उपन्यासों को लिखने के अलावा उन्होंने चार खंडों में प्रकाशित झारखंड एनसाइक्लोपीडिया का भी संपादन किया है। बता दें कि इससे पहले भी उन्हें कई सम्मान मिल चुके हैं। जिसमें जे।सी। जोशी स्मृति जनप्रिय लेखक सम्मान, बनारसी प्रसाद भोजपुरी सम्मान, पहला विमला देवी स्मृति सम्मान, ढींगरा फाउंडेशन अंतराष्ट्रीय कथा सम्मान, प्रेमचंद कथा सम्मान प्रमुख है।

गोगो दीदी योजना को लेकर राज्य में जबरदस्त उत्साह: बाबूलाल

रांची, एजेंसी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि ÷गोगो दीदी योजना÷ को लेकर राज्यभर में जबरदस्त उत्साह है। उत्साह की वजह भी है। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लोगों को विश्वास और भरोसा है। लोग जानते हैं कि भाजपा और प्रधानमंत्री जो भी घोषणा और वायदा करते हैं, उसे पूरा करते हैं। इसलिए लोगों को भरोसा है कि उन्होंने वायदा किया है, घोषणा की है तो निश्चित रूप से सरकार बनते ही पहले कैबिनेट में यह सब निर्णय हो जाएगा। वे मंगलवार को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रोड के समीप स्थित खोखमा टोली में गोगो दीदी योजना का फॉर्म भरवाने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मरांडी ने कहा कि जिन लोगों ने फॉर्म भरा है, उसे कंप्यूटर में लोड किया जाता है। उसका दस्तावेज तैयार हो रहा है। राज्य में भाजपा सरकार बनते ही हर महीने की 11 तारीख को 2100 रुपए उनके बैंक खाते में चला जाएगा।

सीएम हेमंत सोरेन को जांच करनी है तो करें : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जांच करनी है तो करें। कार्रवाई करना हो तो करें। मैंने आकर खुद मां बहनों का फॉर्म भरा है। भारतीय जनता पार्टी और

पीएम मोदी की सरकार देश में महिलाओं का सशक्तीकरण चाहती है। आज पहली दफा कोई कार्यक्रम नहीं चल रहा है। पहले से ही अनेक योजनाएं चल रही है, जो मां-बहनों को समर्पित है। देश की संसद और विधानसभा में कानून बना कर महिलाओं के लिए 33प्रतिशत सीटों को रिजर्व किया गया है। उसके साथ-साथ लखपति दीदी बनाया जा रहा है। रोजगार के क्षेत्र में महिलाएं आगे बढ़े, उसके लिए भी प्रयास हो रहे हैं।

योजना को लेकर सीएम में दिख रही बेचैनी : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की कार्रवाई संबंधी आदेश साफ दिखता है कि योजना को लेकर उनमें बेचैनी है। आज एफआईआर सबसे पहले हेमंत सोरेन पर होनी चाहिए। 2019 के चुनाव के घोषणा पत्र में उन्होंने घोषणा की थी कि गरीबों को 72000 रुपए सालाना देंगे। चूल्हा खर्च के रूप में मां बहनों को 2000 रुपए देंगे। बुजुर्ग, महिला, दिव्यांग को ढाई हजार रुपए पेंशन देंगे। 5 लाख नौजवानों को रोजगार देंगे नहीं तो राजनीति से संन्यास ले लेंगे। 5000 और 7000 रुपए बेरोजगारी भत्ता देंगे। आज एफआईआर कायदे से पहले हेमंत सोरेन के ऊपर होनी चाहिए, जिन्होंने घोषणा की थी और जनता को ठगा है। हमारे ऊपर उस दिन एफआईआर होगी जब बीजेपी की सरकार बनेगी और हम ये नहीं देंगे। हेमंत सरकार को एफआईआर करना है तो करें, फिर मैं खुद फार्म भराने आया हूं। इस अवसर पर विधायक नवीन जायसवाल,महानगर अध्यक्ष वरुण साहू सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता और लाभार्थी मौजूद थे।

महागठबंधन के नए फॉर्मूले में अपनेआप घट जाएंगीं कांग्रेस की सीटें, चुनाव से पहले घमासान

रांची, एजेंसी। महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर कुछ ही दिनों में खटपट शुरू होनेवाली है। खटपट का कारण सीटों का बंटवारा ही होगा। कांग्रेस 31 सीटों से बढ़कर 33 अथवा 35 सीटों पर दावा कर रही है लेकिन अपनी सीटें कटने से बचाने का रास्ता भी खोजना होगा।

फिलहाल जो फॉर्मूला बनाने की कोशिश की जा रही है, उसके अनुसार वामपंथी दलों को सीटें तो मिलेंगी लेकिन इसके एवज में कांग्रेस और राजद की सीटें खुद-ब-खुद कट जाएंगी, झामुमो का कोई नुकसान नहीं होगा।

फॉर्मूला के अनुसार पिछले चुनाव में जिस पार्टी ने जहां बेहतर प्रदर्शन किया था और जहां संघर्ष देने में कामयाब हुई थी उन्हें उस

सीट से चुनाव लड़ने का मौका दिया जाएगा। इस फॉर्मूले से वामपंथी दलों को छह-सात सीटें मिलने का रास्ता खुल रहा है। बदले में नुकसान राजद और कांग्रेस का हो रहा है।

पिछले चुनाव को आधार मानकर अगले चुनाव में टिकट की दावेदारी का फॉर्मूला वास्तविकता में कांग्रेस की ही सोच है। इसी आधार पर कांग्रेस ने झामुमो के साथ चुनावी गठबंधन कर अपनी सीटें बढ़ाने में सफलता पाई थी। झामुमो को 31 सीटें देने के लिए सहमत कर लिया था। मसौदा यही बना था कि जहां पार्टी पहले स्थान पर रही हो और जहां दूसरे स्थान पर मजबूती से मुकाबला किया हो वह सीटें उस पार्टी को मिलेंगी।

इस फॉर्मूले का इस्तेमाल किया गया तो राजद बरकट्ठा और छतरपुर जैसी सीटें गंवा देगा। बरकट्ठा राजद के खाते में गई थी लेकिन उन्हें चुनाव में जनता धकेलकर सातवें स्थान पर पहुंचा दिया था। जाहिर सी बात है राजद के खाते से यह सीट कट जाएगी। वामपंथी पार्टियों (माले और मासस) के हिस्से में आसानी से सिंदरी, निरसा, बगोदर और राजधनवार जैसी सीटें आ जाएंगी तो कांग्रेस को कई सीटों से हाथ धोना पड़ेगा जहां पिछले चुनाव में पार्टी की स्थिति बहुत ही नाजुक रही थी। इन सीटों में भवनाथपुर, विश्रामपुर,

सिमरिया, बगोदर और जमशेदपुर जैसी सीटें हैं। इन सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशी तीसरे या चौथे स्थान पर रहे थे तो कहीं जमानत भी गंवा बैठे थे।

इधर बीजेपी ने महिलाओं से फॉर्म भरवाकर हेमंत सरकार को दी चुनौती, उधर प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

रांची, एजेंसी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि गोगो दीदी को लेकर राज्यभर में जबरदस्त उत्साह है। मंगलवार को एयरपोर्ट रोड के पास खोखमा टोली में बाबूलाल मरांडी ने महिलाओं से गोगो दीदी का फार्म भरवाने के बाद ये बातें कहीं।

मरांडी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में इस योजना को स्वीकृति दी जाएगी। राज्य के लोगों को भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बातों पर भरोसा है। जिन लोगों ने फार्म भरा है, उसे कंप्यूटर में लोड किया जा रहा है। उसका दस्तावेज तैयार हो रहा है। राज्य में भाजपा सरकार बनते ही हर महीने की 11 तारीख को 2100 रुपए उनके बैंक खाते में चला जाएगा। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का कार्रवाई करने का आदेश साफ दिखता है कि इस योजना को लेकर उनमें बेचैनी है। एफआइआर सबसे पहले हेमंत सोरेन पर वादाखिलाफी के लिए होना चाहिए, जिन्होंने 2019 के चुनाव घोषणापत्र में कहा था कि गरीबों को 72000 रुपये सालाना देंगे।

उन्होंने आगे कहा कि इसके बाद भी हेमंत

सरकार को एफआइआर करना है तो करें, मैं स्वयं फार्म भराने आया हूं। इस अवसर पर विधायक नवीन जायसवाल, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता और महिलाएं उपस्थित थीं।

रामगढ़ में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा जिला वासियों को गोगो दीदी योजना भ्रामक विज्ञापन से सावधान रहने के लिए सूचना जारी की गई है।इसमें कहा गया है कि रामगढ़ जिला अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों से यह सूचना प्राप्त हो रही है कि कुछ लोगों के द्वारा गोगो दीदी योजना के नाम से 2100 रुपए प्रति महिला को लाभ देने के लिए आवेदन प्रपत्र भरवाया जा रहा है।कहा गया कि वर्तमान में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग रामगढ़ अंतर्गत गोगो दीदी योजना के नाम से कोई भी योजना संचालित नहीं है और न ही जिला प्रशासन द्वारा कोई आदेश जारी किया गया है।

जनता भाजपा को गो गो करके भगाएगी: मंत्री मिथिलेश

गढ़वा, पलामू , एजेंसी। पेयजल मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा है कि भाजपा का मतलब सबसे बड़ा झूठा पार्टी है। भाजपा हमारे झारखंड की आदिवासियों की सरकार को जानबूझकर परेशान कर यहां के लोगों के साथ नाइंसाफी कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 11 लाख राशन उपभोक्ताओं का राशन काट दिया। परंतु झारखंड की हेमंत सरकार ने 20 लाख लोगों को राशन देने का काम किया है। साथ ही नए सत्र में 5 लाख और नए लोगों को राशन देने का प्रावधान किया गया है। मंत्री ठाकुर गढ़वा-रंका विधानसभा क्षेत्र के राजकीयकृत प्लस टू उच्च विद्यालय रंका के मैदान में सोमवार को आयोजित झामुमो कार्यकर्ता सम्मेलन सह मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे।मंत्री ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां योजना के तहत झारखंड के 18 वर्ष से 49 वर्ष आयु की बेटी, बहनों को प्रतिमाह एक हजार रूपये देने की शुरुआत की गई है। इसे रोकने के लिए भाजपा कोर्ट में केस कर गरीबों के विकास योजनाओं को बंद कराना चाहती है।

उन्होंने कहा कि राज्य में पलायन की एक बहुत बड़ी समस्या है, जिसे रोकने के लिए झारखंड सरकार पहल कर रही है। झारखंड सरकार का कार्यकाल 2 वर्षों तक कोरोना काल में बीता। 3 वर्षों में हेमंत सरकार ने इतना कार्य किया है जिसको देखकर विरोधी पार्टी घबरा गए हैं। भाजपा गो गो योजना का लॉलीपॉप दिखलाकर झारखंड से अपने जाने का रास्ता साफ कर रही है। यहां की जनता भाजपा को गो गो करके भगाएगी।

उन्होंने कहा कि यहां के पूर्व के जनप्रतिनिधियों ने केवल जनता को लूटने का काम किया है। मंत्री ने कहा कि पूर्व विधायक सतेंद्र नाथ तिवारी द्वारा मुझे गाली दे दे कर हमारी विकास योजनाओं को गिनाया जा रहा है। जबकि गिरिनाथ भईया दल -बदलू बन के रह गए। कभी राजद, कभी कांग्रेस, कभी बीजेपी और अब बिना पार्टी वाले होकर रह गये। 17 वर्ष तक विधायक रहे, रंका में कुछ नहीं किया। 20 वर्ष तक उनके पिताजी भी विधायक रहे और रंका के लोगों को ठगते रहे।

मौके पर मुख्य रूप से बाल श्रम आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष रंका गढ़ के दिलीप कुमार सिंह सहित एक हजार से अधिक लोगां ने भाजपा, एआईएमआईएम आदि दलों को छोड़कर झामुमो का दामन थाम लिया। मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला व पार्टी का पट्टा पहनाकर झामुमो में शामिल किया। स्थानीय प्लस टू उच्च विद्यालय के मैदान में आयोजित झामुमो कार्यकर्ता सम्मेलन सह मिलन समारोह का उद्घाटन मंत्री श्री ठाकुर ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मौके पर मंत्री का पारंपरिक नृत्य, गीत, बड़ा माला एवं बाजे गाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। मौके पर मुख्य रूप से जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष नितेश कुमार सिंह, झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, रंका प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता, जिला पार्षद उत्तरी संपूर्णानंद तिवारी, राहुल कुमार तिवारी, पप्पू यादव, शंभू प्रसाद गुप्ता, अहमद अली अंसारी, विवेक कुमार सिंह, रंका कला पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि राजेश कुमार मद्धेशिया आदि उपस्थित थे।

एसएसपी ने झरिया के पूजा पंडालों का किया निरीक्षण

धनबाद, एजेंसी। दुर्गा पूजा में सुरक्षा व शांति व्यवस्था को लेकर एसएसपी एचपी जनार्दनन ने ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी के साथ मंगलवार की शाम झरिया के पूजा पंडालों का निरीक्षण किया। झरिया इंदिरा चौक पूजा पंडाल व बस्ताकोला माइंस रेस्क्यू स्टेशन मैदान पंडाल में सुरक्षा का जायजा लिया। उन्होंने पूजा समिति के सदस्यों से मेला व मूर्ति विसर्जन की जानकारी ली। एसएसपी ने पूजा कमेटियों से कहा कि आपातकाल स्थिति में पुलिस को तुरंत सूचना दें। पंडालों व मेले में सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया। इसके बाद जोड़ापोखर थाना क्षेत्र के फूसबंगला व जामाडोबा के पंडालों का निरीक्षण कर पूजा कमेटी के सदस्यों को पूजा व विसर्जन में सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। डीजे नहीं बजाने, मेले में वालंटियर तैनात करने, निर्धारित समय व रूट पर मूर्ति विसर्जन का निर्देश दिया। इस दौरान सिंदरी डीएसपी आशुतोष कुमार, झरिया थानेदार सह इंस्पेक्टर शशिरंजन, इंस्पेक्टर सह थानेदार राजेश प्रकाश सिन्हा, कृष्ण पाठक, दशरथ यादव, काजू राय, भीम कुमार, मनीष पाठक, शुभम साहू आदि थे।

सुभाषितम्

अहंकार मनुष्य का बहुत बड़ा दुश्मन है। वह सोने के हार को भी मिट्टी का बना देता है। - महर्षि वाल्मीकि

हरियाणा की जीत मोदी-शाह के लिए नया बूस्टर डोज

हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम सामने आ गए हैं। हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की स्पष्ट बहुमत से सरकार बनने जा रही है। हरियाणा के नतीजों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को एक नया बूस्टर डोज दिया है। हरियाणा की यह जीत भारतीय जनता पार्टी संगठन की भगदड़ को रोकने के लिए भी एक बूस्टर डोज का काम करेगी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के पहले भारतीय जनता पार्टी में भगदड़ की स्थिति देखने को मिली थी। हरियाणा की इस जीत से भाजपा को महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव में एक नई मजबूती मिलना तय है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव ने भाजपा को ताकतवर बना दिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव का एक असर यह भी पड़ेगा, राज्यों में और केंद्र में भाजपा के जो सहयोगी दल हैं। उन्हें नियंत्रित करके रख पाने में अब प्रधानमंत्री मोदी सफल होंगे। इसकी एक बानगी दिख गई है, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हरियाणा की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी है। हरियाणा के चुनाव परिणाम इंडिया गठबंधन के लिए एक सबक के रूप में भी देखे जा रहे हैं। महाराष्ट्र और झारखंड में इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट एनसीपी शरद पवार झारखंड मुक्ति मोर्चा इत्यादि के साथ इंडिया गठबंधन और कांग्रेस को विशेष सतर्कता बरतने का संदेश दे दिया है। लोकसभा चुनाव के नतीजे के बाद माना जा रहा था, कि भारतीय जनता पार्टी बहुत कमजोर हो गई है। मोदी और शाह को लगातार संगठन के अंदर से चुनौतियां मिलना शुरू हो गई थी। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर भी संघ परिवार ने दबाव बना लिया था। हरियाणा विधानसभा की जीत के बाद एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा संगठन में ताकतवर होकर उभरे हैं। सभी जगह यह माना जा रहा था, हरियाणा के विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार तय है। लेकिन हरियाणा की हारी हुई बाजी को जीतकर एक बार फिर नरेंद्र मोदी ने अपना जादू भाजपा संगठन और संघ परिवार को बता दिया है। इस जादूई करिश्मा के बाद संघ परिवार के लिए भी बहुत आसान नहीं होगा, कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपेक्षा कर सकें। हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम ने देश में एक नया राजनीतिक ध्रुवीकरण तैयार कर दिया है। चुनाव केवल धर्म और जाति के आधार पर नहीं लड़े जा सकते हैं। हरियाणा जैसे राज्य में जाट और गैर जाट का नारा देकर भाजपा ने एक नई रणनीति तैयार की है। इस नतीजे से कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को सबक लेने की जरूरत है। जीत के 1000 कारण बताए जा सकते हैं। हार के भी 1000 कारण बताये जा सकते हैं। लेकिन जो जीता वही सिकंदर होता है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिकंदर के रूप में सामने आए हैं। उनकी जीत के जो कारण बताए जा रहे हैं। वह सही हैं या नहीं इसको लेकर कोई अंतिम तथ्य स्थापित नहीं किया जा सकता है। हां हरियाणा के विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद एक बार फिर चुनाव आयोग, ईवीएम मशीन की बैटरी और चुनाव आयोग की भूमिका एक बार फिर चचाओं में आ गई है। भारत का चुनाव आयोग किस तरह से काम कर रहा है। उस पर कैसे विश्वास किया जा सकता है। इसको लेकर पहले भी कई बार आरोप-प्रत्यारोप लग चुके हैं। पहले कोई भी राजनीतिक दल इस मामले में खुलकर सामने नहीं आया था। एडीआर और स्वयंसेवी संगठन ईवीएम मशीन और चुनाव आयोग की भूमिका पर आंदोलन-प्रदर्शन कर रहे थे। हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद अब कांग्रेस ने चुनाव आयोग को निशाने पर लिया है। चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। चुनाव आयोग किसी की सुनता नहीं है। चुनाव आयोग में की गई शिकायतों पर आयोग चुप्पी साध लेता है। न्यायपालिका में भी सुनवाई नहीं होती है। ऐसी स्थिति में आगे कुछ होगा, इसको लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बहरहाल अभी राजनीति के समीकरण वर्तमान सत्ता के पक्ष में हैं। न्यायपालिका और चुनाव आयोग भी सरकार से प्रभावित है। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है। समरथ को नहीं दोष गुसाईं। अभी समर्थता सत्ता पक्ष के पास में है। सत्ता के शीर्ष पर बैठे हुए व्यक्ति जो करना चाहते हैं, वह कर पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में किसी चमत्कार अथवा न्याय-अन्याय की आशा करना पूर्णरुप से बेमानी है।

चिंतन-मनन

अपूर्णता से पूर्णता की ओर

मनुष्य का बाह्य जीवन वस्तुतः उसके आंतरिक स्वरूप का प्रतिबिम्ब मात्र होता है। जैसे ड्राइवर मोटर की दिशा में मनचाहा बदलाव कर सकता है। उसी प्रकार, जीवन के बाहरी ढर्रे में भारी और आश्चर्यकारी परिवर्तन हो सकता है। वाल्मीकि और अंगुलिमाल जैसे भयंकर डाकू क्षण भर में परिवर्तित होकर इतिहास प्रसिद्ध संत बन गये। गणिका और आम्रपाली जैसी वीरांगनाओं को सती-साध्वी का प्रातः स्मरणीय स्वरूप ग्रहण करते देर न लगी। वामित्र और भतृहरि जैसे विलासी राजा उच्च कोटि के योगी बन गये। नृशंस अशोक बौद्ध धर्म का महान प्रचारक बना। तुलसीदास की कामुकता का भक्ति भावना में परिणत हो जाना प्रसिद्ध है। ऐसे असंख्य चरित्र इतिहास में पढ़े जा सकते हैं। छोटी श्रेणी में छोटे-मोटे आश्चर्यजनक परिवर्तन नित्य ही देखने को मिल सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि जीवन का बाहरी ढर्रा जो चिर प्रयत्न से बना हुआ होता है, विचारों में भावनाओं में परिवर्तन आते ही बदल जाता है। मित्र को शत्रु बनते, शत्रु को मित्र रूप में परिणत होते, दुष्ट को संत बनते, संत को दुष्टता पर उतरते, कंजूस को उदार, उदार को कंजूस, विषयी को तपस्वी, तपस्वी को विषयी बनते देर नहीं लगती। आलसी उद्योगी बनते हैं और उद्योगी आलस्यग्रस्त होकर दिन बिताते हैं। दुगरुणियों में सद्गुण बढ़ते और सद्गुणी में दुगरुण उपजते देर नहीं लगती। इसका एकमात्र कारण इतना ही है कि उनकी विचारधारा बदल गई, भावनाओं में परिवर्तन हो गया। संसार का जो भी भला-बुरा स्वरूप हमें दृष्टिगोचर हो रहा है, समाज में जो कुछ भी शुभ-अशुभ दिखाई पड़ रहा है, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ उत्कृष्ट-निकृष्ट है, उसका मूल कारण उसकी अंतःस्थिति ही होती है।

'चे ग्वेरा' एक विचार एक क्रांति

दिलीप कुमार पाठक

चे ग्वेरा पूरी दुनिया में आज भी लोकप्रिय हैं, चे की लोकप्रियता का आलम यह है कि शायद ही कोई होगा जो उन्हें जानता न हो! अगर उन्हें जानता नहीं होगा तो कहीं न कहीं देखा जरूर होगा. खासकर युवाओं में उनकी लोकप्रियता देखते ही बनती है. हाथ में बड़ा-सा सिगार, बिखरे हुए बाल, सिर पर टोपी, शरीर में वर्दी-- चे ग्वेरा का यह हुलिया युवा क्रांतिकारियों को लुभाता है. जिस तरह से वे जिए और जैसे मरे उसने उन्हें पूरी दुनिया में 'सत्ताविरोधी संघर्ष' का प्रतीक बना दिया है. कुछ लोग दुनिया में बहुत सीमित दिनों के लिए आते हैं, लेकिन अपनी करिश्माई जीवन यात्रा से पूरी दुनिया को रोशन कर जाते हैं... चे ग्वेरा भी उन्हीं क्रांतिकारियों में शुमार हैं, जिनके न होने पर शायद दुनिया अधूरी होती.. चे ग्वेरा के गुजर जाने के कई दशकों बाद भी पूंजीपति वर्ग के लिए खौफ का दूसरा नाम हैं... एक दौर था, जब अमेरिका चे ग्वेरा को अपना दुश्मन मानता था, लेकिन आज चे ग्वेरा अमेरिका सहित दुनिया भर में वामपंथ विचारधारा के लोगों के लिए रोल मॉडल बने हुए हैं.. चे ग्वेरा मरने से पहले अपने बच्चे को क्या हिदायत दे कर गए, उनके शब्दों से समझा जा सकता है, कि वो कितने जियाले इंसान थे। बोलिविया में मारे जाने से पहले उन्होंने 1966 में अपने बच्चों को एक खत लिखा, जब कभी किसी भी समय तुम इस पत्र को पढ़ोगे तो उसका मतलब होगा कि मैं तुम लोगों के पास नहीं हूं. फिर भी तुम्हारा पिता एक ऐसा व्यक्ति था, जिसने सरोकार की विचारधारा से कभी समझोता नहीं किया. जिसने अपने उसूलों पर ज़िन्दगी जिया. मैं मर जाने के बाद भी चाहूँगा कि तुम बड़े होकर क्रांतिकारी बनना. जहां भी अन्याय देखना उसके खिलाफ आवाज बुलंद करना, केवल आवाज ही नहीं... क्रांति की जरूरत पड़े तो वो भी करना उसूलों से समझौता मत करना. क्योंकि यह थोड़ा मुश्किल होता है. मेहनत के साथ पढ़ो और तकनीक पर महारत हासिल करो. शिक्षित होना बहुत आवश्यक है. बिना अधिकारों की समझ के क्रांति नहीं होती. याद रखो सबसे महत्वपूर्ण है क्रांति और उसमें किसी का भी अकेले कोई महत्व नहीं है. दुनिया में जहां भी अन्याय हो रहा हो, उसके खिलाफ पूरी तरह सचेत रहो. कभी भी डरना नहीं, मैंने उन लोगों की भी कब्र देखी हैं, जो कहते थे, हम घर से नहीं निकल सकते कहीं कुछ हो न जाए.. ऐसी सीख अपने बच्चों को लिखकर रख जाने वाले चे ग्वेरा आज क्यूबा, अर्जेंटीना, अमेरिका, भारत सहित पूरी दुनिया में विद्रोहियों के लिए आज भी अपने विचारो के जरिए, अपनी करिश्माई शख्सियत के कारण जिवित हैं।

चे ग्वेरा अनोखे इंसान बहुत शिक्षित पेशे से डॉक्टर थे. चे ग्वेरा चाहते तो अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के कॉलेज में डॉक्टर बनने के बाद आराम की ज़िंदगी बसर कर सकते थे. लेखक भी थे, उनके पास अपना एक दृष्टिकोण था. 33 साल की उम्र में क्यूबा में उद्योग मंत्री बने थे. फिर लातिनी अमरीका में क्रांति का संदेश पहुँचाने के लिए ये पद छोड़ जंगल की ओर निकल गए.. जब कोई महल त्याग कर जंगल की ओर प्रस्थान करता है तो वो या तो बुद्ध बन जाता है, या चे ग्वेरा बन जाता है.. आज एक महान क्रांतिकारी के रूप में याद आते हैं. अमेरिका की बढ़ती ताकत को पचास और साठ के दशक में चुनौती देने वाले अर्नेस्तो चे ग्वेरा अर्जेंटीना में पैदा हुए थे. अर्जेंटीना में पैदा हुए, क्यूबा में मंत्री बने, जैसे गांधी जी महात्मा बनने से पहले अफ्रीका में लोकप्रिय थे. अपने आसपास गरीबी एकाधिकार, पूंजीवाद, उपनिवेशवाद, और शोषण देखकर चे का झुकाव मार्क्सवाद की तरफ हो गया और बहुत जल्द ही इस विचारशील युवक को लगा कि दक्षिणी अमरीकी महाद्वीप की

समस्याओं से निपटने का सबसे कारगर उपाय सशस्त्र आंदोलन ही एकमात्र रास्ता है। हमेशा से ही महान ऐक्टिविस्टों ने यात्रा को अपना कारगर हथियार बनाया है. चे ग्वेरा की ज़िन्दगी में यात्राओं का अहम योगदान रहा है. चे ग्वेरा की असल ज़िन्दगी वहां से शुरू होती है, जब उन्होंने अपने दोस्त, अल्बेर्तो ग्रेनादो के साथ दक्षिण अमेरिका को जानने के लिए तकरीबन दस हजार किलोमीटर की यात्रा की. तब उनकी उम्र 23 साल थी. मोटरसाइकल पर की गई यही यात्रा उनकी ज़िन्दगी का अहम मरहला सिद्ध हुआ. जिसने उन्हें हमेशा के लिए बदल दिया. इस दौरान उन्होंने दक्षिण अमेरिका के लोगों को जिंदा रहने के लिए विषम परिस्थितियों से जूझते हुए देखा. उन्होंने देखा कि कैसे पूंजीवाद ने लोगों को अपने अस्तित्व से अलग कर दिया था. कैसे काम करने वाले मजदूरों का शोषण किया जा रहा था. गरीबी, अशिक्षा, असमानता को देखने के बाद चे ग्वेरा के सामने दुनिया का असल चित्र आया तो उन्हें अपने डॉ. होने पर पछतावा होने लगा था. की भला मैं डॉ. होकर भी लोगों की मदद नहीं कर पा रहा तो फिर मेरा रास्ता दूसरी तरफ जाता है।

ग्वाटेमाला में सरकार के तख्तापलट ने चे के मन में क्रांति की आग और आग लगा दी थी. शुरूआत में वो थोड़ा लाचार थे, क्योंकि वो उतने शक्तिशाली नहीं थे. अंततः उन्होंने मैक्सिको में एक हस्पताल में डॉ. बनकर नौकरी करने लगे थे. तब ही चे ग्वेरा की मुलाकात क्यूबा से निर्वासित नेता फिदेल कास्त्रो और उनके भाई राउल कास्त्रो से हुई. चे ग्वेरा 27 साल के थे . इस मुलाकात ने चे ग्वेरा की ज़िन्दगी किस ओर जा रही है, तय हो चुका था. उन्होंने तय कर लिया था कि अब उनका लक्ष्य क्यूबा की अमेरिका समर्थित तानाशाही सरकार को हटाना है. इसके बाद वे फिदेल कास्त्रो के साथ मिलकर के साथ क्यूबा की क्रांति अगुवाई करने वाले नेता सिद्ध हुए. चे ग्वेरा क्यूबा की क्रांति के नायक फिदेल कास्त्रो के सबसे भरोसेमंद साथियों में से एक थे. फिदेल व चे ग्वेरा ने सिर्फ 100 गोरिल्ला लड़ाकों के साथ मिलकर अमेरिका समर्थित तानाशाह बतिस्ता की सत्ता को सन 1959 में उखाड़ फेंका था. 31 वर्ष की उम्र में चे को फिदेल कास्त्रो ने राष्ट्रीय बैंक का अध्यक्ष और देश का उद्योग मंत्री बना दिया, लेकिन घूमने - फिरने वाले चे ग्वेरा एक जगह रम कैसे सकते थे. स्वभाव से क्रांतिकारी होने के कारण वह दूसरे देशों में जमीनी स्तर पर जाकर पूंजीवाद और साम्राज्यवाद के खिलाफ आंदोलन को और मजबूत करने का काम करने लगे. यही तो उनकी ज़िन्दगी में मकसद था।

चे ग्वेरा ने 1959 में क्यूबा के मंत्री के रूप में भारत की यात्रा पर आए थे, उन्होंने पण्डित जवाहर लाल नेहरू जी से मुलाकात की थी. पण्डित नेहरू जी के प्रति पूरी दुनिया में एक जिज्ञासा थी. चे ग्वेरा पण्डित नेहरू जी से काफी प्रभावित हुए थे. भारत से लौट कर अपने मित्र फिदेल कास्त्रो को एक लिखित सौंपी थी, उसमें उन्होंने लिखाः 'हमें पण्डित नेहरू जी ने बेशकीमती सुझाव दिए... भारत-यात्रा से हमें की ज्ञानवर्धक बातें सीखने को मिलीं. सबसे महत्वपूर्ण बात हमने यह जानी कि एक देश का आर्थिक विकास उसके तकनीकि विकास पर निर्भर करता है और इसके लिए वैज्ञानिक शोध संस्थानों का निर्माण बहुत जरूरी है. मुख्य रूप से मेडिकल, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान और कृषि विज्ञान के क्षेत्र मेंर पण्डित नेहरू जी की यह सीख मुझे बहुत प्रभावित कर रही है. भारत एक राष्ट्र के रूप में उम्दा है, जिसे पहला प्रधानमंत्री पण्डित नेहरू के रूप में मिलार. चे ग्वेरा की बेटी भी भारत की यात्रा पर आती रहीं हैं... उस दौर में भी उनकी बहादुरी, उसूलों के प्रति प्रतिबद्धता पूर्वक जीवन जीने वाले चे ग्वेरा विद्रोहियों एवं उनके साथियों में वो खासे लोकप्रिय होने के साथ ही आदर के पात्र बन गए थे. मूलतः देखा जाए तो चे का मतलब भाई, होता है, यही कारण था कि 'अर्नेस्टो राफेल ग्वेरा डी सेरना' चे ग्वेरा बल्कि उनका नाम चे ही लोकप्रिय हुआ.. चे ग्वेरा आसान ज़िन्दगी जीने के आदी नहीं थे, उनकी ज़िन्दगी में सबसे ज्यादा स्थायी एडवेंचर ही था.. ज़िन्दगी से ज्यादा मोह नहीं, महलों वाली जिंदगी छोड़कर जंगलो में अय्यारी, के साथ पूरी दुनिया में फैली असमानता के खिलाफ लड़ने के जुनून ने उन्हें दुनिया में आज तक पैदा हुए कुछ अमर व्यक्तित्व में शुमार करा दिया. यही कारण था, कई देशों की आजादी में प्रमुख भूमिका निभाने के बाद भी जियाले चे ग्वेरा को चुपचाप आराम करना स्वीकार नहीं था.. जिस चे ग्वेरा की पहिचान उनकी दाढ़ी उनके सिर के बिखरे बाल उनके लिए आर्कषण का केंद्र थे, उन्होंने बोलिविया जाने से पहले ही एक पल में मुड़ा लिया.. ऐसा भी वो ही कर सकते थे. 1966 में चे ग्वेरा बोलिविया पहुंच गए. उनका उद्देश्य गुरिल्ला संगठन खड़ा करना था, उन्होंने कर भी लिया.. वहीं अमेरिका कभी भी चे ग्वेरा की नीतियों को सफल होते नहीं देखना चाहता था, अमेरिका ने पहले से ही वहाँ गुपचुप डेरा डाला हुआ था.. कई लड़ाइयां जीतने वाले चे ग्वेरा बोलिविया में पराजित हो गए.

कुमारी पूजन से खुश हो जाती है मां !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

शारदीय नवरात्र पर मां को खुश करने का फलदायी महत्व है। तभी तो देवी उपवास में कुमारी पूजन को परम आवश्यक माना गया है। तभी तो श्री दुर्गा सप्तशती का विधिपूर्वक पूजन करने के लिए मंत्र

नमो देव्यै महादेव्यै शिवायै सततं नमः।
नमः प्रकृत्यै भद्रायै नियताः प्रणताः स्म ताम्उच्चारित कर

पंचोपचार पूजन करके यथाविधि श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए। सामर्थ्य हो तो नवरात्रि में प्रतिदिन, अन्यथा समाप्ति के दिन नौ कुमारियों के चरण धोकर उन्हें देवी रूप मानकर गंध-पुष्पादि से अर्चन कर श्रद्धा भाव के साथ यथारुचि मिष्ठान भोजन कराना चाहिए एवं वस्त्रादि से उनका सत्कार करना चाहिए। कुमारी पूजन में दस वर्ष तक की कन्याओं का अर्चन विशेष महत्व रखता है। दो वर्ष की कन्या कुमारी, तीन वर्ष की त्रिमूर्तिनी, चार वर्ष की कल्याणी, पांच वर्ष की रोहिणी, छः वर्ष की काली, सात वर्ष की चंडिका, आठ वर्ष की शाम्भवी, नौ वर्ष की दुर्गा और दस वर्ष वाली सुभद्रा स्वरूपा मानी जाती है। दुर्गा पूजा में प्रतिदिन की पूजा का विशेष महत्व है जिसमें प्रथम शैलपुत्री से लेकर नवम? सिद्धिदात्री तक नव दुगाओं की नव शक्तियों का और स्वरूपों का विशेष अर्चन किया जाता है।

दुर्गा सप्तशती की व्याख्या करे तो दुर्गा अर्थात दुर्ग शब्द से दुर्गा बना है, दुर्ग =किला ,स्तंभ , शप्तशती अर्थात सात सौ जिस ग्रन्थ को सात सौ श्लोकों में समाहित किया गया हो उसका नाम शप्तशती है । जो कोई भी इसका पाठ करेगा ह्रमाँ जगदम्बाह्न की उसके ऊपर असीम कृपा होती है ऐसी मान्यता है। इस बारे में एक कथा भी है कि ह्रसुरथ और ह्रसमाधी ह्न नाम के राजा एवं वैश्य का मिलन किसी वन में होता है ,और वे दोनों अपने मन में विचार करते हैं, कि हमलोग राजा एवं सभी संपदाओं से युक्त होते हुए भी अपनों से विरक्त हैं

,किन्तु यहाँ वन में, ऋषि के आश्रम में, सभी जीव प्रसन्नता पूर्वक एकसाथ रहते हैं` यह आश्चर्य लगता है ,कि क्या कारण है ,जो गाय के साथ सिंह भी निवास करता है, और कोई भय नहीं है,जब हमें अपनों ने परित्याग कर दिया, तो फिर अपनों की याद क्यों आती है ? उन्हें ऋषि के द्वारा यह ज्ञात होता है ,कि यह उसी ह्न महामाया ह्न की कृपा है ,जिसे मां दुर्गा के रूप में पूरा संसार जानता है इस पर वे दोनों ह्न दुर्गाह्न की आराधना करते हैं ,और ह्नशप्तशती ह्न के बारहवे अध्याय में आशीर्वाद प्राप्त करते हैं ,और अपने परिवार से उनका मिलन भी हो जाता हैं । दुर्गा सप्तशती पाठ करने से अलग अलग अध्याय का अलग अलग लाभ बताया गया है जैसे प्रथम अध्याय- हर प्रकार की चिंता मिटाने के लिए।

द्वितीय अध्याय- मुकदमा झगडा आदि में विजय पाने के लिए।

तृतीय अध्याय- शत्रु से छुटकारा पाने के लिये।
चतुर्थ अध्याय- भक्ति शक्ति तथा दर्शन के लिये।
पंचम अध्याय- भक्ति शक्ति तथा दर्शन के लिए।
षष्ठम अध्याय- डर, शक, बाधा हटाने के लिये।
सप्तम अध्याय- हर कामना पूर्ण करने के लिये।
अष्टम अध्याय- मिलाप व वशीकरण के लिये।
नवम अध्याय- गुमशुदा की तलाश, हर प्रकार की कामना एवं पुत्र आदि के लिये।
दशम अध्याय- गुमशुदा की तलाश, हर प्रकार की कामना एवं पुत्र आदि के लिये।
एकादश अध्याय- व्यापार व सुख-संपत्ति की प्राप्ति के लिये।
द्वादश अध्याय- मान-सम्मान तथा लाभ प्राप्ति के लिये।
त्रयोदश अध्याय- भक्ति प्राप्ति के लिये लेकिन चिंतन का विषय यह भी है कि इतनी पूजा पाठ के बाद भी आज शायद ही ऐसा कोई धर हो या बस्ती जहां नारी जिसे देवी माना गया है वह स्वयं को पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर सके। जबकि नारी के बिना समाज की कल्पना नही की जा सकती।पुरूष प्रधान कहे जाने वाले इस समाज में नारी देवी के रूप में पुजनीय है। नारी को शक्ति स्वरूपा भी कहा गया है। लेकिन जब नारी को सम्मान देने की बारी आती है तो लोगो का पुरूषोत्व जाग उठता है और नारी फिर भोग्या समझ ली जाती है। हालाकि देश में रानी लक्ष्मीबाई समेत अनेक ऐसी विरांगनाएं हुई हैं, जिन्होंने राष्टभक्ति और बहादुरी का इतिहास रचा तथा नारी को आत्मस्वाभिमान के सिहासंन पर बैठाया। वहीं नारी को ममता की मूरत बताते हुए उसे कोमल हृदय कहा जाता है लेकिन फिर भी नारी का सम्मान और उसका अस्तित्व खतरे में है। नारी को या तो कन्या भ्रूण हत्या के रूप में जन्म लेने से पहले ही समाप्त किया जा रहा है या फिर उसे दहेज की बलिवेदी पर जिंदा जला दिया जाता है। हद तो यह है कि नारी को जन्म लेने से पहले ही मार डालने और अगर जिंदा बच जाए तो विवाह होने पर दहेज के लिए प्रताडित करने में अधिकतर नारियों की भूमिका रहती है। हालांकि कहीं कहीं पुरूष भी पति देवर जेठ व ससुर के रूप में नारी को प्रताडित करने से बाज नहीं आते। सबसे पहले हमें अपने घर, आसपास, गांव शहर जहां भी नारी वजूद में है,उनका सम्मान करना चाहिए ,तभी नवरात्र का आध्यात्मिक व धार्मिक महत्व सार्थक हो सकता है।

सारे एग्जिट पोल की धज्जियाँ उड़ गई

संजय गोस्वामी

हरियाणा में विधानसभा चुनाव में बीजेपी को स्पस्ट महुमत मिला जो सभी एग्जिट पोल की पोल खोल दि है मैंने कहा था बीजेपी सरकार बना सकती है और कांग्रेस 35सीट पर सिमट जायेगी और हुआ भी वही जो सटीक बैठा क्योंकि हरियाणा के बहाव को कुछ लोगों से हुई चर्चा के अनुसार अनुमान था इसमें कुछ सीट बीजेपी की जरु? बढ़ी है लेकिन मैंने कहा था बीजेपी आसानी से सरकार बना लेगी इसके दो कारण है मोदीजी की लोकप्रियता और महिलाओ का साइंलेन्स वोट जो समझ नहीं सके ऐसा नहीं है कि मुस्लिम उन्हें वोट नहीं देते है क्योंकि जब एक टैक्सी से सबारी कर रहा था तो वो मुसलमान अवश्य था लेकिन बीजेपी में रूचि थी और वोट भी दिया क्योंकि वो दंगा में पड़ना नहीं चाहता व उसे अपने व्यवसाय में ठीक लगा और वोट दिया ऐ सिर्फ वहम है सच्चाई ऐ है कि आज कोई भी धर्म व जातपात में उतना ध्यान नहीं देता है अतः देश में जो भी शांति का माहौल देता है वोट मिलता है इसलिए महिलाओ में एक बड़ा वर्ग बीजेपी के साथ है क्योंकि उसकी सुरक्षा अच्छी लगती है और प्रशासन जब ठीक काम करता है और सभी को एक ही नजर से न्याय करता है तो जनता भी समझती है एक आम व्यक्ति जब बोल रहा है कि बीजेपी की सरकार बनेगी तो इतने सारे एग्जिट पोल धराशाही क्यों हो जाते हैं क्योंकि ग्राउंड प? बाद में जाते हैं जब सर्वे करना होता है फिर उसी को प्रोबब्लीटी और स्टेटिक्स से आकड़ा को सॉफ्टवेयर में खुब चमकाते हैं लेकिन जब गुप्त मतदान है तो आप कुछ भी नहीं बता सकते अतः इसे रोकना चाहिए क्योंकि जो आस मिठाई की लगाए बैठे होते है उन्हें मायूसी होती मजा किरकिड़ा हो जाता है और उसमें आपकी ही बदनामी होती है चाहे वो किसी पार्टी का हो आप लोगों से जुड़ने की कोशिश कीजिये और उन्हें अच्छे से जानने की कोशिश करें, तब असली हवा का रुख दिखेगा 100परसेंट कोई सही नहीं बता सकता लेकिन इतना तो जान ही सकते हैं कौन सरकार बना सकता है या उसके करीब है इसी तरह बार बार होता रहा तो लोग एग्जिट पोल देखना बन्द कर देंगे और आपको ही नुकसान हो सकता है इसकी अच्छे से प्लानिंग करें और चुनाव सही मायनों में लोकतंत्र का उत्सव है। चुनाव की तारीखों की घोषणा, नामांकन प्रक्रिया शुरू होने और चुनाव प्रचार शुरू होने का बेसब्री से इंतजार रहता है। चुनाव में मतदान के दिन भी बड़ी घटना बन जाता है। लेकिन भारत में कई लोगों के लिए सबसे ज्यादा इंतजार उस दिन का होता है जब एग्जिट पोल जारी होते हैं। एग्जिट पोल इस बात का अनुमान देते हैं कि चुनाव में लोगों ने किस तरह से मतदान किया। ये पोल मतदाताओं से उनके मतदान के तुरंत बाद किए गए साक्षात्कार के आधार पर निकाले जाते हैं लेकिन उसने सही में किसे वोट दिया है आप कैसे बता सकते हैं। जब तक समय नहीं निकालेंगे तब वहाँ की जनता से जुड़ने के बाद ही कुछ तस्वीर क्लियर नजर आएगी।

आज का राशिफल

मेष आज आर्थिक मामलों में दिन लाभ से भरा होगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होने से आपको खुशी होगी।

वृषभ आपको अचानक कहीं से बड़ी मात्रा में रुपया हाथ लगने से खुशी होगी।

मिथुन आज भाग्य साथ दे रहा है और आपकी योजनाएं सफल होने से मन काफी प्रसन्न रहेगा।

कर्क दिन सफलता से भरा होगा और आपके कारोबार में तरक्की के साथ सफलता के योग बन रहे हैं।

सिंह आज आपकी योजनाएं सफल होने से मन काफी प्रसन्न रहेगा। राजनीतिक क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी।

कन्या आज दिन प्रसन्नता से भरा होगा और आपको रचनात्मक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी।

तुला आज शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं।

वृश्चिक आज आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होने से आपको खुशी होगी।

धनु आज अधिक खर्च वाला रहेगा और आपके लिए सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी।

मकर मामले में लाभ का दिन है और आपके लिए कारोबार के मामले में दिन लाभ से भरा होगा।

कुंभ करियर के मामले में दौड़भाग करनी पड़ सकती है। आपके लिए खर्च की स्थिति अधिक रहेगी।

मीन आपको किसी काम से यात्रा भी हो सकती है। बिजनस में बढ़ती प्रॉग्रेस से खुशी होगी।

राजकाज

जम्मू-कश्मीर पर सवाल केंद्र पर क्यों नहीं

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव परिणाम के साथ ही नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की गठबंधन सरकार बनना तय है। ऐसे में अपनी हार की खीज मिटाते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता कविंदर गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस को अपनी मोहब्बत की दुकान पर शटर लगा देना चाहिए। कांग्रेस के एक प्रत्याशी ने राजौरी में कुछ हजार वोटों से जीत हासिल की। कांग्रेस बस एनसी के कंधे पर चलने वाली पार्टी बनकर रह गई है। इनके दिग्गज नेताओं की चुनाव में बुरी हालत देखने को मिली है। इस बयान पर यह सवाल उठना लाजमी है कि जब केंद्र में एनडीए गठबंधन की सरकार चल रही है तो फिर जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए इस तरह की बात करके क्या भाजपा नेता अपने ही शीर्ष नेतृत्व पर कीचड़ उछालने जैसा काम नहीं कर रहे हैं।

मतदाता ने आईना आखिर किसे दिखाया

हरियाणा विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय जनता पार्टी ने 90 में से 48 सीटें हासिल कर ली हैं। इसे कामयाबी बताते हुए उत्तर प्रदेश सरकार में पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर जहां खुशी जाहिर करते हैं तो वहीं वो कह रहे हैं कि जनादेश स्पष्ट है। हरियाणा के मुख्यमंत्री के कामों पर जनता ने विश्वास जताया है, और पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों में, चाहे वह दवा हो, राशन हो या कानून व्यवस्था, सब पर जनता ने विश्वास जताया है। जनता हमेशा उसी को पसंद करती है, जो बेहतर काम करता है। यह सब तो ठीक है, लेकिन कांग्रेस समेत तमाम विरोधी दल तो यही कह रहे हैं कि जनता जिसे आईना दिखाना चाह रही थी परिणाम ठीक उसके विपरीत आए हैं, मतलब आरोप-प्रत्यारोप का दौर जो अब शुरू हुआ है वह आगे भी चलने वाला है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1733 फ्रांस ने रोम के खिलाफ जंग का ऐलान किया था। 1756 क्लाइव राईस कोलकाता पर पुनः कब्जे के लिए नौ सौ यूरोपीय व पंद्रह सौ भारतीय सैनिकों के साथ रवाना हुए। 1842 दूसरे अफगान युद्ध की समाप्ति पर ब्रिटेन ने जीत का दावा किया। 1938 नाजी जर्मनी ने सुदेतनलैंड चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा किया। 1963 इटली में एक बांध टूटने से 8 लोग मारे गए। 1967 क्यूबा के क्रांतिकारी चेग्वेवारा बोलीविया में मारे गए। 1970 दो नकाबपोश व्यक्तियों ने क्यूबेक कनाडा के श्रममंत्री पियरेलापोर्ट का अपहरण कर लिया। 1977 फ्लोरिडा में तूफान से दो सौ से अधिक लोग मारे गए। 1976 थाईलैंड में सैनिक क्रांति के बाद हजारों वामपंथी छात्र बुद्धिजीवी और प्रोफेसर देश छोड़कर भाग गए या भूमिगत हो गए। 1977 सोवियत संघ के दो अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष केंद्र से यान जोड़ने में असफल होने पर धरती पर लौटने को कहा गया।

दैनिक पंचांग

10 अक्टूबर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

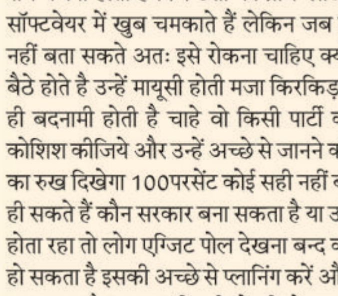

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.29 बजे से
चंद्र	धनु में	वृश्चिक	08.44 ब.से
मंगल	मिथुन में	धनु	11.00 बजे से
बुध	कन्य में	मकर	13.05 बजे से
गुरु	वृष में	कुंभ	14.52 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.25 बजे से
शनि	कुंभ में	मेष	17.55 बजे से
राहु	मीन में	वृष	19.35 बजे से
केतु	कन्या में	मिथुन	21.33 बजे से
		कर्क	23.47 बजे से
		सिंह	02.03 बजे से
		कन्या	04.15 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2024 वर्ष का 284 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल **तिथि** सप्तमी 12.32 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाषाढ़ा 05.41 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** अतिगण्ड 04.37 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** वणिज 12.32 बजे तदनन्तर विष्टि 00.25 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 07.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 06° 45' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872128 **जूलियन दिन** 2460593.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 06 **विशेष** सरस्वती पूजा, नवपत्रिका पूजा, विश्व मानसिक स्वास्थ्य एवं दृष्टि दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

10वीं के बाद करें ज्वेलरी डिजाइनिंग का कोर्स, कमाई के मिलेंगे बेहतर अवसर

10वीं के बाद ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स कर छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को नई उड़ान दे सकते हैं। हालांकि इस कोर्स को करने के लिए क्रिएटिविटी का होना काफी जरूरी है। बता दें कि एक ज्वैलरी डिजाइनर का मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल और पैटर्न को अच्छे से सेट करना होता है।

समय के साथ ही अब लोग अलग-अलग क्षेत्रों में अपना कॅरियर बना रहे हैं। आए दिन नए-नए कोर्स आ रहे हैं। जिससे कि युवा पीढ़ी इन कोर्स को कर अपने फ्यूचर को नई दिशा दे सके। बता दें कि इन कोर्सेज में एक कोर्स ज्वैलरी डिजाइनिंग का भी है। ज्वैलरी डिजाइनिंग का कोर्स कर छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को नई उड़ान दे सकते हैं। हालांकि इस कोर्स को करने के लिए क्रिएटिविटी का होना काफी जरूरी है। इस क्षेत्र में काम करने के लिए आपको काम के प्रति लगाव और नया करने की सोच लानी होगी।

इस फील्ड में विभिन्न प्रकार के स्टोन्स और मेटल्स की जानकारी और अच्छी डिजाइनिंग सेंस का होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सक्सेजफुल होने के लिए कल्पनाशीलता के साथ-साथ आपका मार्केट रिसर्च वर्क भी बेहतर होना जरूरी होता है। बता दें कि एक ज्वैलरी डिजाइनर का मुख्य काम ज्वैलरी के स्टाइल और पैटर्न को अच्छे से सेट करना होता है। इस काम के लिए ऑटो कैड, 3डी स्टूडियो, फोटोशॉप, इलस्ट्रेटर और कोरल ड्रा जैसे सॉफ्टवेयर की मदद लेनी होती है। इस फील्ड में कॅरियर बनाने के लिए छात्रों को दसवीं पास होना अनिवार्य है।

सर्टिफिकेट कोर्स

- बेसिक ज्वैलरी डिजाइन
- कैड फॉर जेम्स एंड ज्वैलरी
- बीएससी कोर्स
- बीएससी इन ज्वैलरी डिजाइन
- बैचलर ऑफ ज्वैलरी डिजाइन
- बैचलर ऑफ एक्सेसरीज डिजाइन

डिप्लोमा कोर्स

- डिप्लोमा इन ज्वैलरी डिजाइन एंड जेमोलॉजी
- ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग

यहां से करें कोर्स

- जेमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई
- जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर
- इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली
- जैम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर

न्यू स्किल्स को सीखने में मदद करेंगे ये टिप्स एंड ट्रिक्स

जिन्दगी में हर व्यक्ति हमेशा आगे ही बढ़ना चाहता है और तरक्की के पथ पर हरदम अग्रसर होने का एकमात्र माध्यम है कि आप हमेशा कुछ ना कुछ नया सीखते रहें। न्यू स्किल्स आपको एक बेहतर इंसान बनाने में मदद करते हैं। साथ ही पर्सनली व प्रोफेशनली लेवल पर भी फायदा पहुंचाते हैं। हालांकि, ऐसे कई लोग होते हैं जो तरक्की तो पाना चाहते हैं, लेकिन न्यू स्किल्स को सीखने में उन्हें समस्या होती है, जिसके कारण वह या तो उसे शुरू ही नहीं करते या फिर बीच में छोड़ देते हैं।

इससे उन्हें काफी निराशा भी होती है, क्योंकि उनकी जिन्दगी हमेशा की तरह एक ही ढर्रे पर चलती रहती है। हो सकता है कि आप भी न्यू स्किल्स को सीखकर अपनी जिन्दगी में सफलता की नई उंचाईयों को छूना चाहते हों, लेकिन आपको इसमें समस्या हो रही हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपको न्यू स्किल्स सीखने में आपकी मदद करेंगे

चुनें सही स्किल

जब बात न्यू स्किल्स को सीखने की होती है तो आपके पास यकीनन पूरा आसमान है। ऑनलाइन से लेकर ऑफलाइन दुनिया में आपके पास न्यू स्किल्स को सीखने की कोई कमी नहीं है। हालांकि, यह देखने में आता है कि हम दूसरों की अचीवमेंट से इंप्रेस होकर उन्हीं स्किल्स को सीखना शुरू कर देते हैं। लेकिन हो सकता है कि वह फील्ड आपके लिए हो ही नहीं। इसलिए जब आप न्यू स्किल्स को सीख रहे हैं तो सबसे पहले अपनी हॉबीज पर फोकस करें या फिर अपनी प्रोफेशनल लाइफ से मिलते-जुलते किसी स्किल को सीखने का प्रयास करें। इसमें आपको सीखने में मजा भी आएगा और यह अपेक्षाकृत आसान भी होगा, क्योंकि आप पहले से ही इससे कहीं ना कहीं वाकिफ होंगे।

समय नहीं बनेगी बाधा

अधिकतर जब लोग न्यू स्किल्स सीखना शुरू करते हैं तो वह उसे बीच में ही छोड़ देते हैं और उनका एक ही जवाब होता है कि वह इतना समय ही नहीं निकाल पाते हैं। वास्तव में समस्या समय की कमी नहीं है, बल्कि उसे सही तरह से मैनेज करने की है। अगर आप सच में कुछ नया सीखना चाहते हैं तो सबसे पहले टाइम मैनेजमेंट करें। आप एक समय को सुनिश्चित करें, जिसे आप पूरी तरह से इसके लिए ही डेडीकेट करेंगे। याद रखें कि आपको अधिक समय देने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि अपने काम को लेकर रेग्युलर होने की जरूरत है।

छोटे गोल्स बिग अचीवमेंट

अगर आप सच में न्यू स्किल्स को बेहतर तरीके से सीखनाचाहते हैं तो इसके लिए स्टेप बॉय स्टेप चलने का प्रयास करें, क्योंकि यह आपको मोटिवेट करने में भी मदद करता है। जब आप न्यू स्किल्स सीख रहे हैं तो उसमें एकदम से एक्सपर्ट होने की कोशिश ना करें। बल्कि आप अपने लिए कुछ छोटे गोल्स सेट करें। जब गोल्स शुरूआत में छोटे होंगे तो उन्हें अचीव करना भी आसान होगा। इस तरह आप खुद को प्रोग्रेस करते देखेंगे और आपके मन में हमेशा एक उत्साह व सकारात्मकता बनी रहेगी।

खुद का करें आकलन

जब भी आप न्यू स्किल्स सीखते हैं और आपको उसे सीखने व समझने में कठिनाई होती है तो अधिकतर लोग झुंझलाकर उसे छोड़ देते हैं। लेकिन अगर आप उसे वास्तव में सीखना चाहते हैं तो खुद का आकलन करने की आदत भी डालें। मसलन, अगर आपको समस्या हो रही है तो यह समझने का प्रयास करें कि ऐसा क्या है, जिससे आपको कठिनाई हो रही है। जब आप ऑब्सटेकल्स के बारे में जान जाएंगे तो उन्हें दूर करने का तरीका भी मिल ही जाएगा। इसलिए समाधान से पहले समस्या को जानना आवश्यक है।

एक समय में एक ही स्किल

कई बार ऐसा भी होता है कि लोग एक ही समय में कई नई चीजें सीखना शुरू कर देते हैं। यह सुनने में भले ही काफी अट्रैक्टिव लगे, लेकिन वास्तव में समस्या की जड़ बन जाता है। दरअसल, हर नई चीज समय मांगती है। साथ ही साथ सिर्फ सीख लेने से कुछ नहीं होता, बल्कि आपको उसकी प्रैक्टिस भी करनी होती है। ऐसे में अगर आप कई स्किल्स को एक साथ सीखते हैं तो आप वास्तव में किसी भी स्किल को बेहतर तरीके से नहीं समझ व सीख पाते हैं। इसलिए, अगर आप खुद को किसी न्यू स्किल में निपुण बनाना चाहते हैं तो एक समय में केवल एक ही स्किल पर फोकस करें।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट का कोर्स कर कॅरियर को दें नई उड़ान

हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इस कोर्स को करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना जरूरी है।

कोरोना महामारी के बाद हेल्थ सेक्टर में कई बड़े बदलाव हुए हैं। साथ ही कॅरियर के तौर पर भी कई ऑप्शन सामने आए हैं। बता दें कि पहले नर्सिंग और एमबीबीएस कर मेडिकल सेक्टर में कॅरियर बनाया जा सकता था। लेकिन अब इस सेक्टर में मेडिकल की डिग्री के बिना भी आप अपना कॅरियर बना सकते हैं। इन्हीं में से एक कॅरियर ऑप्शन हॉस्पिटल मैनेजमेंट का है। हॉस्पिटल मैनेजमेंट को हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन और हेल्थ एडमिनिस्ट्रेशन के तौर पर भी जाना जाता है। इस सेक्टर से जुड़े लोगों के अनुसार, स्वास्थ्य संबंधित सेवाओं के विस्तार के अलावा हॉस्पिटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भी काम बढ़ रहा है। आइए जानते हैं आप कैसे इस सेक्टर में अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

जानिए क्या है हॉस्पिटल मैनेजमेंट

हॉस्पिटल मैनेजमेंट हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के क्षेत्र में आता है। इसका काम हॉस्पिटल में सभी व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से चलवाना है। इसके अलावा इसका काम यह सुनिश्चित करना है कि हॉस्पिटल आने वाले मरीजों और वहां काम करने वाले कर्मचारियों को किसी तरह की कोई समस्या ना हो। हॉस्पिटल मैनेजमेंट टीम इन व्यवस्थाओं को सुनियोजित करने का काम भी करती है।

अहम है यह फील्ड

हॉस्पिटल मैनेजमेंट के तहत हॉस्पिटल में चलने वाली कैंटीन से लेकर लिफ्ट तक का कार्यभार ही आता है। किसी भी संचालन में कमी और अस्पताल में होने वाले हादसों की जिम्मेदारी भी हॉस्पिटल मैनेजमेंट की होती है। एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल 2025 तक 10 लाख से ज्यादा हॉस्पिटल मैनेजर्स की जरूरत होगी।

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

कई संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट में बैचलर की डिग्री देते हैं। यह कोर्स 3 साल का होता है। इसके अलावा आप इसमें प्रोफेशनल कोर्स में मास्टर्स डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में हॉस्पिटल मैनेजमेंट के कोर्स में एमबीए वालों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं प्राइवेट संस्थान हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स डिप्लोमा सर्टिफिकेट भी देते हैं।

क्वालिफिकेशन

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के लिए स्टूडेंट का 12वीं कक्षा साइंस स्ट्रीम के साथ पास होना आवश्यक होता है। यह कोर्स करने के लिए छात्र के 12वीं में बायोलॉजी में न्यूनतम 50% अंक होने जरूरी है। कुछ शैक्षणिक संस्थान इंटरव्यू और टेस्ट के आधार पर भी इस कोर्स में दाखिला देते हैं।

सैलरी

हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स करने के बाद उम्मीदवार 40 से 50 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने का मौका मिलता है। इसके अलावा सरकारी संस्थान में एक से डेढ़ लाख रूपए महीने की सैलरी उठा सकते हैं। समय और अनुभव बढ़ने के साथ ही सैलरी में भी बढ़ोतरी होती जाएगी।

यहां से करें हॉस्पिटल मैनेजमेंट कोर्स

- अपोलो इंस्टिट्यूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड मैनेजमेंट, कोलकाता
- आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल कॉलेज, पुणे
- देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
- एम्स, नई दिल्ली

डेटा साइंटिस्ट फील्ड में बनाना चाहते हैं कॅरियर तो यहां देखें डिटेल्स

डेटा साइंस शब्द से अक्सर आप रूबरू होते होंगे। जाहिर सी बात है लोगों के दिमाग में डेटा साइंस को लेकर कई सवाल भी रहते होंगे। वहीं कुछ लोग इन सवालों का जवाब पाने के लिए इंटरनेट का सहारा भी लेते हैं। अगर आप भी डेटा साइंट के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल करना चाहते हैं तो फिर यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि इस आर्टिकल के जरिए हम आपको डेटा साइंस से जुड़े सभी सवालों के जवाब देने की कोशिश करेंगे। आपको बता दें कि जैसे-जैसे देश-दुनिया में डेटा का महत्व बढ़ रहा है। उसी तेजी के साथ डेटा साइंटिस्ट, डेटा एनालिटिक्स जैसे जॉब के अवसर भी सामने आ रहे हैं। बता दें कि बताया जा रहा है कि आने वाले 10-15 सालों में इस कोर्स का स्कोप काफी ज्यादा होगा। इस सेक्टर में नौकरियों की भरमार होने वाली है। ऐसे में अगर आपको लैपटॉप और कंप्यूटर की अच्छी खासी जानकारी है। तो डेटा साइंस से जुड़ा कोई भी कोर्स आपके लिए है। इस फील्ड में आप अपना शानदार कॅरियर बना सकते हैं।

इन्फॉरमेशन टेक्नोलॉजी के बढ़ते इस दौर में डेटा का महत्व काफी बढ़ गया है। ऐसे में डेटा साइंस एक उभरती हुई फील्ड है। वहीं इससे जुड़े कोर्सेज में एडमिशन लेने और पढ़ाई करने की दौड़ भी तेज हो गई है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि 12वीं के बाद डेटा साइंस की पढ़ाई के लिए कौन से कोर्सेज में दाखिला लिया जा सकता है। साथ ही यह भी जानेंगे कि इसमें कॅरियर की क्या संभावनाएं हैं। 12वीं के बाद छात्रों के सामने कई ऑप्शन हैं। 12वीं के बाद इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए BTech, Bsc और BCA जैसे कोर्सेज किये जा सकते हैं। BTech- Data Science का कोर्स चार साल का होता है। इसे आप रेगुलर मोड में भी किया जा सकता है। इस कोर्स में स्टूडेंट्स को डेटा से जुड़े टूल्स और टेक्निक्स सिखाये जाते हैं। जिसकी मदद से डेटा का इस्तेमाल किया जा सकता है। इस कोर्स में यह भी बताया जाता है कि उस डेटा को कैसे काम में लाया जाता है। साथ ही इंजीनियरिंग फिजिक्स से लेकर अलग-अलग थ्योरीज को पढ़ाया जाता है। BTech करने के लिए PCM के साल 12वीं में 50% अंक होना अनिवार्य है। हांलाकि कई अच्छे कॉलेजों में PCM के साथ 60% अंक मांगते हैं। लेकिन अगर आप IIT जैसे संस्थान में दाखिला लेना चाहते हैं तो आपको BTech करने के लिए 75% नंबर होना जरूरी है।

BSc-Data Science

यह डिग्री कोर्स तीन साल का है। इसमें कई तरह के डोमेन होते हैं। जैसे- बिजनेस एनॉलिटिक्स, कंप्यूटर साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आदि। इस कोर्स में छात्रों को बिजनेस और कंप्यूटर के साथ AI के बारे में भी बताया जाता है। डेटा साइंस में बिग डेटा एनॉलिटिक्स, मशीन लर्निंग और स्टैटिस्टिक्स जैसे कई कॉन्सेप्ट्स पढ़ाए जाते हैं। जिनके इस्तेमाल से आम लोगों से जुड़ी समस्याओं को हल किया जाता है। डेटा साइंस में BSc करने के लिए छात्रों के 12वीं में 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है। इस कोर्स को करने से लिए 12वीं में साइंस स्ट्रीम का होना जरूरी है। अन्य स्ट्रीम वाले स्टूडेंट्स को भी कुछ कॉलेज एडमिशन देते हैं। यहां पर कॅरियर ऑप्शन की कमी नहीं है। बैंकिंग जैसे क्षेत्र में डेटा साइंटिस्ट, प्रोसेस एनॉलिस्ट, बिजनेस, हेल्थकेयर और बिजनेस एनालिस्ट की नौकरियां उपलब्ध हैं।

BCA

BCA भी तीन साल का अंडरग्रेजुएट कोर्स है। इस कोर्स में कंप्यूटर और मैथमैटिकल साइंस से जुड़ा करिकुलम छात्रों को पढ़ाया जाता है। आज की तेजी से बदलती IT इंडस्ट्री को ध्यान में रख कर ये कोर्स बनाया गया है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा साइंस से जुड़े कॉन्सेप्ट्स को और उनके एप्लिकेशन को समझाने पर जोर दिया जाता है। इस कोर्स में दाखिला लेने के लिए स्टूडेंट्स के 12वीं में 50 फीसदी अंक होने जरूरी हैं। इस कोर्स में साइंस स्ट्रीम वाले छात्रों को भी सुविधा दी जाती है। छात्रों को कॅरियर बनाने के लिए अनेक मौके यहां पर उपलब्ध हैं। विप्रो और अमेजॉन जैसी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों में डेटा इंजीनियर, डेटा आर्किटेक्ट और डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर के पदों पर काम करने का मौका मिलता है।

डिप्लोमा इन डेटा साइंस

डेटा साइंस में डिप्लोमा दो साल का हो सकता है। इसमें स्टूडेंट्स को डेटा एनॉलिटिक्स और डेटा साइंस में ट्रेंड किया जाता है। बता दें कि डिग्री के मुकाबले डिप्लोमा कोर्स में कम खर्च होता है। इस कोर्स को करने से कम समय में ज्यादा स्किल्स सीखने का मौका मिलता है। 12वीं के बाद छात्र यूजी के बाद भी डिप्लोमा कर सकते हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के बाद बिजनेस इंटेलीजेंस एनॉलिस्ट, रिसर्च एनॉलिटिक्स और एनॉलिटिक्स मैनेजर जैसे पदों पर काम करने के मौके हैं।

सर्टिफिकेट कोर्स

तकनीक के बढ़ते ब्यूग में ऑनलाइन कोर्सेज की काफी भरमार है। दुनिया की कई बड़ी कम्पनियां ऐसे कोर्सेज को लेकर आ रही हैं। इसी लिस्ट में डेटा साइंस का सर्टिफिकेट कोर्स भी शामिल है। इस ऑनलाइन कोर्स कराने वाली कोर्सएरा, उडेमी जैसी कंपनियां इस कोर्स को करवाती हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्रों को कंप्यूटर साइंस और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज का आना अनिवार्य नहीं है। इस कोर्स में छात्रों को डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग और डेटा विजुअलाइजेशन जैसे कॉन्सेप्ट्स पढ़ाये जाते हैं।

देशभर में 10 नए हॉस्पिटल खोलेगा ईएसआईसी

ईएसआईसी मेंबर्स को मिलेगी आयुष्मान भारत की सुविधा ▶▶ अस्पतालों में इलाज के लिए खर्च की कोई सीमा नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों को ईएसआईसी की सुविधा मिलती है। यह एक हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम है जिसमें कम आय वाले कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को मेडिकल केयर दी जाती है। इस योजना के तहत ईएसआई डिस्पेंसरी या हॉस्पिटल में मुफ्त इलाज की सुविधा है। लेकिन कर्मचारियों की संख्या के हिसाब से देश में ईएसआई के हॉस्पिटल नहीं हैं। सरकार ने अब ईएसआईसी के लाभार्थियों को पूरे देश में आयुष्मान भारत के तहत इलाज की सुविधा देने का फैसला किया है।

श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को बताया कि ईएसआईसी लाभार्थियों को पूरे देश में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के पैनल वाले अस्पतालों में इलाज की सुविधा देने का फैसला किया गया है।

ईएसआईसी के इंश्योर्ड लोगों के आयुष्मान योजना के अस्पतालों में इलाज के लिए खर्च की कोई सीमा नहीं होगी। मांडविया ने बताया कि एंप्लॉयीज स्टेट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन के तहत 10 नए मेडिकल कॉलेज भी खोले जाएंगे। ये कॉलेज दिल्ली के बसई दारापुर, मुंबई में अंधेरी, यूपी में नोएडा और वाराणसी के अलावा रांची, गुवाहाटी, इंदौर, जयपुर, लुधियाना और गुजरात के नरोदा-बापूनगर में खोले जाएंगे।

बेरोजगारी भत्ता

इसके अलावा अटल बीमित व्यक्ति कल्याण योजना की अवधि बढ़ाकर 30 जून 2026 तक करने का फैसला भी किया गया। यह योजना जुलाई 2018 में दो साल के लिए पायलट बेसिस पर शुरू की गई थी। इसका मकसद बीमित व्यक्ति के बेरोजगार होने की सूरत में उसे अनएम्प्लॉयमेंट अलाउंस के रूप में सपोर्ट देने के लिए शुरू की गई थी। बाद में इसकी अवधि बढ़ाकर 30 जून 2024 तक कर दिया गया था।

रिक्रूटिंग एजेंसियों की निगरानी बढ़ाने पर चर्चा

रोजगार के आंकड़ों के बारे में मंगलवार को श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। विदेश मंत्रालय और नीति आयोग के अधिकारियों के साथ इस बैठक में विदेश में रोजगार और देश में जॉब के मौकों के लिए तालमेल बेहतर करने और आंकड़ों में एकरूपता लाने पर विचार-विमर्श किया गया। इसमें रिक्रूटिंग एजेंसियों की निगरानी बढ़ाने पर भी चर्चा की गई।

पावर कंपनी को मिला 2000 एमडब्ल्यू का बड़ा कॉन्ट्रैक्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। पावर कंपनी टोरेंट पावर के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। टोरेंट पावर के शेयर बुधवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 9 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 1983.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर 52 हफ्ते की नई ऊंचाई पर जा पहुंचे हैं। पावर कंपनी ने अनाउंस किया है कि उसे महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड से एक बड़ा कॉन्ट्रैक्ट मिला है। टोरेंट पावर के शेयरों में पिछले एक साल में 170 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। टोरेंट पावर को अपने आगामी एलएच एसटीएस कनेक्टेड पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज प्लांट से 2000 मेगावॉट एनर्जी स्टोरेज कैपेसिटी की लॉन्ग टर्म सप्लाई का लेटर ऑफ अवॉर्ड मिला है। हालिया डिवेलपमेंट महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के पिछले लेटर ऑफ इंटेंट के बाद आया है, जो कि 1500 मेगावॉट का है और यह 17 सितंबर 2024 को इश्यू हुआ है। अब उसी टेंडर के तहत एडिशनल 500 मेगावॉट का अलॉटमेंट हुआ है, जिससे टोरेंट पावर का टोटल स्टोरेज कैपेसिटी अलोकेशन 2000 मेगावॉट हो गया है। पावर कंपनी टोरेंट पावर के शेयरों में पिछले एक साल में 170 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। पावर कंपनी के शेयर 9 अक्टूबर 2023 को 724.65 रुपये पर थे। टोरेंट पावर के शेयर 9 अक्टूबर 2024 को 1983.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं। वहीं, इस साल अब तक टोरेंट पावर के शेयरों में 110 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। कंपनी के शेयर इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को 942.25 रुपये पर थे। पावर कंपनी के शेयर 9 अक्टूबर 2024 को 1980 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 692 रुपये है। पावर कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 1983.70 रुपये है।

रेल कंपनी ने की बड़ी डील, यूएई में काम करने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। रेल कंपनी राइट्स लिमिटेड के शेयरों में बुलेट ट्रेन सी तेजी आई है। राइट्स लिमिटेड के शेयर बुधवार को 7 पर्सेंट से अधिक उछलकर 324.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार को 300.60 रुपये पर बंद हुए थे। राइट्स लिमिटेड ने यूएई में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर वर्क्स के लिए एतिहाद रेल के साथ एक समझौते पर दस्तखत किए हैं। राइट्स लिमिटेड ने हाल ही में अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर का तोहफा दिया है। एतिहाद रेल, यूएई नेशनल रेल नेटवर्क की डिवेलपर और ऑपरेटर है। राइट्स लिमिटेड ने कहा है कि यह समझौता यूएई और व्यापक क्षेत्र में रेलवे और इससे संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर को डिवेलप करने में आपसी सहयोग को एक्सप्लोर करने के लिए है। एतिहाद रेल के सीईओ शादी मालक और राइट्स लिमिटेड के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल मित्तल ने ग्लोबल रेल ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर एग्जिबिशन एंड कॉन्फ्रेंस के दौरान इस समझौते पर दस्तखत किए हैं। राइट्स लिमिटेड के शेयरों में पिछले एक साल में 38 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। राइट्स लिमिटेड के शेयर 9 अक्टूबर 2023 को 235.25 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 9 अक्टूबर को 324.70 रुपये पर जा पहुंचे हैं। राइट्स लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 413.08 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 216.32 रुपये है। राइट्स लिमिटेड पिछले 5 साल में अपने शेयरहोल्डर्स को 2 बार बोनस शेयर दे चुकी है। कंपनी ने अगस्त 2019 में अपने निवेशकों को 1:4 के रेशियो में बोनस शेयर दिया था। यानी, कंपनी ने हर 4 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटा। कंपनी ने हाल में सितंबर 2024 में 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए हैं।

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में उछाल दिखा

इससे पहले हर्ष गोयनका ने एक्स प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया था

इसमें एक फोटो भी डाला गया था, जिसमें वह ओला स्कूटर पर सवार दिखे थे

नई दिल्ली, एजेंसी। इन दिनों सोशल मीडिया बड़ा महत्वपूर्ण हो गया है। यह मशहूर उद्योगपतियों के लिए भी अपने प्रशंसकों से जुड़ने का एक सशक्त मंच बन गया है। यह कभी-कभी व्यक्तिगत झगड़ों के लिए युद्ध के मैदान में भी बदल जाता है। पिछले दिनों एक्स पर ओला के फाउंडर भाविश अग्रवाल और स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा के बीच गरमागरम बहस हुई थी। इस ऑनलाइन टकराव ने अरबपति उद्योगपति हर्ष गोयनका को भी आकर्षित किया है। उन्होंने ओला के संस्थापक और सीईओ को टैग करते हुए एक विशेष कामरा पोस्ट साझा किया। अरबपति उद्योगपति ने इस मसले पर एक्स पर लिखा अगर मुझे नज़दीकी दूरी तय करनी होती है, मेरा मतलब है एक कामरा से दूसरे कामरा तक, तो मैं अपने ओला (भावीश अग्रवाल) का उपयोग करता हूं,। साथ ही एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह ओला ई-स्कूटर पर दिख रहे हैं।

यूजर्स ने दिया मजेदार कमेंट

गोयनका के इस पोस्ट पर ढेरों कमेंट मिल रहे हैं। एक यूजर ने लिखा सर, मैं भी ट्रेवल किया करता था। लेकिन मेरा तो भविश-य ही खराब हो गया। एक अन्य व्यक्ति ने लिखा सिर्फ कमरा से कमरा तक ही क्यों एक अन्य यूजर लिखते हैं कि इस ट्वीट से आपको ढेरों माइलेज मिल जाएगा लेकिन स्कूटर में पर्फेक्ट टायर लगाना नहीं भूलें।

ओला के साथ कामरा का टकराव तब शुरू हुआ जब उन्होंने एक ओला डीलरशिप की तस्वीर के साथ एक पोस्ट साझा की। इसमें बाहर खड़ी कई ओला स्कूटर धूल खा रही थीं। कामरा की पोस्ट आगे बढ़ गई, जब उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को टैग करते हुए पूछा, क्या इस तरह से भारतीय ईवी का उपयोग करेंगे

अग्रवाल ने क्या कहा

इसके जवाब में, अग्रवाल ने कामरा पर पेड ट्वीट करने का आरोप लगाया। साथ उन्हें चुनौती दीः चूंकि आप कुनालकमरा88 की इतनी परवाह करते हैं, तो आइए हमारी मदद करें! मैं इस ट्वीट या आपके असफल कॉमेडी करियर से जितना कमाते हैं, उससे ज़्यादा पैसे दूंगा। भाविश अग्रवाल ने कामरा से चुप रहने और कंपनी को वास्तविक ग्राहकों के लिए मुद्दों को हल करने पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया, और जोर देकर कहा, हम अपने सेवा नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर रहे हैं और जल्द ही बैकलॉग को पूरा करेंगे।

सीपीपीए ने थमा दिया है नोटिस

ओला इलेक्ट्रिक के ई-स्कूटर के खिलाफ लोगों के बढ़ते गुस्से को देखते हुए केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने कंपनी को नोटिस थमा दिया है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में बताया था, केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने उपभोक्ता अधिकारों के कथित उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापन और अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सीसीपीए की तरफ से कंपनी को कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिनों का वक्त मिला है। मीडिया में इस तरह की रिपोर्ट है कि कंपनी के खिलाफ ग्राहकों की हजारों-हजार शिकायतें पहुंची है।

आज चढ़ गए शेयर

ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों की लिस्टिंग के कुछ दिनों बाद ही ये काफी दबाव में दिख रहे हैं। यह बीते सोमवार को अपने सर्वकालिक उच्च स्तर 157.5 रुपये से 43 प्रतिशत तक गिर चुका था। हालांकि, बुधवार को इसके शेयरों में तेजी दिखी। मंगलवार को इसके शेयर 95.46 रुपये पर बंद हुए थे। बुधवार को यह 95.46 रुपये पर खुला और ऊंचे में 98.70 रुपये तक गया। नीचे में यह 93.80 रुपये तक गिरा।

फिजिक्स का फॉर्मूला खेती में लगाया और हो गए मशहूर... अब लाखों की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के विनोद सहदेवन नायर बनाना मैन के नाम से मशहूर हैं। उन्होंने केले की 500 से भी ज्यादा किस्मों की खेती करके अलग मुकाम हासिल किया है। अपनी खेती से वह लाखों कमाते हैं। केले की अलग-अलग किस्मों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए वह इन्हें मुफ्त में भी बांटते हैं। विनोद ने अपनी इस यात्रा की शुरुआत मां के गुजरने के बाद की थी। उन्होंने फिजिक्स में बीएससी की है। आइए, यहां वनिोद सहदेवन नायर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विनोद सहदेवन नायर तिरुअनंतपुरम के रहने वाले हैं। फिजिक्स में ग्रेजुएशन करने के बाद विनोद ने कुछ समय के लिए नौकरी की। बाद में कोच्चि में एक वेब डिजाइनिंग कंपनी शुरू की। लेकिन, अपनी मां के गुजरने के बाद उन्होंने घर वापस आने और अपने परिवार के खेतों का विस्तार करने का फैसला किया।

मुश्किल काम हाथ में लिया

विनोद अलग तरह का फार्म बनाना चाहते थे। उन्होंने केले की ऐसी किस्मों को जुटाना शुरू कर दिया जो केरल में आम तौर पर नहीं देखी जाती थीं। यह काम कतई आसान नहीं था। अलग-अलग तरह की किस्मों को जुटाने के लिए वह गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल, ओडिशा, असम और मणिपुर जैसे राज्यों में गए। उन्होंने ज्यादा से ज्यादा किस्मों को हासिल करने के लिए विभिन्न बागवानी विभागों, अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों से भी संपर्क किया।

500 से ज्यादा किस्मों की खेती

दरअसल, हर तरह के केले के साथ एक निश्चित सांस्कृतिक तत्व भी जुड़ा होता है। उदाहरण के लिए कन्याकुमारी की एक किस्म मनोरंजीतम अपनी खास सुगंध के लिए मशहूर है। पुराने दिनों में लोग शुभ अवसरों, विवाह और त्योहारों के दौरान इसे अपने घरों में लटकाते थे। वर्तमान में विनोद के खेतों में केले की 500 किस्में हैं। इनमें लेडीज फिंगर केला, लाल केला और ब्लू जावा जैसी अंतरराष्ट्रीय किस्में भी शामिल हैं।

अब लाखों की कमाई

विनोद सहदेवन ने मलेशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, हवाई और होंडुरास जैसे देशों की यात्रा करके भी कई दुर्लभ तटीय जलवायु वाले केले की किस्मों को हासिल किया। वह अपनी उपज थोक बाजार में बेचते हैं। इससे उन्हें हर महीने 1 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई होती है। केले की विभिन्न किस्मों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए विनोद ने फेसबुक ग्रुप भी बनाया है।

सेबी विवाद के बीच सीतारमण ने वित्तीय क्षेत्र के नियामकों को सराहा, कहा- ये पारदर्शिता लेकर आए

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को भारत में वित्तीय क्षेत्र से जुड़े नियामकों की सराहना की। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र के नियामकों ने भारत में विश्वस्तरीय काम किया है। उनके अनुसार वित्तीय क्षेत्र के नियामक तंत्र में बेहतर पारदर्शिता लेकर आए हैं। वित्त मंत्री ने वित्तीय क्षेत्र नियामकों की तारीफ ऐसे समय पर की है, जब पिछले कुछ महीनों में शेयर बाजार नियामक सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड) व उनकी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच पर कई आरोप लगे हैं। बीते कुछ समय में हिंडनबर्ग रिसर्च और देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इक्विटी बाजार के नियामक व उसके प्रमुख पर कई गड़बड़ियों के आरोप लगाए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि वे नियामकों से सवाल करने या उनकी आलोचना करने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन उनके योगदानों के बारे भी अत्यंत सचेत रहने की जरूरत है।

त्योहारी सीजन में सस्ती होगी दाल! मुनाफाखोरों के खिलाफ एक्शन में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले तीन महीने में मंडियों में दालों की कीमत में 10 प्रतिशत गिरावट आई है। लेकिन इसके बावजूद दालों की रिटेल कीमत में कोई कमी नहीं आई है। इस पर अब सरकार एक्शन में आ गई है। सरकार ने दालों के खुदरा विक्रेताओं से थोक कीमतों में गिरावट का लाभ आम उपभोक्ताओं को देने को कहा है। इसके साथ ही सरकार ने चेताया कि यदि वे असामान्य रूप से मुनाफा कमाते हैं तो उनके खिलाफ आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। एक सरकारी बयान के अनुसार उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने मंगलवार को भारतीय खुदरा विक्रेताओं के संघ आरएआई और प्रमुख संगठित खुदरा श्रृंखलाओं के साथ प्रमुख दालों की कीमतों के आउटलुक और रुझानों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की।

यह बैठक त्योहारी सत्र को देखते हुए महत्वपूर्ण है। इसमें कहा गया कि हाल के महीनों में अधिकांश दालों की मंडी (थोक) कीमतों में गिरावट का रुख रहा है, जबकि इस साल खरीफ दालों की बेहतर उपलब्धता और अधिक बुवाई का रकबा है। खरे ने बताया कि पिछले तीन महीनों के दौरान प्रमुख मंडियों में अरहर और उड़द की कीमतों में औसतन लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट आई है, लेकिन खुदरा कीमतों में ऐसी गिरावट नहीं देखी गई है।

थोक कीमतों में गिरावट

उन्होंने कहा कि चने के मामले में पिछले एक महीने में मंडी कीमतों में गिरावट देखी गई है, लेकिन खुदरा कीमतों में वृद्धि जारी है। उन्होंने कहा कि थोक मंडी कीमतों और खुदरा कीमतों के बीच अलग-अलग रुझान खुदरा विक्रेताओं द्वारा निकाले जा रहे अनुचित मार्जिन का संकेत देते हैं। रुझानों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और अगर अंतर बढ़ता हुआ पाया जाता है तो आवश्यक उपाय शुरू करने होंगे।

बैठक में आरएआई के अधिकारियों और रिलायंस रिटेल लिमिटेड, विशाल मार्ट, डी मार्ट, स्पेंसर और मोर रिटेल के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बयान में कहा गया कि मौजूदा उपलब्धता की स्थिति और मंडी कीमतों में नरमी को देखते हुए सचिव ने खुदरा उद्योग से कहा कि वे दालों की कीमतों को उपभोक्ताओं के लिए किफायती बनाए रखने के सरकार के प्रयासों में हरसंभव सहायता प्रदान करें।

कहां से आ रही है दाल

उन्होंने संगठित खुदरा श्रृंखलाओं से भारत दालों, विशेष रूप से भारत मसूर दाल और भारत मूंग दाल के वितरण में एनसीसीएफ और नेफेड के साथ समन्वय करने को कहा। उपलब्धता के बारे में खरे ने कहा कि खरीफ की उड़द और मूंग की आवक बाजारों में शुरू हो गई है, जबकि पूर्वी अफ्रीकी देशों और म्यांमार से तुअर और उड़द का आयात घरेलू स्टॉक को बढ़ाने के लिए लगातार हो रहा है।

रबी की बुवाई की तैयारी में, कृषि विभाग ने दालों का उत्पादन बढ़ाने और आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से प्रत्येक प्रमुख उत्पादक राज्य को केंद्रित योजनाएं सौंपी हैं। नेफेड और एनसीसीएफ आगामी रबी सत्र में किसानों के पंजीकरण और किसानों के बीच बीज वितरण में शामिल होंगे, जैसा कि इस साल खरीफ बुवाई सत्र में किया गया था।

गौतम अडानी की नेटवर्थ में भारी उछाल

अडानी अमीरों की लिस्ट में 16वें नंबर पर पहुंचे

अंबानी और अडानी में केवल 2 स्थान पर अंतर

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार छह दिन की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी लौटी। शुरुआत में मार्केट में भारी उतारचढ़ाव दिख रहा था लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनावों की मतगणना आगे बढ़ने के साथ ही शेयर मार्केट में तेजी दिखने लगी। इस तेजी से सबसे ज्यादा फायदे में गौतम अडानी रहे। अडानी ग्रुप के चेयरमैन की नेटवर्थ में मंगलवार को 4.35 अरब डॉलर यानी करीब 36,505 करोड़ रुपये की तेजी आई। इसके साथ ही वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दो स्थान की छलांग लगाते हुए 16वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 101 अरब डॉलर पहुंच गई है।

अडानी मंगलवार को एनवीडिया के फाउंडर और सीईओ जेंसन हुआंग के बाद सबसे ज्यादा कमाई करने वाले शख्स रहे। हुआंग की नेटवर्थ में 4.36 अरब डॉलर की तेजी आई। अडानी की नेटवर्थ में इस साल 16.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की

नेटवर्थ में भी मंगलवार को तेजी रही। उनकी नेटवर्थ 2.12 अरब डॉलर की तेजी के साथ 106 अरब डॉलर पहुंच चुकी है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 9.90 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 14वें नंबर पर हैं। अंबानी और अडानी की नेटवर्थ में अब केवल 5 अरब डॉलर का फासला रह गया है।

कौन-कौन है टॉप 10 में

इस बीच एलन मस्क 259 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में पहले नंबर पर बने हुए हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ मार्क जकरबर्ग 210 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। जेफ बेजोस (206 अरब) तीसरे, बर्नार्ड अरनॉल्ट (.191 अरब) चौथे, लैरी एलिसन पांचवें (.185 अरब), बिल गेट्स (.161 अरब) छठे, लैरी पेज (.149 अरब) सातवें, स्टीव बाल्मर (.144 अरब) आठवें, वॉरेन बफे (.143 अरब) नौवें और सर्गेई ब्रिन (.140 अरब) दसवें नंबर पर हैं।

पीएमएवाय होम लोन सब्सिडी वापस ले सकती है सरकार

पीएम आवास योजना क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी स्कीम है, जो घर खरीदने में करती है मदद

तीन स्थितियों में स्कीम के तहत मिलने वाली सब्सिडी ली जा सकती है वापस

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने पिछले साल 9 अगस्त को प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 लॉन्च की थी। इसे पीएमएवाय 1.0 की सफलता के बाद लाया गया है। पीएमएवाय एक क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी स्कीम है। इसका मकसद लोगों को घर खरीदने या बनाने में मदद करना है। पीएमएवाय सब्सिडी से होम लोन की अदायगी की लागत कम हो जाती है। इससे घर खरीदना या बनाना और भी किफायती हो जाता है।

लेकिन, बहुत से लोग पीएमएवाय के बारे में एक अहम बात नहीं जानते हैं। अगर कुछ शर्तें पूरी नहीं होती हैं तो सरकार पीएमएवाय स्कीम के तहत दी गई ब्याज सब्सिडी को वापस ले सकती है। इसका मतलब है कि होम लोन की अदायगी की शुरुआत में उन्हें जो ब्याज सब्सिडी दी गई थी, उसे बाकी लोन की मूल राशि में जोड़ दिया जाएगा। कर्ज लेने वाले को होम लोन की अवधि तक इस लोन राशि पर अधिक ईएमआई का भुगतान करना होगा।

पंजाब नेशनल बैंक में रिटेल एसेट बिजनेस डिवीजन के महाप्रबंधक अमरेंद्र कुमार के अनुसर, ऐसी तीन स्थितियां हैं जिनके तहत क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी वापस ली जा सकती है। दूसरी स्थिति, जब क्रेडिट सब्सिडी पहले ही वितरित की जा चुकी हो,

लेकिन कुछ कारणों से घर का निर्माण रुक गया हो। ऐसे में सब्सिडी की वसूली कर नोडल या कार्यान्वयन एजेंसी को वापस कर दी जाएगी।

तीसरी स्थिति, उपयोग/अंतिम-उपयोग प्रमाण पत्र जमा नहीं करने पर सब्सिडी वापस ली जा सकती है। कर्ज देने वाले बैंक को आवास इकाई के पूरा होने के लिए नोडल एजेंसी को कर्ज राशि की पहली किस्त के वितरण की तारीख से एक वर्ष के भीतर या अधिकतम 36 महीने के भीतर उपयोग/अंतिम-उपयोग प्रमाण पत्र प्रदान करना होता है। इस प्रमाण पत्र के अभाव में बैंक को संबंधित नोडल एजेंसी को सब्सिडी वापस करनी होती है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अनुसार, तीन केंद्रीय नोडल एजेंसियां बैंकों को सब्सिडी राशि वितरित करती हैं। इन तीन एजेंसियों में नेशनल हाउसिंग बैंक, हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड और भारतीय स्टेट बैंक शामिल हैं। हालांकि, सरकार ने पीएमएवाय 2.0 के लिए संचालन दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। लेकिन, उसने इसे अभी तक सार्वजनिक नहीं किया है। यह संभावना है कि पीएमएवाय 1.0 और 2.0 के तहत क्लॉबैक की शर्तें समान हों। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, ब्याज सब्सिडी को कर्ज लेने वाले के लोन अकाउंट में एडवांस में दिया जाता है। यानी होम लोन की शुरुआत में ही इसे क्रेडिट किया जाता है। इसके चलते प्रभावी हाउसिंग लोन की रकम और ईएमआई कम हो जाती है। ब्याज सब्सिडी कोई रियायती ब्याज दर नहीं है, बल्कि इसका शुद्ध वर्तमान मूल्य है। इसका कैलकुलेशन पीएमएवाय 1.0 परिचालन दिशानिर्देशों के अनुसार 9 प्रतिशत की छूट दर पर किया जाता है।

झारखंड की रणजी टीम का ऐलान, ईशान किशन को मिली कप्तानी

रांची, एजेंसी। चर्चित इंटरनेशनल क्रिकेटर ईशान किशन को झारखंड रणजी टीम की कप्तानी सौंपी गई है। झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) ने बुधवार को सत्र 2024-25 के लिए टीम घोषित की है। इसमें कप्तान ईशान किशन के अलावा जिन खिलाड़ियों को जगह मिली है, उनमें विराट सिंह (उप कप्तान), कुमार कुशाग्र (विकेट कीपर), नाज़िम सिद्दीकी, आर्यमन सेन, शरणदीप सिंह, कुमार सूरज, अनुकूल रॉय, उत्कर्ष सिंह, सुप्रियो चक्रवर्ती, सौरभ शेखर, विकास कुमार, विवेकानंद तिवारी, मनीषी, रवि कुमार यादव और रौनक कुमार के नाम शामिल हैं। इसके पहले बुची बाबू टूर्नामेंट में भी झारखंड की टीम ईशान किशन की कप्तानी में उतरी थी। रणजी ट्रॉफी की शुरुआत 11 अक्टूबर से हो रही है और झारखंड का पहला मुकाबला असम से है। झारखंड जिस एलीट ग्रुप में शामिल है, उसमें असम, रेलवे, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, सौराष्ट्र, दिल्ली और तमिलनाडु की टीमें शामिल हैं। ईशान किशन मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं, लेकिन वे झारखंड के लिए खेलते रहे हैं। 22 दिसंबर 2015 को उन्हें 2016 अंडर 19 क्रिकेट विश्व कप के लिए भारत की टीम के कप्तान के रूप में नामित किया गया था। ईशान बाएं हाथ के बल्लेबाज और विकेटकीपर हैं।ईशान किशन 2019 की इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की टीम का हिस्सा रहे हैं। ईशान किशन अभी टीम इंडिया का हिस्सा नहीं हैं। आखिरी बार वह अफ्रीका के दौरे पर गए थे, जहां मानसिक तनाव को वजह बताते हुए उन्होंने उस दौरे से नाम वापस ले लिया था। इसके बाद उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था, तब से लेकर अब तक वे टीम इंडिया में वापसी की राह देख रहे हैं।

निको विलियम्स टीम से बाहर; सर्जियो गोमेज ने उनकी जगह ली

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के स्टार स्ट्राइकर निको विलियम्स चोट के कारण डेनमार्क और सर्बिया के खिलाफ यूईएफए नेशंस लीग टीम से बाहर हो गए। रियल सोसिएदाद के खिलाड़ी सर्जियो गोमेज़, जो ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा थे, लुइस डे ला फुएंते की टीम में प्रतिस्थापन के रूप में शामिल होंगे।स्पेनिश फुटबॉल महासंघ ने एक बयान में कहा, निको विलियम्स को शारीरिक परेशानी के कारण टीम से बाहर होना पड़ा है और वे मर्सिया और कॉर्डोबा में आयोजित होने वाले यूईएफए नेशंस लीग के तीसरे और चौथे दौर में नहीं खेलेंगे। फॉरवर्ड ने अपने क्लब और राष्ट्रीय टीम की चिकित्सा सेवाओं के बीच बातचीत के बाद लास रोजास में प्रशिक्षण छोड़ दिया। एथलेटिक क्लब के खिलाड़ी विलियम्स को बाएं सैक्रोइलियक चोट लगी है, जिसके कारण वे गिरोना एफसी के खिलाफ आखिरी ला लीगा मैच के लिए टीम से बाहर हो गए। यूरोपा लीग मुकाबले के पहले हाफ के दौरान यह चोट लगी। खिलाड़ी ने पूरा मैच खेला और एजेड अल्कमार पर जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पुजारा की कमी पूरी कर सकते है यशस्वी: वॉटसन

नई दिल्ली, एजेंसी। फॉर्मेट चाहे कोई भी हो, इन दिनों टीम इंडिया का परचम लहरा रहा है। वनडे विश्व कप उप-विजेता और टी20 चैंपियन भारत अब टेस्ट फॉर्मेट में भी अपनी श्रेष्ठता साबित करने का लक्ष्य बना चुका है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने का इरादा बना चुकी रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया को इससे पहले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना होगा।

पिछले दो दौरे भारत के नाम रहे, जिसकी अहम कड़ी चेतेश्वर पुजारा थे, जो इस बार टीम इंडिया के साथ नहीं होंगे। ऐसे में विराट कोहली, कप्तान रोहित शर्मा और युवा बल्लेबाज शुभमन गिल नहीं, बल्कि एक अन्य युवा खिलाड़ी टीम में मुख्य बल्लेबाज की भूमिका में नजर आ सकता है। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की रेस में अपना अभियान ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ खत्म करेगी। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी।

आस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। भारत के पास ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट सीरीज जीतने वाली इस सदी की दूसरी टीम बनने का मौका होगा।

भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पिछला दो टेस्ट सीरीज जीता है और अब वह अपनी जीत की लय को आगे बढ़ाना चाहेगा। हालांकि, चेतेश्वर पुजारा की गैर हाजिरी में भारतीय टीम के लिए यह इतना आसान नहीं हो सकता। टीम से बाहर चल रहे इस बल्लेबाज ने भारत की दोनों

सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

2018-19 और 2020-21 के दौरों पर पुजारा ने 2186 गेंदों का सामना करते हुए 792 रन बनाए थे। 2018/19 सीरीज में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीती थी। चार टेस्ट में, दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीन शतक और एक अर्धशतक की मदद से 521 रन बनाए थे। वह उस सीरीज में 350 से ज्यादा रन बनाने वाले एकमात्र बल्लेबाज थे।

2020-21 की उस सीरीज में पुजारा ने फिर से शानदार बल्लेबाजी की। वह सीरीज में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। चार टेस्ट में उन्होंने तीन अर्धशतकों की मदद से 271 रन बनाए।

फिलहाल, पुजारा टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें जल्द ही टीम में चुने जाने की संभावना नहीं है, ऐसे में टीम इंडिया के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चुनौती आसान नहीं होगी। मगर, भारतीय टीम को काफी करीब से जानने वाले पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज क्रिकेटर शेन वॉटसन का मानना है कि पुजारा की कमी टीम इंडिया के लिए ज्यादा परेशानी का सबब नहीं होगी, क्योंकि उनके पास एक युवा ऑप्शन है, जिसकी शैली बेशक अलग है, लेकिन हौसला पुजारा जैसा ही है।

वॉटसन ने मंगलवार को मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स लीग के शुभारंभ के अवसर पर कहा, मुझे नहीं लगता कि भारत की बल्लेबाजी में बहुत बदलाव आएगा। उदाहरण के लिए, जब आप पुजारा के बारे में बात करते हैं, तो वह कोई गलती नहीं करते। जबकि आपने भारत के कई ऐसे बल्लेबाजों को देखा है जो काफी हद तक ऐसे ही हैं। जैसे कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, उन्होंने बहुत तेजी से रन बनाए हैं, लेकिन उन्होंने कोई गलती नहीं की है। शेन वॉटसन ने कहा, उन्होंने विपक्षी टीम को अब तक बहुत कम ऐसे मौके दिए कि वे उन्हें आउट करने में सक्षम हो पाएं। मुझे लगता है कि अगर ऐसे बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया आकर आक्रामकता के साथ खेलें और खराब गेंदों पर टूट पड़ते हुए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों पर दबाव बनाने की कोशिश करें, तो ऐसी स्थिति में नतीजा बहुत बदलेगा नहीं।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, ये है फुल स्क्वाड और पूरा शेड्यूल

नईदिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के बाद भारत दौरे पर न्यूजीलैंड की टीम 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी। इस सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम घोषित हो गई है। न्यूजीलैंड की टीम को श्रीलंका दौरे पर 2-0 का क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। इसके बाद भी स्क्वाड में बदलाव नहीं हुआ है। हालांकि, कप्तान बदल गया। इसकी जानकारी टीम घोषित होने से पहले ही आ गई थी। टॉम लैथम को टिम साउदी की जगह कप्तान नियुक्त किया गया है। न्यूजीलैंड की टीम में मार्क चैपमैन को चोटिल केन विलियमसन के कवर के तौर पर चुना गया है। विलियमसन के पहले टेस्ट में खेलने पर सस्पेंस है। इसके अलावा माइकल ब्रेसवेल केवल पहला टेस्ट खेलेंगे। वह पिता बनने वाले हैं और स्वदेश लौट जाएंगे। उनकी जगह दूसरे और तीसरे टेस्ट में ईश सोढ़ी स्क्वाड से जुड़ेंगे।

न्यूजीलैंड टेस्ट स्क्वाड

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल (केवल पहला टेस्ट), मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, विल ओ'रुरके, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र, मिशेल सेंटनर, बेन सियर्स, ईश सोढ़ी (केवल दूसरा और तीसरा टेस्ट), टिम साउदी, केन विलियमसन, विल यंग।

आर्कटिक ओपन

दो बार की ओलंपिक चैंपियन सिंधू शुरुआती दौर में हारीं

नईदिल्ली, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू आर्कटिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में ही हार गईं। दूसरी ओर, भारत की एक अन्य खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए दुनिया की 23वें नंबर की चीनी ताइपे की खिलाड़ी सुंग शुओ युन को हराकर महिला एकल वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। सिंधू पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने के बाद इस टूर्नामेंट में शिरकत कर रही थीं। छठी वरीयता प्राप्त सिंधू को कनाडा की मिशेले ली ने अंतिम 32 के मैच में 21-16, 21-10 से हराया। वहीं, फरवरी में अजरबैजान इंटरनेशनल जीतने वाली बंसोड ने चीनी ताइपे की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 21-19, 24-22 से जीत दर्ज की।

मेगन शुट्ट महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं

नईदिल्ली, एजेंसी। मेगन शुट्ट अब महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने न्यूजीलैंड की जॉर्जिया प्लिमर को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल के 43 विकेटों को पीछे छोड़ दिया। जहां इस्माइल ने 32 मैच में 43 विकेट हासिल किए थे तो वहीं, शुट्ट ने केवल 26 मैचों में ही यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। मेगन के नाम अब टी20 विश्व कप में 46 विकेट हो चुके हैं।

महिला टी-20 वर्ल्डकप में सबसे किफायती 3 विकेट स्पैल

3/3 - मेगन शुट्ट (ऑस्ट्रेलिया) बनाम न्यूजीलैंड, शारजाह, 2024
3/4 - डेनिएल हेजेल (इंग्लैंड) बनाम बांग्लादेश, सिलहट, 2014
3/4 - नेट साइवर-ब्रंट (इंग्लैंड) बनाम साऊथ अफ्रीका, ग्रोस आइलेट, 2018

महिला टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज

46 विकेट- मेगन शुट्ट, ऑस्ट्रेलिया (26 पारियां)
43 विकेट -शबनीम इस्लाम, साऊथ अफ्रीका (32 पारियां)
41 विकेट -आन्या श्रुबसोल, इंग्लैंड (27 पारियां)

प्लेयर ऑफ द मैच मेगन शुट्ट ने कहा कि मुझे लगता है कि मैंने खूब पसीना बहाया। यह एक महत्वपूर्ण मैच था। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ अच्छा खेला था। इसलिए यह मैच जीतना अच्छा था। पहली पारी में हमने सोचा कि हम एक समय 160 रन तक पहुंच जाएंगे, लेकिन हमने कुछ विकेट खो दिए और इसलिए शायद 10-15 रन कम रह गए, लेकिन हम जानते थे कि अगर हम पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो हम अच्छी स्थिति में रहेंगे। मैंने बस बुनियादी बातों के अनुसार गेंदबाजी की। हम अपनी योजनाओं पर कायम रहे, इस तरह की गर्मी में खेलने के लिए, व्यापक तैयारियों से मदद मिली। लेग स्पिनर अमेलिया केर के 4 विकेट की मदद से न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप के मैच में पहले खेलने उतरी आस्ट्रेलिया को आठ विकेट पर 148 रन पर रोक दिया। लेकिन न्यूजीलैंड की टीम ने बल्लेबाजी करते हुए लय गंवा दी।

पाकिस्तान-इंग्लैंड टेस्ट: जो रूट ने जड़ा 35वां टेस्ट सैकड़ा, शतक मशीन से गावस्कर-लारा समेत 4 खिलाड़ी छूटे पीछे

मुल्तान, एजेंसी। मुल्तान में पाकिस्तान-इंग्लैंड के बीच 3 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में खूब रन बन रहे हैं। पाकिस्तान ने पहली पारी में 556 रन बनाए। अब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने रन बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस बीच इंग्लैंड के 'शतक मशीन' जो रूट रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 35वां शतक जड़ दिया है। वह टेस्ट क्रिकेट में छठे सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बन गए।

जो रूट ने पाकिस्तान के खिलाफ बुधवार (9 अक्टूबर) को शानदार पारी खेलकर इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक के मामले में लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर और कैरेबियाई दिग्गज ब्रायन लारा समेत 4 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। पाकिस्तान के यूनुस खान और श्रीलंका के महेला जयवर्धने भी पीछे छूट गए। इन चारों खिलाड़ियों के 34-34 शतक हैं।

रूट ने 2024 में अबतक 5 शतक जड़े

जो रूट अब सबसे ज्यादा शतक के मामले में मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर 51, जैक कैलिस 45, रिकी पोंटिंग 41, कुमार संगकारा 38 और राहुल द्रविड़ के 36 शतक से ही पीछें हैं। रूट ने 2024 में अबतक 5 शतक जड़ दिए हैं। वह इस साल संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी है।

कुशल मेंडिस के 5 शतक

रूट के अलावा श्रीलंका के कुशल मेंडिस के 5 शतक हैं। केन विलियमसन, शुभमन गिल और ओली पोप के 3-3 शतक हैं। दिनेश चांदीमल, धनंजय डी सिल्वा, यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा ने 2-2 शतक जड़े हैं। रूट ने पिछली 9 पारियों में 4 शतक जड़े हैं। इस साल इंग्लैंड के बाहर यह दूसरा शतक है। उन्होंने भारत दौरे पर रांची टेस्ट में 122 रन बनाए थे।

एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत का पहला मेडल पक्का

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला टीम ने एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप में बड़ा उलटफेर किया है। टीम ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पेरिस ओलिंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट साउथ कोरिया को 3-2 से हराया और टॉप-4 में जगह बनाते हुए पदक पक्का किया।

इस जीत में अयहिका मुखर्जी ने अहम भूमिका निभाई। दुनिया की 92 रैंक भारतीय खिलाड़ी ने वर्ल्ड नंबर-8 शिन युबिन और दुनिया की 16वें नंबर की खिलाड़ी जियोन जिही को हराया। इस जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने एशियाई टेबल टेनिस संघ द्वारा आयोजित एशियन चैंपियनशिप में अपना पहला मेडल पक्का कर लिया। भारतीय महिलाओं ने अब बंद हो चुके टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ एशिया द्वारा आयोजित एडिशन में 1960 में ब्रॉन्ज जीता था। यानी कि भारत ने टूर्नामेंट में 64 साल बाद कोई मेडल जीता है।

अयहिका ने 2 मैच जीते, आज सेमीफाइनल जापान से मंगलवार शाम को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत और साउथ कोरिया के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मुकाबले में अयहिका और मनिका बत्रा ने भारत को 2-0 की अप्रत्याशित बढ़त दिला दी थी, लेकिन साउथ कोरिया ने स्कोर 2-2 से बराबर कर लिया। इसके बाद अयहिका ने जिही को हराकर भारत को जीत दिलाई।

अयहिका पेरिस ओलिंपिक के क्वार्टर फाइनल में पहुंची। भारतीय महिला टीम का हिस्सा नहीं थी, लेकिन अर्चना कामथ के संन्यास के बाद वह इस टीम में लौटीं। अयहिका ने इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड टीम चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी चीन की सुन यिंगसा को हराया था।

14 वर्षीय खिलाड़ी ने वांग को चौंकाया लेकिन चीन पुरुष सेमीफाइनल में

अस्ताना (कजाकिस्तान), एजेंसी। चीन ने मंगलवार को यहां एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में दुनिया के नंबर 1 वांग चुकिन की शुरुआती मैच में चौंकाने वाली हार से उबरते हुए ईरान को 3-1 से हराकर पुरुष टीम सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वांग को 14 वर्षीय बेन्यामिन फराजी से 11-8, 3-11, 9-11, 13-11, 11-9 से हार का सामना करना पड़ा, जो विश्व रैंकिंग में उनसे 209 स्थान नीचे हैं। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार हाल के टूर्नामेंटों में अपने अनुकूल फॉर्म की लहर पर सवार होकर, 19 वर्षीय लिन शिदोंग ने चीन को बराबरी दिलाने में मदद की, वह भी पांच रोमांचक गेमों के माध्यम से, अंतत: 13-11, 11-13, 18-16, 5-11, 11-6 से नोशाद अलामियान पर जीत हासिल की। लियांग जिंगकुन ने मोहम्मद मौसवी ताहेर को सीधे गेम में हराया, वांग ने अलामियान पर 3-1 की जीत के साथ सेमीफाइनल में गत चैंपियन का स्थान सुरक्षित किया।

लुक्स के कारण विवादों में घिरी कार्डी बी ने दिया ट्रोल्स को जवाब

रैपर कार्डी बी अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रहती हैं। कार्डी बी को हाल में सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। सोशल मीडिया यूजर्स ने उन पर प्लास्टिक सर्जरी कराने को लेकर बातें की थी। इस पर कार्डी बी ने जवाब दिया है। हॉलीवुड रैपर कार्डी बी को इन दिनों अपने लुक्स को लेकर काफी विवादों का सामना करना पड़ रहा है। लोग लगातार उनके लुक्स को लेकर चर्चा कर रहे थे। इस पर अब कार्डी बी की प्रतिक्रिया सामने आई है। कार्डी ने जवाब देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है।

अपने लुक्स के कारण होना पड़ा विवादों का शिकार

कार्डी ने लिखा, आप सभी को आराम करने की जरूरत है। ये मेरा शरीर है भले ही जैसा भी दिखता है। मैं चाहती हूं कि आप सभी अपने दिमाग से सोचें। उन्होंने आगे कहा, आप सभी कुछ दिनों पहले ही मेरे शरीर की तारीफ कर रहे थे...क्या आप सभी को लगता है कि मैंने 2 दिन में सर्जरी करवा ली

ट्रोल्स को कार्डी बी ने दिया जवाब

एक यूजर ने इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी,बेबी तुम अभी भी पागल दिखती हो, ऐसा लगता है कि तुम्हारा पेट फट जाएगा। हालांकि, तुम अभी कैसी दिखती हो, इस पर इतना ध्यान मत देना, तुमने अभी-अभी एक बचे को जन्म दिया है। कार्डी बी ने इस यूजर को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि तुम खुद आलू की तरह दिखती हो, तुम मेरे मोटापे की बात कर रही हो।

सितंबर में दिया है बेटी को जन्म

कार्डी बी ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए प्रशंसकों को खुशखबरी दी थी, कि उन्होंने बेटी को जन्म दिया है। इस पोस्ट में कार्डी अस्पताल में अपनी नवजात बेटी को गोद में लिए हुए हैं। उन्होंने कलरफुल रोब पहन रखा था। उन्होंने कैप्शन दिया, एक सुंदर बेटी। पोस्ट में उनके पति ऑफसेट और उनके दो बचे कल्चर और वेव भी नजर आए। अन्य फोटोज में कार्डी बी अपनी बेटी को गोद में लेते हुए दिखीं।

रईसी के मामले में टेलर स्विफ्ट ने रिहाना को दी पटखनी, बनीं दुनिया की सबसे अमीर महिला संगीतकार

संगीत की दुनिया में रिहाना के नाम का सिक्का चलता है। दौलत के मामले में भी वे सबसे आगे रही हैं, लेकिन अब टेलर स्विफ्ट ने उन्हें पीछे धकेल दिया है। टेलर स्विफ्ट दुनिया की सबसे अमीर महिला संगीतकार बन गई हैं।

टेलर स्विफ्ट ने नया रिकॉर्ड बना लिया है। वे अब दुनिया की सबसे रईस संगीतकार बन चुकी हैं। उन्होंने लोकप्रिय पॉप सिंगर रिहाना को पीछे छोड़ दिया है। फोर्ब्स के मुताबिक, रिहाना की कुल संपत्ति 1.6 बिलियन डॉलर है। वहीं, रिहाना की नेटवर्थ 1.4 बिलियन डॉलर थी। ऐसे में टेलर स्विफ्ट अब रिहाना से आगे निकल चुकी हैं। टेलर स्विफ्ट ने 34 साल की उम्र में यह इतिहास रच दिया है।

स्विफ्ट के रिकॉर्ड तोड़ने वाले एरास टूर ने उन्हें 2023 में अरबपति का दर्जा दिलाया। फोर्ब्स के मुताबिक, स्विफ्ट की संपत्ति का 600 मिलियन डॉलर ञ्श्वह्ह्- इनकम और रॉयल्टी से आता है। वहीं, 600 मिलियन डॉलर उनके म्यूजिक एल्बम की लागत से और 125 मिलियन डॉलर रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट से आता है। ऐसा कहा जाता है कि टेलर स्विफ्ट ने 2023 में अकेले स्पॉटिफाई स्ट्रीमिंग से 100 मिलियन डॉलर की रॉयल्टी हासिल की है, जो उन्हें उनके 2022 के एल्बम मिडनाइट्स और 2023 में 1989 के एल्बम के कारण मिली।

दोबारा रिलीज किए थे एल्बम

टेलर स्विफ्ट ने एलान किया था कि वे 2019 में अपने एल्बम फिर से रिलीज करेंगी। इसका मतलब है कि उनके पास अपने काम का पूरा कंट्रोल है। तब से, स्विफ्ट ने अपने चार एल्बम फिर से रिलीज किए हैं और ये एल्बम हैं- फियरलेस, रेड, स्पीक नाउ और 1989 । टेलर स्विफ्ट ने पूरी तरह से नया कंटेंट भी पेश किया। उन्होंने इस साल अप्रैल में द टॉर्चर्ड पोएट्स डिपार्टमेंट नाम की एक एल्बम जारी की, जो यूनाइटेड स्टेट्स में उनकी सबसे लंबे समय तक चलने वाली नंबर 1 एल्बम बन गई। यह लगातार 14 हफ्ते तक टॉप पर रही। टेलर स्विफ्ट का जन्म 13 दिसंबर, 1989 को पेंसिल्वेनिया में हुआ था।

कहा जाता है कि उनका नाम सिंगर जेम्स टेलर के नाम पर रखा गया है। इन्होंने 2004 में अपने करियर की शुरुआत कर दी थी और 2023 में ही वे अरबपति बन चुकी थीं। अब इस साल वे सबसे अमीर महिला संगीतकार बन गई हैं। सोशल मीडिया पर भी टेलर की खूब लोकप्रियता है। उन्हें इंस्टाग्राम पर 283 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

म्यूजिक वीडियो के सेट पर सिंगर तुलसी कुमार के साथ हुआ खतरनाक हादसा

बॉलीवुड की जानी-मानी सिंगर तुलसी कुमार से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, सिंगर के साथ शूटिंग पर एक हादसा हो गया है और अब इस हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद फैंस चिंता में आ गए हैं। दरअसल, सिंगर अपने लेटेस्ट म्यूजिक वीडियो के लिए कैमरे के सामने एक्ट कर रही थीं और तभी उनके पीछे खड़ा शेड अचानक से गिर गया। हालांकि, वहां मौजूद लोग और तुलसी की समझदारी से बड़ा हादसा होने से टल गया है। जैसे ही होर्डिंग सिंगर के ऊपर गिरने वाला था, तभी किसी ने उन्हें वहां से हटने के लिए कहा, सिंगर वहां से हट तो गई, लेकिन फिर भी उन्हें कमर में चोट लग गई है। वीडियो में साफ-साफ देखा जा सकता है कि सिंगर दर्द में दिखाई दे रही हैं। ये वीडियो देखने के बाद उनके फैंस जल्द उनके ठीक होने की दुआ कर रहे हैं।

लोगों को हुई तुलसी की चिंता

सोशल मीडिया पर उनका यह वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है और जो भी वीडियो देख रहा है उन्हें तुलसी की चिंता हो रही है। एक शख्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि बच गई वरना या यादा भी चोट आ सकती थी। एक अन्य यूजर ने लिखा कि उम्मीद है कि वो ठीक होंगी। वहीं, कुछ लोगों ने उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना भी की। हालांकि, अभी तक सिंगर या उनके परिवार की तरह से कोई भी रिएक्शन सामने नहीं आया है।

इन गानों को दी है तुलसी ने आवाज

बता दें कि तुलसी कुमार, गुलशन कुमार और सुदेश कुमारी की बेटी हैं और भूषण कुमार की बहन हैं। वो अपने पिता की तरह ही बेहतरीन सिंगर भी हैं। तुलसी ने साल 2009 में आए एल्बम 'लव हो जाए' से म्यूजिक इंडस्ट्री में अपना डेब्यू किया था।

इसके बाद उन्होंने 'हमको दीवाना कर गए', 'मेरे रश्के कमर', 'पी लूं', 'तुम जो आए जिंदगी में', 'हम मर जाएंगे' और 'ओ साकी साकी' समेत कई सुपरहिट गानों को आवाज दी हैं। फैंस उनकी सिंगिंग के दीवाने हैं और वह बेसब्री के साथ सिंगर के गानों का इंतजार करते हैं।

चौथी बार नेशनल अवॉर्ड मिलने पर मनोज बाजपेयी ने खुद को बताया भाग्यशाली

मनोज बाजपेयी और शर्मिला टैगोर की फिल्म गुलमोहर ने 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में तीन पुरस्कार जीते है। यह प्रतिष्ठित समारोह आज दिल्ली में हो रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित कर रही हैं। पुरस्कार समारोह से पहले अभिनेता मनोज बाजपेयी ने चौथी बार राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर अपनी खुशी जाहिर की। यही नहीं, अभिनेता ने खुद को भाग्यशाली भी बताया है।

हाल ही में, एक वीडियो में अभिनेता ने कहा, जब मुझे यह तीन बार मिला, तब भी राष्ट्रीय पुरस्कार की खबर मिलने पर मेरी प्रतिक्रिया वैसी ही थी जैसी चौथी बार है। जब मैं जीवन में मंच कर रहा था, तो मुझे लगता था कि अगर मुझे यह एक बार मिल जाए, तो मेरा जीवन धन्य हो जाएगा। और आज ऊपर वाले की कृपा से, मुझे गुलमोहर के लिए चौथी बार यह मिला है। इसलिए मैं खुद को बहुत भाग्यशाली कलाकार मानता हूं, जिसे चौथी बार राष्ट्रीय पुरस्कार मिल रहा है।

पत्नी की मौजूदगी ने बनाया खास

मनोज बाजपेयी ने यह भी बताया कि उनकी पत्नी पहली बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने तीन बार यह पुरस्कार जीता था, तब वह इस समारोह में नहीं गई थीं। अभिनेता ने यह कहा कि यह उनकी जीत को और भी खास बनाता है।

यह है फिल्म की कहानी

बता दें कि राहुल वी. चिट्टेला की निर्देशित गुलमोहर कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म तीन पीढ़ियों की अपनी अलग अलग सोच है। घर की मालकिन कुसुम बत्रा शर्मिला टैगोर अपना घर गुलमोहर बेचने का फैसला करती हैं और चाहती हैं, जबकि मनोज बाजपेयी परिवार को साथ रखने की पूरी कोशिश करते हैं।

कानूनी पचड़ों में फंसीं शिल्पा शेट्टी

- एक्ट्रेस के खिलाफ दर्ज हुआ परिवाद 11 नवंबर को होगी सुनवाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी एक बार फिर मुसीबत में फंस गई हैं। शिल्पा शेट्टी के खिलाफ मुजफ्फपुर सीजेएम कोर्ट में परिवाद दायर किया गया है। शिल्पा पर आम लोगों की सुविधाओं को बाधा करने का आरोप लगा है। शिकायत 4 लोगों के खिलाफ हुई है और इसकी सुनवाई 11 नवंबर 2024 को होगी। चलिए बताते हैं आखिर क्या है मामला ...

बात ये है कि शिल्पा शेट्टी रविवार की शाम कल्याण ज्वैलरी की ओपनिंग कार्यक्रम में शामिल हुई। ये इवेंट कलम बाग चौक के पास था। जहां शिल्पा शेट्टी बतौर गेस्ट पहुंची थीं। ऐसे में रोड के दोनों किनारे पर भारी-भरकम भीड़ भी लग गई। नतीजा ये हुआ कि आम लोगों की भारी जाम का सामना करना पड़ा।

परिवाद दायर करने वाले वकील सुधीर कुमार ओझा ने बताया कि इस तरह के निजि कार्यक्रम के चलते घंटों का सड़क पर जाम लगा। आम लोगों को बहुत ही दिक्कतें भी हुईं। उन्होंने एक्ट्रेस के साथ साथ डीएम सुब्रत सेन, कल्याण ज्वेलर्स के टीएम कल्याण रमण और अन्य के खिलाफ परिवाद दायर किया गया है। गौरतबल है कि इसी साल जून में भी शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा कानूनी पचड़ों में फंसते नजर आए थे। उनपर सर्राफा व्यापारी ने धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए कोर्ट में केस दर्ज करवाया था।ये मामला एक स्कीम स्टार्ट से जुड़ा था।

अपने किरदार में डूब जाने का मौका देता है ओटीटी प्लेटफॉर्म : सोनाक्षी सिन्हा

हाल ही में स्ट्रीमिंग फिल्म ककुड़ा में नजर आई बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने ओटीटी प्लेटफॉर्म को बहुत अहम बताया। कहा कि यह कलाकारों को अपने किरदारों की गहराई को समझने और उन्हें निभाने का मौका देता है। सोनाक्षी ने अब तक दो ओटीटी शो दहाड़' और हाल ही में आई 'हीरामंडी- द डायमंड बाजार' में दिखीं। इसमें सोनाक्षी के काम को दर्शकों ने बेहद पसंद किया।

एक अवॉर्ड शो में 'हीरामंडी' अदाकारा सोनाक्षी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अभिनेत्री ने कहा, मैंने लगातार दो साल यह पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार मुझे दहाड़ और 'हीरामंडी- द डायमंड बाजार' के लिए दिया गया। यह इस बात का प्रमाण है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म कलाकारों को खुलकर काम करने का मौका दे रहा है। यह कलाकारों को शक्तिशाली भूमिका निभाने का मौका दे रहा है। सोनाक्षी ने ओटीटी और बड़े पर्दे पर काम करने के अनुभव पर बात करते हुए कहा, ओटीटी इस समय वाकई एक गेम-चेंजर है। ओटीटी पर पेश की जाने वाली भूमिकाएं अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण होती है। बड़े पर्दे पर हमेशा यह संभव नहीं होता।

उन्होंने कहा, बड़ी स्क्रीन का उद्देश्य हमेशा ही यादा से यादा लोगों का मनोरंजन करना होता है, जबकि मुझे लगता है कि ओटीटी किरदारों को गहराई से जानने के लिए यादा मौका देता है। मुझे दोनों ही जगह दर्शकों ने बहुत प्यार दिया है, जिसके लिए मैं आभारी हूं। इस डिजिटल क्रांति का हिस्सा बनना रोमांचक है, जहां कंटेंट ही सबसे यादा मायने रखता है। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने किरदारों को निभाने पर बात करते हुए कहा था कि मैं सेट पर पहुंचती हूं, कैमरे का सामना करती हूं, और तब किरदार मेरे लिए जीवंत हो उठता है। 23 जून को सोनाक्षी ने जहीर के साथ परिवार और करीबी दोस्त की मौजूदगी में शादी की थी। सोनाक्षी को पिछली बार रितेश देशमुख और साकिब सलीम के साथ ककुड़ा में देखा गया था। अब वह कुश सिन्हा निर्देशित निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस नामक फिल्म में नजर आएंगी।

वह आगामी फिल्म में अर्जुन रामपाल, परेश रावल और सुहैल नय्यर जैसे कलाकारों के साथ अभिनय करती नजर आएंगी।

लव एंड वॉर को बहुत खास मानते हैं संजय लीला भंसाली, कहा- ये किसी इतिहासिक समय में नहीं है...

फिल्मकार संजय लीला भंसाली अपनी आने वाली फिल्म लव एंड वॉर को बहुत खास फिल्म मानते हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट अहम किरदार में नजर आएंगे। अपनी इस फिल्म के बारे में बात करते हुए संजय ने बताया कि लव एंड वॉर मेरे लिये रोमांचक है। भंसाली ने कहा, ये एक बहुत ही खास फिल्म है, क्योंकि ये किसी इतिहासिक समय में नहीं है, ये कंटेंपरेरी है। यह अलग है, इसका संगीत भी अलग है। उन्होंने कहा कि उन्हें फिल्म लव एंड वॉर बनाने में मजा आ रहा है और इसमें बेहतरीन कलाकार हैं। रणबीर के साथ मैं 18 साल बाद काम कर रहा हूं।

वहीं पिछले दिनों खबर आ रही थी कि भंसाली की लव एंड वॉर साल 1964 में रिलीज हुई राज कपूर, राजेंद्र कुमार और वैजयंती माला स्टारर फिल्म संगम की रीमेक है।

सिंघम अगेन के ट्रेलर ने रचा इतिहास, टूटे सभी रिकॉर्ड

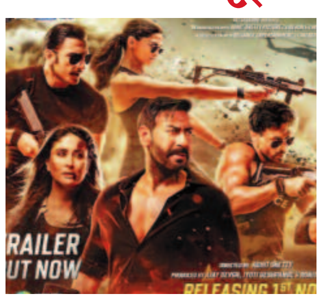

सिंघम अगेन ने रिलीज से पहले ही रिकॉर्ड बनाना शुरू कर दिया है। बीते दिन (7 अक्तूबर) को इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिली। इस फिल्म का ट्रेलर अब सभी प्लेटफॉर्म पर 24 घंटे के भीतर सबसे ज्यादा देखा जाने वाला ट्रेलर बन गया है। रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की इस नई फिल्म के ट्रेलर ने इतिहास रचते हुए एक दिन में रिकॉर्डतोड़ व्यूज बटोर डाले हैं।

ट्रेलर को सिर्फ 24 घंटे में ही 13.8 करोड़ बार देखा जा चुका है, जो कि अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है। इस फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों की उत्सुकता को और अधिक बढ़ा दिया है। सिंघम अगेन के ट्रेलर में दिखाए गए दमदार एक्शन और सम्मोहक कहानी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। यूट्यूब से लेकर इंस्टाग्राम, ट्विटर और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर यह ट्रेलर छा चुका है। ट्रेलर लॉन्च होने के कुछ ही घंटों में पहले नंबर पर ट्रेंड होने लगा।

इस फिल्म में कई सितारे नजर आने वाले हैं। अजय देवगन के अलावा फिल्म में दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, करीना कपूर खान, टाइगर श्रॉफ, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार और जैकी श्रॉफ जैसे सितारे नजर आएंगे। फिल्म के ट्रेलर में इन सभी सितारों की झलक देखने को मिला है। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी ने किया है।

इससे पहले उनके कॉप यूनिवर्स की सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त हिट रही हैं। सिंघम अगेन की बात करें तो यह फिल्म दिवाली पर रिलीज होने वाली है। फिल्म का मुकाबला कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 से होगा। उनकी इस फिल्म का निर्देशन अनीस बज्मी ने किया है।

-साभार एजेंसी